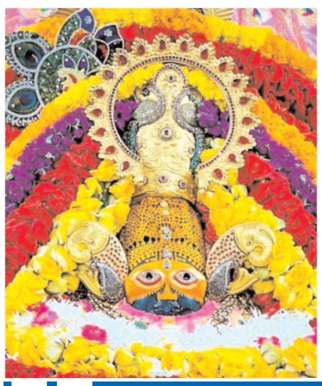

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:301। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 22 जून 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

तमिलनाडु की सीफूड फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक

• सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत

एजेंसी
चेन्नई। पेरियापालयम के पास स्थित एक फैक्टरी में अमोनिया गैस रिसाव होने से सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत हो गई है।

महिलाओं की मौत पहले ही हो गई, लेकिन चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में तीन और मजदूरों की मौत होने से अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। तमिलनाडु सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती कर्मचारियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के पास एक झींगा प्रसंस्करण (श्रिम्प प्रोसेसिंग) फैक्ट्री संचालित हो रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। इसी दौरान 21 जून की सुबह जब श्रमिक काम कर रहे थे, तभी अचानक अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। इसके कारण कई श्रमिकों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। अमोनिया गैस रिसाव से प्रभावित होकर 7 महिलाओं की मौत हो गई। इसके बाद अमोनिया गैस रिसाव के कारण 45 से अधिक श्रमिक बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल बचाकर मंजंगरनै क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों को वेल्स हॉस्पिटल और 21 मरीजों को वेंकटेश्वरा हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। इनमें से नौ गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है।

बेहोश हुए कुछ लोगों के मुंह और नाक से खून भी बह रहा था। अस्पताल में उपचार के दौरान 2 श्रमिकों सहित कुल 3 लोगों की मौत हो गई। वर्तमान में कुछ लोग चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में भी उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

तिरुवल्लूर हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका, 2-2 लाख रुपये मदद की घोषणा,जांच के आदेश

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित एक झींगा प्रसंस्करण फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव की घटना में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों को मुख्यमंत्री विजय ने दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही मृतकों के पार्थिव शरीरों को सरकारी खर्च पर उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने और अंतिम संस्कार की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री विजय ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री सार्वजनिक राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का आदेश दिया।

कम उम्र से ही योग को अपनाने पर सर्वाधिक लाभः उपराष्ट्रपति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का अंग्रेजी अखबार में लिखा लेख साझा किया।

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कहा कि योग भारत की शाश्वत और प्राचीन परंपरा है, जो शरीर, मन और आत्मा में पूर्ण सामंजस्य स्थापित करती है। योग का वास्तविक बल इसकी समग्रता में निहित है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ भावनात्मक संतुलन, मानसिक सुदृढ़ता और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। लोगों को कम उम्र से ही योग अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए क्योंकि जितनी जल्दी इसे शुरू किया जाए, जीवनभर उसके संचयी लाभ उतने ही अधिक मिलते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का अंग्रेजी अखबार में लिखा लेख साझा किया। 'योगा फॉर हेल्दी एजिंगः एडिंग लाइफ टू इयर्स' शीर्षक वाले इस लेख को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों से इसे पढ़ने का आग्रह किया और योग के मानव कल्याण पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने लेख

में आधुनिक शिक्षा और स्वास्थ्य नीतियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए लिखा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में भी योग को स्वास्थ्य, कल्याण और मूल्य आधारित शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जो युवाओं को इस प्राचीन पद्धति से जोड़ने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

उपराष्ट्रपति ने बढ़ती उम्र के साथ आने वाली शारीरिक व मानसिक चुनौतियों का सटीक समाधान बताते हुए कहा कि चिकित्सा अनुसंधान और लांसेट जैसी प्रमुख पत्रिकाओं के अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि नियमित योग अभ्यास से वरिष्ठ नागरिकों में संतुलन, लचीलापन और गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार होता है, जिससे उनके गिरने का जोखिम और डर काफी हद तक कम हो जाता है। उन्होंने लोगों, समाज और संस्थानों से योग को केवल सामयिक व्यायाम के रूप में न देखकर, इसे जीवनभर की स्वस्थ जीवनशैली और सांस्कृतिक अभ्यास के रूप में अपनाने का आह्वान किया।

'मैं एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना आ गया'

उद्धव गुट को सांसद नागेश आष्टीकर ने दिया झटका

एजेंसी
नई दिल्ली। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका देते हुए हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर ने रविवार को साफ कर दिया कि वह अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हैं। पिछले कई दिनों से उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें लग रही थीं, जिन पर उन्होंने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी विचारधारा से कोई समझौता नहीं किया है। उनका कहना था कि वह 'एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना' में गए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 जून तक उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने कोई फैसला नहीं लिया था, लेकिन उसके बाद उनके खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

पार्टी के बागियों पर जमकर बरसे थे संजय राउत

हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि उनका इशारा शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की ओर था। संजय राउत ने बागी सांसदों के खिलाफ कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया था और 'ऑपरेशन तुड़वा' की चेतावनी भी दी थी। आष्टीकर ने कहा कि किसी को नाराजगी जाहिर करने का अधिकार है, लेकिन भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। गौरतलब है कि 17 जून को दिल्ली में हुई शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक में छह सांसद; संजय दिना पाटिल, संजय देशमुख, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, नागेश पाटिल आष्टीकर और ओमप्रकाश राजे निम्बालकर; शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद से ही उनके शिंदे गुट में जाने की चर्चाएं तेज हो गई थीं। वर्तमान में शिवसेना (यूबीटी) के लोकसभा में नौ सांसद हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार यदि कम से कम छह सांसद एक साथ पार्टी छोड़ते हैं, तो वे दल-बदल विरोधी कानून के प्रावधानों से बच सकते हैं।

आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव : द्रौपदी मुर्मु

भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी : राष्ट्रपति

एजेंसी
जबलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच के विकास के प्रमुख केंद्र होते हैं। विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना भी

विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव है। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को मध्य प्रदेश के जबलपुर में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहीं थीं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये और उपाधियों का वितरण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदकों का वितरण किया गया। साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान कीं। कार्यक्रम के पूर्व राष्ट्रपति मुर्मु ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राजधानी पटना के हेतनपुर गंगा घाट पर नहाते समय डूबने से तीन बच्चों की मौत

एजेंसी
पटना। बिहार की राजधानी पटना के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दियारा इलाके के हेतनपुर गंगा घाट पर रविवार को तीन बच्चों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशासन ने मृतक बच्चों के परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की है। पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, हेतनपुर गांव के पांच दोस्त रविवार को गंगा नदी में स्नान करने के लिए घाट पर गए थे। स्नान के दौरान तीन बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथ मौजूद दो अन्य बच्चों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंगा की तेज धारा और गहराई के कारण वे सफल नहीं हो सके। देखते ही देखते तीनों बच्चे नदी में समा गए। मृतकों की पहचान हेतनपुर निवासी धर्मवीर राय के 10 वर्षीय पुत्र पीयूष कुमार, सत्येंद्र राय के 11 वर्षीय पुत्र तेज कुमार तथा अमिताभ बच्चन के सात वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में की गई है। तीनों बच्चे आपस में मित्र थे और छुट्टी के दिन स्नान करने के लिए घाट पहुंचे थे।

खाकी की सरपरस्ती में जुए का खुला खेल!

कंकराडी ग्राम पंचायत के बगल में बूटलेगर 'गोपाल दादा' का अवैध साम्राज्य; दहानू पुलिस बनी तमाशबीन

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

पालघरः महाराष्ट्र का पालघर जिला एक बार फिर खाकी और अपराधियों की कथित सांठगांठ को लेकर सुलग उठा है। पालघर के दहानू पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र से कानून व्यवस्था के चिथड़े उड़ाने वाली एक ऐसी सनसनीखेज हकीकत सामने आई है, जिसने पुलिस की ईमानदारी पर मसमोटा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। कंकराडी ग्राम पंचायत जैसी जिम्मेदार सरकारी संस्था के बिल्कुल बगल में, कानून के पहरेदारों की नाक के नीचे, 'गोपाल दादा' नाम का कुख्यात बूटलेगर बेखौफ होकर जुए का बहुत बड़ा अड्डा चला रहा है। स्थानीय सूत्रों से मिली बेहद पुख्ता जानकारी के मुताबिक, इस गुप्त और अवैध ठिकाने पर हर रोज 'रमी' नामक जुए का काला कारोबार धड़ल्ले से

फल-फूल रहा है। सुबह से लेकर देर रात तक यहां जुआरियों का जमावड़ा लगा रहता है और रोजाना लाखों रुपये का अवैध लेन-देन हो रहा है। इस दलदल में फंसकर कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं, लेकिन जुआ माफिया गोपाल दादा का यह सिंडिकेट बिना किसी डर के चौबीसों घंटे एक्टिव है। इस पूरे मामले में सबसे शर्मनाक और गंभीर भूमिका स्थानीय दहानू पुलिस की सामने आ रही है। इलाके के त्रस्त नागरिकों ने इस अवैध अड्डे की पल-पल की जानकारी और शिकायतें दहानू पुलिस तक पहुंचाई हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल ढाक के तीन पात ही हाथ लगे हैं। दहानू पुलिस स्टेशन के पीआई (पुलिस इंस्पेक्टर) की इस मामले में रहस्यमयी चुप्पी और निष्क्रियता साफ इशारा करती है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवालः क्या गोपाल दादा के पैसों ने सबका मुंह बंद कर दिया?

अब पालघर के जागरूक नागरिक और 'महानगर मेट्रो' सीधे प्रशासन से ये तीखे सवाल पूछ रहे हैंः क्या दहानू पुलिस की यह अकर्मण्यता सिर्फ एक लापरवाही है, या फिर हर महीने टेबल के नीचे से पहुंचने वाली मोटी 'हफ्ता वसूली' का नतीजा है? क्या गोपाल दादा नाम के इस बूटलेगर ने अपनी अवैध काली कमाई के दम पर नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों का मुंह बंद कर दिया है? कंकराडी ग्राम पंचायत के नाक के नीचे चल रहे इस नरक पर पालघर के पुलिस अधीक्षक (SP) कब हंटर चलाएंगे? अगर पालघर एसपी ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेकर दहानू पीआई और इस जुआ माफिया के गठजोड़ पर कड़ा एक्शन नहीं लिया, तो जनता का खाकी पर से भरोसा पूरी तरह उठ जाएगा। 'महानगर मेट्रो' इस पूरे सिंडिकेट पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है और जब तक इस काले धंधे का पूरी तरह खात्मा नहीं हो जाता, हम जनता की आवाज को इसी तरह बुलंद करते रहेंगे।

भोजपुर एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग, एफआईआर और स्वतंत्र जांच की अपील

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार के भोजपुर जिले में भारत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की गई है। इस संबंध में शीर्ष अदालत के समक्ष एक प्रतिनिधित्व (रिप्रेजेंटेशन) दायर कर एफआईआर दर्ज करने, स्वतंत्र जांच कराने और पुलिस मुठभेड़ों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की अपील की गई है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को संबोधित यह प्रतिनिधित्व अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने दायर किया है। इसमें 17 जून को भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई मुठभेड़ की न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने का सुझाव दिया गया है। प्रतिनिधित्व में कहा गया है कि इस घटना ने कानून के शासन, संवैधानिक अधिकारों और पुलिस मुठभेड़ों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि भारत भूषण तिवारी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और अपना हथियार भी फेंक दिया था। सोशल मीडिया पर वायरल कुछ वीडियो भी कथित रूप से आत्मसमर्पण की स्थिति की ओर संकेत करते हैं। परिवार का कहना है कि गोली चलाए जाने के समय तिवारी निहत्थे थे और यह वास्तविक मुठभेड़ नहीं बल्कि न्यायेतर हत्या (एक्स्ट्रा-

ज्यूडिशियल किलिंग) थी।

प्रतिनिधित्व में यह भी कहा गया है कि मृतक के खिलाफ किसी आपराधिक इतिहास या पूर्व एफआईआर की सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्हें एक स्नातक और सोशल मीडिया के माध्यम से बाढ़, कटाव तथा जनसमस्याओं को उठाने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। याचिका के अनुसार, यदि तिवारी ने वास्तव में आत्मसमर्पण कर दिया था, तो उनके खिलाफ घातक बल का प्रयोग कानून सम्मत पुलिस कार्रवाई की सीमा से बाहर माना जा सकता है और यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

पश्चिम बंगाल में ट्रेलर से टकराई यात्री बस, 4 की मौत; 57 घायल

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 57 यात्री घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर मयनागुड़ी क्षेत्र के उल्लाडाबाड़ी इलाके में हुआ, जहां यात्रियों से भरी नॉर्थ बंगाल स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनबीएसटीसी) की बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर के पीछे जा टकराई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल 10 यात्रियों का इलाज चल रहा है। चार लोगों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों में एक की पहचान साजल सरकार के रूप में हुई है, जबकि अन्य तीन की पहचान अभी नहीं हो सकी है। जलपाईगुड़ी की पुलिस अधीक्षक सुजाता कुमारी वीणापानी ने हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि की है।

पुलिस के मुताबिक, 37 घायलों का इलाज जलपाईगुड़ी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में चल रहा है, जबकि 20 अन्य घायलों को मयनागुड़ी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सिलिगुड़ी से कूचबिहार जा रही एनबीएसटीसी की बस तीस्ता पुल पार करने

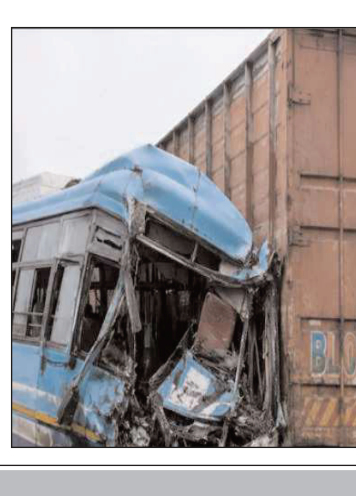

के बाद उल्लाडाबाड़ी इलाके में पहुंची थी। इसी दौरान तेज रफ्तार बस राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़े एक ट्रेलर के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गया। बस की आगे की सीटों पर बैठे कई यात्री वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग सबसे पहले मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस, दमकल विभाग और एंबुलेंस की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचीं। कई घंटों तक चले बचाव अभियान के दौरान राहतकर्मियों ने बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, कई यात्रियों के सिर, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मयनागुड़ी थाने के प्रभारी सुबल चंद्र घोष ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बस पीछे से खड़े ट्रेलर से टकराई। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य किया गया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी अन्य कारण से हुई।

करजण खनिज़ महा-घोटाला: विधायक अक्षय पटेल और पार्षद 'घुघो' का आतंक!

नदी का सीना चीर कर डकार गए अरबों रुपए, सोता रहा प्रशासन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले के करजण तालुका से इस वक्त की सबसे बड़ी और सनसनीखेज ख़बर सामने आ रही है। पिंगलवाडा गांव में प्राकृतिक संपदा की ऐसी बेरहमी से लूट मची है, जिसने सूबे के प्रशासनिक और सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। ससरोड वाडा रोड से लेकर नारेश्वर रोड तक के पूरे इलाके को खनिज़ माफ़ियाओं ने अपनी जागीर बना लिया है। 'महानगर मेट्रो' की खोजी टीम को मिले पुख्ता दस्तावेजों और सबूतों के मुताबिक, इस महा-घोटाले के तार सीधे स्थानीय भाजपा विधायक अक्षय पटेल और करजण तालुका पंचायत के रसूखदार सदस्य गोकुल भरवाड़ उर्फ 'घुघू' से जुड़े हैं।

धरती का सीना चीर रहीं 15 पोकलेन मशीनें, 100 से ज़्यादा डंपर रोज उड़ा रहे कानून की धज्जियां

पिंगलवाडा और उसके आस-पास के नदी तटीय इलाकों में कानून व्यवस्था पूरी तरह से दम तोड़ चुकी है। ग्राउंड जीरो की हकीकत यह है कि इस पूरे इलाके में अवैध रेती (बालू) और मिट्टी का खनन करने के लिए 15 से ज्यादा भारी-भरकम हिटाची और पोकलेन मशीनें दिन-रात अवैध खुदाई कर रही हैं। माफ़ियाओं के गुर्गे बेखौफ होकर 100 से अधिक डंपरों के जरिए बिना किसी रोयल्टी के इस बेशकीमती खनिज़ को ठिकाने लगा रहे हैं। सरकार की आंखों में धूल झोंककर रोजाना लाखों-करोड़ों रुपए की रोयल्टी चोरी की जा रही है, जिससे सरकारी खजाने को अरबों का चूना लग चुका है। विधायक ने बनाई 'अबजों' की काली कमाई, 'घुघू' ने खरीदा पूरा सिस्टम! स्थानीय ग्रामीणों और पीड़ितों का आरोप है कि इस अवैध साम्राज्य के मुख्य सिंडिकेट को करजण के वर्तमान विधायक अक्षय पटेल का सीधा संरक्षण प्राप्त है। रसूख और सत्ता के इस गठजोड़ के दम पर विधायक ने अचल संपत्तियों और बेनामी जमीनों का एक विशाल साम्राज्य (अबजों की संपत्ति) खड़ा कर लिया है। वहीं, उनका सबसे वफादार गुर्गा गोकुल भरवाड़ उर्फ 'घुघू' अपनी राजनीतिक पहुंच और पैसों की ताकत के बल पर पूरे जिले के प्रशासनिक अमले को अपनी जेब में रखकर घूम रहा है। इस बेखौफ लूट के खिलाफ पिंगलवाडा गांव के जागरूक नागरिकों ने हिम्मत दिखाकर हर स्तर पर गुहार लगाई। ग्रामीणों ने: गांधीनगर खान खनिज विभाग के फ्लाइंग स्क्वाड के अधिकारी चावड़ा, वडोदरा जिला खनन विभाग, करजण के तहसीलदार सी. आर. पढियार, और एसडीएम शिवम बारिया तक को बार-बार लिखित और मौखिक शिकायतें भेजीं। परंतु, कार्रवाई के नाम पर प्रशासन ने केवल लीपापोती की। सूत्रों का दावा है कि इस मौन के पीछे एक बहुत बड़ा 'हफ्ता तंत्र' काम कर रहा है। गांधीनगर के वातानुकूलित कमरों से लेकर स्थानीय अधिकारियों की टेबल तक, हर महीने करोड़ों रुपए का काला धन पहुंच रहा है। यही वजह है कि माफ़िया बेखौफ हैं और अधिकारी अंधी-बहरी कौम बनकर तमाशा देख रहे हैं। इस कमान को संभालने वाले गोकुल भरवाड़ उर्फ घुघू का आपराधिक इतिहास किसी खूंखार अपराधी से कम नहीं है। वह पूर्व में अवैध हथियारों (रिवॉल्वर) के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार हो चुका है। हद तो तब हो गई जब उसने करजण थाने के ही एक जांबाज पुलिस कांस्टेबल लक्ष्मण आहीर का सरेआम अपहरण कर लिया और उन्हें जान से मारने की खौफनाक कोशिश की। लेकिन अफ़सोस, सत्ता की धौंस, सियासी दबाव और पैसों की चमक के आगे कानून लाचार हो गया और वह हर बार जेल की सलाखों से बाहर आ गया।

जनता की हुंकार: अब सीधे 'एसीबी' करे विधायक और माफ़ियाओं का हिसाब!

अब करजण की जनता का सब्र का बांध टूट चुका है। ग्रामीणों ने सीधे तौर पर मांग की है कि इस पूरे महा-घोटाले और अवैध साम्राज्य की जांच एंटी-करप्शन ब्यूरो को सौंपी जाए। विधायक अक्षय पटेल और गोकुल भरवाड़ की तमाम बेनामी संपत्तियों की बारीकी से जांच हो और उन पर बूलडोजर चलाया जाए।

घुघो भरवाड़ करजन
नगर पालिका सदस्य

अक्षय पटेल
विधायक करजन

'महानगर मेट्रो' का खुला संकल्प:

क्या राज्य के मुख्यमंत्री इस बेलगाम भ्रष्टाचार और खनिज़ माफ़ियाओं पर कोई सख्त एक्शन लेंगे? या फिर सत्ताधारी दल का ठप्पा होने की वजह से इस फ़ाइल को भी दबा दिया जाएगा? सरकार जो करे सो करे, लेकिन 'महानगर मेट्रो' इस लड़ाई में पीछे नहीं हटने वाला। हम जनता की इस आवाज को लेकर सीधे गांधीनगर सचिवालय तक जाएंगे और जब तक इन लुटेरों को जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुंचा देते, हमारी कलम रुकने वाली नहीं है।

साबरकांठा जिले में कड़ी पुलिस सुरक्षा के साथ NEET का एग्जाम हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। जब भारत सरकार ने 12वीं-12वीं क्लास के साइंस स्ट्रीम के लिए NEET का एग्जाम कराया था, तो जब इस एग्जाम का पेपर आया तो पता चला कि स्टूडेंट्स की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है, इसलिए सरकार ने इस एग्जाम को टालकर दोबारा एग्जाम कराने का फैसला किया। आज ममलतदार की सीधी निगरानी में हर स्कूल में कड़ी पुलिस सुरक्षा के साथ एग्जाम हुआ, जिसमें स्टूडेंट्स को पेन के साथ किसी भी तरह का लिटरेचर ले जाने की इजाज़त नहीं थी और अगर उन्होंने ड्रेस कोड नहीं पहना था, तो उन्हें एग्जाम हॉल में बैठने नहीं दिया गया। क्लासरूम में सभी को पेन भी दिए गए। 12वीं क्लास के साइंस स्ट्रीम का NEET एग्जाम कड़ी सुरक्षा के साथ दोबारा शुरू हुआ, जबकि पेरेंट्स को स्कूल से दूर रहने को कहा गया। एग्जाम शुरू होने से 3 घंटे पहले स्टूडेंट्स को क्लासरूम में ले जाया गया, जिनकी पूरी जांच की गई। जब होशियार स्टूडेंट्स के खिलाफ पेपर लीक करके एग्जाम पास करने वाले स्टूडेंट्स इस एग्जाम को पास करते हैं, तो चूंकि यह मेडिकल लाइन है, इसलिए पहले भी इसके गंभीर नतीजे सामने आए हैं, इसलिए इस बार हृश्वश्वञ्ज एग्जाम साबरकांठा डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर पर कड़ी सिक्योरिटी के साथ करवाया गया।

सेंट्रल ज़ोन के अधिकारियों ने नसीरनगर में की थी तोड़फोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में पिछले 22 दिनों से चल रहा भारी तनाव और रहस्य आखिरकार खत्म हो गया है। नसीरनगर में विवादित तोड़फोड़ मामले में, सूरत म्युनिसिपल कमिश्नर ने आखिरकार आधिकारिक तौर पर मान लिया है कि यह तोड़फोड़ सेंट्रल ज़ोन के अधिकारियों ने की थी। इस बात को मानने के साथ ही म्युनिसिपल सिस्टम में काफी हलचल मच गई है। पिछले 22 दिनों से इस पूरे मामले को लेकर काफी रहस्य बना हुआ था और म्युनिसिपल हलकों में इस बात को लेकर कन्फ्यूजन था कि किस अधिकारी ने किसके आदेश पर यह कार्रवाई की। यह विवाद इतना बढ़ गया था कि इसकी तुलना 'भूत' जैसी किसी अदृश्य शक्ति से की जा रही थी, क्योंकि कोई भी विभाग इस तोड़फोड़ की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं था।लेकिन आखिरकार, लंबी जांच और लगातार बढ़ते दबाव के बाद म्युनिसिपल कमिश्नर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ किया है कि सेंट्रल ज़ोन के अधिकारियों ने ही नसीरनगर में पूरी तोड़फोड़ की प्रक्रिया को अंजाम दिया था। कमिश्नर के इस खुलासे के बाद अब सबकी नज़रें इस बात पर टिकी हैं कि सेंट्रल ज़ोन के ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ क्या कानूनी या डिसिप्लिनरी एक्शन लिया जाता है। नगर पालिका की यह अंदरूनी लड़ाई और आख़िरकार सामने आई असलियत अब सूरत की पॉलिटिक्स और एडमिनिस्ट्रेशन में गरमागरम बहस का टॉपिक बन गई है।

'पिछले दरवाज़े से' मरीज़ों की तस्करी का बड़ा स्कैम, एजुकेशन माफिया को सज़ा कब मिलेगी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। मेडिकल एजुकेशन और सरकारी अस्पतालों के एडमिनिस्ट्रेशन में कितना करप्शन है, इसका एक और जीता-जागता सबूत सामने आया है। सरकारी अस्पतालों में गरीब और मिडिल क्लास मरीज़ों के इलाज के नाम पर चल रहा पूरा सिस्टम शक के दायरे में आ गया है। पूरे इंटरव्यू और घटनाक्रम पर नज़र डालने से साफ़ पता चलता है कि इसमें ऊपर से नीचे तक बहुत बड़ी गड़बड़ और मिलीभगत चल रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि खुलेआम प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को सरकारी नौकरियों में क्यों रखा गया? इतना ही नहीं, रकारी अस्पतालों में इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले बेबस मरीज़ों को कथित तौर पर पिछले दरवाज़े से प्राइवेट अस्पतालों में धकेलने का एक सिस्टमैटिक नेटवर्क चल रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिन प्राइवेट अस्पतालों में मरीज़ भेजे जाते हैं, उनमें खुद सरकारी डिपार्टमेंट के HOD (हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट) के शामिल होने का शक है!

डीन और HOD की भूमिका शक के दायरे में: 'हमें नहीं पता' का बहाना अब नहीं चलेगा!

साफ़ है कि इस पूरे स्कैम में सिर्फ़ छोटे कर्मचारी ही नहीं, बल्कि HOD से लेकर हॉस्पिटल के डीन तक सभी बड़े अधिकारी शामिल हैं। डीन की नज़र में यह सब 'होने दिया गया' और अब जब भांडा फूट गया है, तो ज़िम्मेदार लोग हाथ खड़े करके कह रहे हैं कि 'हमें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है।' इतने ज़िम्मेदार पद पर बैठकर ऐसी नासमझी दिखाना जनता की आँखों में धूल झोंकने जैसा है.

डभोई में पीएम किसान उत्सव दिवस का भव्य आयोजन, किसानों के खातों में सीधे पहुंचे सम्मान निधि के पैसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सतर गांव पटेल समाज वाड़ी में प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भाग लिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन का लाइव प्रसारण देखा और सुना। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की किस्त सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. बी.जे. ब्रह्मभट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योत्सनाबेन रबारी सहित जिला एवं तालुका पंचायत के कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही जिला विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, नायब कृषि निदेशक, आत्मा परियोजना के अधिकारी, तालुका विकास अधिकारी, बागवानी विभाग के अधिकारी तथा कृषि विस्तार अधिकारियों ने भी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। उपस्थित किसानों को विभिन्न कृषि योजनाओं एवं आधुनिक खेती से संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई।

शक्तिपीठ अंबाजी और गब्बर में योग त्रिवेणी संगम: 12वें इंटरनेशनल योग दिवस का शानदार जश्न, 'योग गरबा' बना आकर्षण का केंद्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। देवी मां अंबा के प्रसिद्ध तीर्थ और निवास अंबाजी में 12वां इंटरनेशनल योग दिवस 2026 बहुत ही उत्साह और भक्ति भरे माहौल में मनाया गया। मां अंबा के पवित्र चाचर चौक और गब्बर पर्वत पर 'स्वस्थ जीवन के लिए योग' की खास थीम के साथ, हजारों लोगों ने एक साथ योग किया और तन और मन को स्वस्थ रखने का एक अनूठा संदेश दिया।

मंदिर ट्रस्ट के एडमिनिस्ट्रेटर समेत बड़े अधिकारी और भक्त शामिल हुए

अंबाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस बड़े कार्यक्रम में बनासकांठा के एडिशनल कलेक्टर और अंबाजी मंदिर ट्रस्ट के एडमिनिस्ट्रेटर कौशिक मोदी समेत बड़े अधिकारी, पुजारी, स्थानीय नागरिक और बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे। प्रोग्राम की शुरुआत में, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारतीय संस्कृति ने दुनिया भर में जो नाम कमाया है और उनके भाषण को लाइव टेलीकास्ट करके लोगों को दिखाया गया।

गुजरात योग बोर्ड के एक्सपर्ट्स का गाइडेंस

फिर, गुजरात योग बोर्ड के ट्रेंड और अनुभवी एक्सपर्ट्स ने मौजूद सभी लोगों को अलग-अलग योग आसन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान की बारीक क्रियाओं के बारे में आसान तरीके से गाइडेंस दिया। मां अंबा की गब्बर और चाचर चौक की पहाड़ियों में एक साथ मंत्रों के जाप और योग आसनों के उच्चारण से पूरा माहौल दिव्य और पॉजिटिव एनर्जी से भर गया।

शक्तिपीठ पर हुआ खास 'योग गरबा': लोगों ने रेगुलर योग करने का संकल्प लिया

इस साल, अंबाजी के चाचर चौक पर हुए प्रोग्राम में सबसे बड़ा और खास आकर्षण 'योग गरबा' रहा। गुजरात के पारंपरिक गरबा स्टाइल के साथ योग आसनों को मिलाकर पेश किए गए इस योग गरबा में छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी जोश से झूम उठे। प्रोग्राम के आखिर में, अंबाजी धाम में मौजूद सभी भक्तों और नागरिकों ने अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में रेगुलर योग अपनाने और एक हेल्दी समाज बनाने में पार्टनर बनने का पवित्र संकल्प लिया।

संवैधानिक देश में MP से खुली धमकी? RSS के मुद्दे पर BJP के रमेश जिगजिनानी का प्रियांक खड़गे के खिलाफ विवादित बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। क्या देश में कानून और संविधान सबसे ऊपर है या किसी संगठन की ताकत? यह सवाल एक बार फिर कर्नाटक की राजनीति से उठा है और पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्र्स) से लीगल रजिस्ट्रेशन की मांग की थी, जिसे कोई भी नागरिक या जनप्रतिनिधि लोकतांत्रिक तरीके से कर सकता है। लेकिन BJP MP रमेश जिगजिनानी ने इस न्यायिक मांग के खिलाफ जिस तरह की भाषा और मानसिकता दिखाई है, उसने देश के बुद्धिजीवियों और आम जनता को चौंका दिया है। 'दलित होने' पर सवाल और अंधेरी दुनिया जैसी धमकी! BJP MP रमेश जिगजिनानी ने विवाद की सारी हदें पार करते हुए बयान दिया, 'एक दलित व्यक्ति को ऋस्र्स के मुद्दे में पड़ने की क्या ज़रूरत है!' यह बयान किसी खास जाति या वर्ग के अधिकारों पर खुलेआम हमला करने जैसा है। क्या संविधान में दिए गए बराबरी के अधिकार किसी खास जाति के व्यक्ति को सवाल पूछने से रोकते हैं? इतना ही नहीं, MP ने तो आगे बढ़कर काले डॉन या डंडे जैसी भाषा का इस्तेमाल किया और धमकी भरे लहजे में कहा, 'जिसने भी ऋस्र्स के खिलाफ स्टैंड लिया है, वह बच नहीं पाया है।' एक डेमोक्रेटिक देश में, एक चुने हुए MP के मुंह से ऐसी धमकी भरी भाषा आना बहुत चिंताजनक और घटिया सोच का प्रतीक है। क्या यह संविधान का खुला अपमान नहीं है? बाबासाहेब अंबेडकर के दिए भारत के संविधान में देश का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग का हो, कानून की नज़र में बराबर है। जब प्रियांक खड़गे ने सिर्फ़ रजिस्ट्रेशन की कानूनी मांग की, तो उनकी जाति को बीच में लाकर उन्हें डराने की कोशिश करना भारतीय संविधान का सीधा अपमान है। कोई भी संगठन देश के कानून और संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। 'पक्को गुजरात' यह सवाल उठाता है कि लोकतंत्र के चौथे पिलर के तौर पर इस तरह के खुलेआम धमकी भरे बयान और संविधान विरोधी सोच को कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है? क्या कानून और व्यवस्था ऐसे बयान देने वालों को अनदेखा कर देगी या संविधान सत्ता के बल पर चलता रहेगा? इस देश के लोग मजबूत हैं और सब कुछ देख रहे हैं।

खैरागढ़ वनमंडल में अवैध कटाई मामले में मुख्य आरोपी सहित कई गिरफ्तार, जेसीबी भी जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। वडगाम में पीटा और मुंडन किया, वीडियो वायरल होने के बाद शिकायत इदर में एक प्रेमी जोड़े को किडनैप करके एक युवक को 'तालिबान सज़ा' देने का मामला सामने आया है। इस घटना में युवक को वडगाम इलाके में ले जाकर पीटा गया और मुंडन किया गया। इस सज़ा का वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा मच गया है। पुलिस ने इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सतलासना तालुका के सुदासना गांव के एक युवक ने पास के ही दूसरे गांव की शादीशुदा लड़की से दोस्ती का समझौता किया था। यह प्रेमी जोड़ा सूरत में साथ रहता था। हालांकि, समाज के कुछ लोगों ने शादीशुदा लड़की के साथ दोस्ती के समझौते को नहीं माना, जिससे विरोध का तूफान खड़ा हो गया। 28 मई को यह जोड़ा इदर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में स्लीपर का काम करने वाले अपने एक रिश्तेदार से मिलने आया था। इस मौके का फायदा उठाकर दो महिलाओं समेत सात लोग हॉस्पिटल पहुंच गए। उन्होंने युवक और लड़की को पैडल की नोक पर जबरन किडनैप कर लिया और उन्हें दो अलग-अलग कारों में बिठा दिया। युवक ने अपनी अर्जी में आरोप लगाया है कि किडनैपर उसे वडगाम तालुका के भालगाम के बाहरी इलाके में ले गए। वहां उसे रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा गया और अमानवीय टॉर्चर किया गया। इसके अलावा, उसका सिर मुंडवा दिया गया। युवक के आरोपों के मुताबिक, किडनैपर उससे 13,000 रुपये और लड़की से 6,000 रुपये भी ले गए। बाद में, युवक किसी तरह लघुशंका के बहाने किडनैपर के चंगुल से भाग निकला और विसनगर पहुंचा। चूंकि यह घटना साबरकांठा जिले में हुई थी, इसलिए उसने साबरकांठा जिले के पुलिस चीफ को पूरी घटना की शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच, इस तालिबानी सज़ा का वीडियो वायरल हो गया, जिससे साबरकांठा और मेहसाणा ज़िलों में हलचल मच गई। वीडियो वायरल होने और शिकायत करने वाले के शिकायत करने के बाद, इदर पुलिस ने एप्लीकेशन में बताए गए 11 लोगों के खिलाफ़ केस दर्ज किया है।

आरोपियों के नाम:-

(1) बाबूभाई वालाभाई,(2) रोहितभाई बाबूभाई,(3) विनोदभाई बाबूभाई,(4) रमेशभाई पीतांबरभाई,(5) दशरथभाई प्रेमजीभाई,(6) मोहनभाई वालाभाई,(7) विजयभाई मोहनभाई,(8) प्रेमजीभाई मोहनभाई,(9) विपुलभाई रमेशभाई,(10) मंजुलाबेन बाबूभाई,सभी निवासी भालगाम, ता. वडगाम, ज़िला. बनासकांठा

अहमदाबाद के मार्ट सिटी ओधव में पीने के पानी के नाम पर जनता को ज़हर परोसा जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक तरफ अहमदाबाद को ग्लोबल और स्मार्ट सिटी बनाने के दावों के बीच करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट्स की घोषणा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ शहर के पूर्वी हिस्से में बसे ओधव के लोग बूंद-बूंद साफ पानी के लिए जूझ रहे हैं। ओधव इलाके की लोकल सोसाइटियों से जो नज़ारे सामने आए हैं, वे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों और अथॉरिटीज़ की आंखें खोलने के लिए काफी हैं। नल में जो पानी आ रहा है, वह पीने लायक तो नहीं है, लेकिन इस्तेमाल करने लायक भी नहीं है। गंदा, कीचड़ वाला और बदबूदार पानी देखकर स्थानीय लोगों में सिस्टम के खिलाफ भारी गुस्सा है। स्थानीय लोग गुस्से में पूछ रहे हैं कि क्या नगर निगम के बड़े अधिकारी जो AC वाले ऑफिस में बैठकर स्मार्ट सिटी का बजट पास करते हैं या चुनाव के समय हाथ जोड़कर वोट मांगने आने वाले नेता सच में अपने परिवारों को ऐसा पानी पिला सकते हैं? अगर अधिकारी खुद इतना गंदा पानी नहीं पी सकते, तो ओधव के टैक्स देने वाले नागरिकों की सेहत के साथ इतने गंभीर समझौते क्यों किए जा रहे हैं? गंदे पानी की वजह से घरों में छोटे बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं, जिसकी कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। प्रशासन की बड़ी लापरवाही की वजह से अब हजारों परिवार अपने खर्चे पर प्राइवेट पानी के टैंकर मंगवाने को मजबूर हो गए हैं। महंगे टैक्स वसूलने के बाद भी अगर जनता को टैंकर माफिया पर निर्भर रहना पड़ रहा है, तो यह हुक्मरानों के लिए शर्म की बात है। स्थानीय लोगों ने धमकी दी है कि अगर आने वाले दिनों में इस गंदे पानी की समस्या का कोई पक्का हल नहीं निकाला गया, तो वे निगम ऑफिस का घेराव करेंगे और जमकर आंदोलन करेंगे। रीडर्स, अपनी आवाज़ उठाएँ क्या आपके इलाके में भी ऐसा ही गंदा पानी आता है? आपके इलाके में प्रशासन के स्मार्ट सिटी के दावे कितने सच साबित हुए हैं? अपने सवाल और वीडियो 'पाको गुजरात' के साथ शेयर करें। हम आपकी समस्या अधिकारियों तक पहुँचाएँगे।

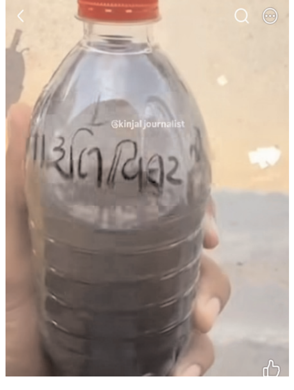

इदर में 12वां इंटरनेशनल योगा डे मनाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित होकर, 21 जून को इदर में 12वें इंटरनेशनल योगा डे के जश्न में नागरिक और अधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर, सुबह इदर के स्कूल ग्राउंड में बड़ी संख्या में नागरिक योग में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी से प्रेरित होकर, हर साल 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे के रूप में मनाया जाता है। ये प्रोग्राम राज्य सरकार के स्पोर्ट्स और यूथ कल्चर डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित किए जाते हैं। मॉडर्न लाइफस्टाइल में बैलेंस बनाए रखने के लिए योग को बहुत फायदेमंद माना जाता है। इस योग प्रोग्राम में इदर म्युनिसिपैलिटी के चीफ ऑफिसर जैमिनभाई चौधरी, इदर सिटी प्रेसिडेंट कुणालभाई कंसारा, म्युनिसिपैलिटी प्रेसिडेंट सूर्यबेन पटेल अनिलभाई पटेल, राजेशभाई परमार, लघुमति मोर्चा प्रेसिडेंट ज़ाकिर एस मेमन एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट जिनलभाई सागर, केतनभाई पटेल और इदर म्युनिसिपैलिटी के सभी स्टाफ और चुने हुए सदस्य मौजूद थे। इसके अलावा पुलिस स्टाफ, होमगार्ड स्टाफ और अलग-अलग स्कूलों के बच्चे भी पूरे जोश के साथ योगाभ्यास में शामिल हुए।

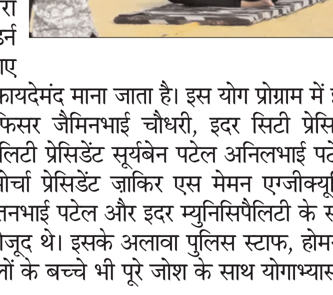

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
22 जून 2026

संक्षिप्त न्यूज

मोंटू नामदार प्रकरण में खाडिया पुलिस पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। चर्चित मोंटू नामदार मामले के बाद खाडिया पुलिस स्टेशन की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। पिस्तौल प्रकरण और कथित संरक्षण के आरोपों को लेकर स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली चर्चा में है। मामले में निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग तेज हो रही है।

अहमदाबाद कॉलेज में ड्रेस कोड को लेकर विवाद,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आरजे टिब्रेवाल कॉलेज में ड्रेस कोड और धार्मिक प्रतीकों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कुछ छात्रों ने धार्मिक धागे और मालाएं उतरवाने के आरोप लगाए, जबकि हिजाब को लेकर भी सवाल उठे। मामले को लेकर छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी देखी जा रही है।

स्वीडन में महिला शोषण का सनसनीखेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

स्वीडन। एक 61 वर्षीय व्यक्ति पर अपनी पत्नी को लंबे समय तक कई पुरुषों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगा है। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता को सुरक्षित स्थान पर रखकर सहायता और काउंसलिंग दी जा रही है।

अहमदाबाद में 8 होटल रेस्टोरेंट सील,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर अहमदाबाद नगर निगम के फायर विभाग ने पालडी, नारणपुरा, मोटेरा और चांदखेड़ा क्षेत्र की 8 होटल-रेस्टोरेंट सील कर दीं। पहले 53 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए थे। कार्रवाई से होटल कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

अहमदाबाद में ड्रग्स पर क्राइम ब्रांच का बड़ा वार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। क्राइम ब्रांच ने वस्त्राल क्षेत्र से 4.50 लाख रुपये कीमत का 150 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मोबाइल फोन और डिजिटल कांटा समेत कुल 4.90 लाख रुपये का सामान जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गुजरात में बेरोजगारी के आंकड़ों पर सियासत तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कांग्रेस प्रवक्ता हेमांग रावल ने गुजरात सरकार के 1' बेरोजगारी दर के दावे को भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार वास्तविक रोजगार स्थिति छिपा रही है और युवाओं को स्थायी रोजगार देने के बजाय आंकड़ों का खेल खेल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रवास को लेकर ट्रैफिक एडवायजरी जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के 22 जून 2026 को राजनांदगांव प्रवास के दौरान स्टेट स्कूल परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन एवं यातायात पुलिस ने व्यापक ट्रैफिक व्यवस्था लागू की है।

छोटाउदेपुर में AAP के भीतर बढ़ा विवाद, पदाधिकारियों के बीच टकराव से उठे संगठन पर सवाल

तहसील अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य के बीच विवाद पुलिस तक पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। गुजरात के छोटाउदेपुर जिले में आम आदमी पार्टी के दो स्थानीय पदाधिकारियों के बीच विवाद सामने आने के बाद संगठन की आंतरिक स्थिति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, पार्टी के एक तहसील अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य के बीच मतभेद इतना बढ़ गया कि मामला पुलिस तक पहुंच गया। स्थानीय स्तर पर इस घटनाक्रम को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं चल रही हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि

संगठन के भीतर बढ़ती गुटबाजी और आपसी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। विशेष रूप से इसलिए भी यह मामला चर्चा में है क्योंकि दोनों पक्ष आदिवासी समाज से जुड़े बताए जा रहे हैं। विवाद के बाद प्रदेश नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि यदि समय रहते संगठन स्तर पर संवाद और समन्वय की पहल की जाती तो मामला पुलिस तक पहुंचने से रोका जा सकता था। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व की ओर से अब तक कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, मामले की जांच और दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच स्थानीय कार्यकर्ता संगठन की एकजुटता को लेकर चिंता जता रहे हैं। छोटाउदेपुर की इस घटना ने एक बार फिर राजनीतिक दलों में आंतरिक समन्वय और संगठनात्मक अनुशासन को लेकर बहस छेड़ दी है।

NEET के दबाव में छात्रों की मौतों पर उठे सवाल, मानसिक स्वास्थ्य और परीक्षा प्रणाली पर बहस तेज

कम समय में कई छात्र आत्महत्या मामलों से चिंता बढ़ी, शिक्षा व्यवस्था में सुधार और मनोवैज्ञानिक सहायता की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देशभर में NEET जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के बढ़ते दबाव को लेकर एक बार फिर गंभीर बहस छिड़ गई है। हाल के सप्ताहों में विभिन्न राज्यों से छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने अभिभावकों, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों की चिंता बढ़ा दी है। इन घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली, कोचिंग संस्कृति और छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की दौड़ ने कई विद्यार्थियों को मानसिक तनाव की स्थिति में

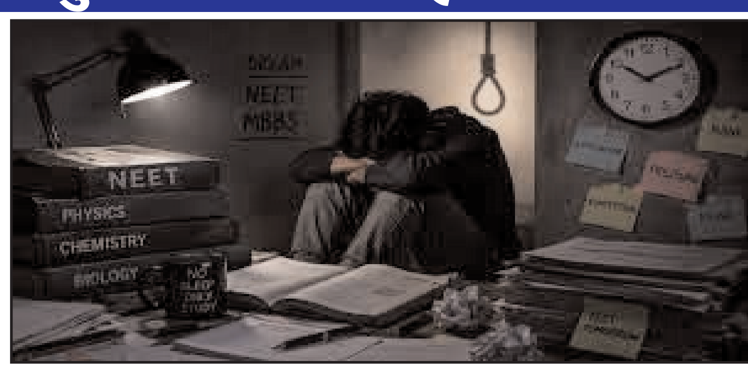

पहुंचा दिया है। लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाएं और असफलता का भय कई छात्रों के लिए गंभीर मनोवैज्ञानिक चुनौती बन रहा है। घटनाओं के बाद विभिन्न सामाजिक संगठनों और अभिभावक समूहों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, छात्रों के लिए बेहतर काउंसलिंग व्यवस्था और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को अनिवार्य बनाने की मांग की है। साथ ही परीक्षा प्रक्रिया को अधिक छात्र-अनुकूल बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि केवल परीक्षा परिणामों पर आधारित मूल्यांकन के बजाय छात्रों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य पर भी समान रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। चर्चा का विषय बना हुआ है और इससे जुड़े समाधान तलाशने की मांग लगातार तेज हो रही है।

राजकोट रेंज पुलिस ने जेतपुर में छापा मारा, बदनाम बूटलेगर बादली के दो साथी अंग्रेजी शराब की खेप के साथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। राजकोट रेंज पुलिस द्वारा शराबबंदी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, राजकोट जिले के जेतपुर इलाके से दो आरोपियों को कुल 4,65,000 रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिसमें 1,200 बोतल भारत में बनी अंग्रेजी शराब, एक होंडा अमेज कार और दो मोबाइल फोन शामिल हैं। यह कार्रवाई राजकोट रेंज के ढ्ढत्र निर्लिप्त राय के मार्गदर्शन में की गई। राजकोट रेंज पुलिस इंस्पेक्टर अपूर्व पटेल के मार्गदर्शन में, पुलिस सब इंस्पेक्टर पी.एन. मोरी, बी.सी. मियात्रा, सी.एम. कंटेलिया और स्टाफ ने ह्यूमन सोर्स और टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर जांच की। इस बीच, दिव्येशभाई सुवा, शिवराजसिंह झाला और निकुलभाई पंपानिया को मिली खास जानकारी के आधार पर, PSI बी. सी. मियात्रा और पुलिस कांस्टेबल अनिरुद्धसिंह जडेजा की टीम ने जेतपुर फुलवाड़ी धोरा के पास सड़क से अंग्रेजी शराब से भरी एक कार जब्त की। पुलिस ने एक बिना रजिस्ट्रेशन वाली होंडा अमेज कार से वसीमभाई इकबालभाई सोलंकी और विशेष भूपेशभाई परमार (दोनों चांदनी चौक, जेतपुर) को पकड़ा। उनके पास से 1.50 लाख रुपये कीमत की 1,200 अंग्रेजी शराब की बोतलें, 3 लाख रुपये कीमत की एक होंडा अमेज कार और 15 हजार रुपये कीमत के दो मोबाइल फोन मिले और कुल 4.65 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया। जांच के दौरान, जब्त शराब के सप्लायर के तौर पर अनिल उर्फ डबली मनसुखभाई बरैया (निवासी बापुनी वाडी, जेतपुर) का नाम सामने आया है। पुलिस ने बताया है कि आरोपी अनिल उर्फ डबली 65 से ज़्यादा शराबबंदी के मामलों में शामिल रहा

है और उस पर पासा और हड़पारी के तहत भी केस चल चुका है। पूरे मामले में जेतपुर सिटी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और तीनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

LCB ने मुंबई बोइसर से तीन साल से फरार दो चोरों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजकोट। रूरल पुलिस की लोकल क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को पकड़कर बड़ी कामयाबी हासिल की है, जो उपलेटा पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के मामले में पिछले तीन साल से फरार थे। यह ऑपरेशन राजकोट रूरल डिस्ट्रिक्ट के पुलिस सुपरिटेंडेंट विजयसिंह गुर्जर के गाइडेंस में किया गया। उपलेटा पुलिस स्टेशन उन आरोपियों की तलाश कर रहा था, जिन्हें IPC की धारा 454, 457 और 380 के तहत चोरी के मामले में चार्जशीट फाइल होने के बाद फरार घोषित किया गया था। इसी बीच, LCB स्टाफ को खास प्राइवेट जानकारी मिली कि दोनों आरोपी मुंबई के पास

बोइसर सब्जी मंडी इलाके में मौजूद हैं। जानकारी के आधार पर, पुलिस वहां पहुंची और कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सरम उर्फ सरम जामसिंह शिंगल और बबलू जामसिंह शिंगल शामिल हैं, (दोनों कुकसी, जी.धार, मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं)। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने साल 2023 में उपलेटा इलाके की पार्किंग से सोने के गहने, कैश और दो मोटरसाइकिल चोरी करने की बात कबूल की।

हरिद्वार में गंगा में समा गए थराद के बुजुर्ग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा जिले के थराद क्षेत्र से जुड़ी एक चौंकाने वाली घटना इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि थराद के एक बुजुर्ग ने हरिद्वार में गंगा नदी में जलबलि अथवा जलसमाधि लेकर जीवन का अंत कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग ने इस कदम से पहले अपने परिवार को स्पष्ट संदेश दिया था कि उनके निधन के बाद किसी प्रकार की उत्तरक्रिया, बारहवां या तेरहवीं जैसी परंपरागत रस्में न की जाएं। इस अंतिम इच्छा ने मामले को और अधिक रहस्यमय बना दिया है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ लोग इसे आध्यात्मिक वैराग्य से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कई लोग इसके पीछे संभावित सामाजिक या पारिवारिक कारणों को लेकर सवाल उठा रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार

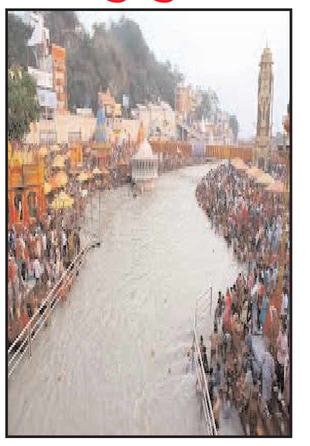

घटना हरिद्वार में हुई बताई जा रही है, हालांकि मामले की आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत तथ्य अभी सामने आना बाकी हैं। वहीं, बुजुर्ग के इस कदम की जानकारी मिलने के बाद परिवार गहरे सदमे में है। बताया जा रहा है कि मामले से संबंधित आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए परिजन हरिद्वार पहुंचे हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं तथा आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

सरकारी प्लॉट और गार्डन में शराबियों का राज, प्रशासन कुंभकर्ण की नींद में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज अहमदाबाद नगर निगम की अरबों रुपये की सरकारी प्रॉपर्टीज़ की हालत की एक बहुत ही चौंकाने वाली और शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। जनता के टैक्स के पैसे से बने पब्लिक गार्डन, खुले प्लॉट और सरकारी ऑफिस अब आम जनता के लिए नहीं, बल्कि नशेड़ियों और ड्रग एडिक्ट्स के लिए सबसे सेफ जगह (सेफ हेवन) बन गए हैं! यह गंभीर स्थिति साबित करती है कि नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी AC चैंबर से बाहर निकलकर ग्राउंड लेवल पर चेक करने की भी जहमत नहीं उठाते। प्लॉट से लेकर पंपिंग स्टेशन तक... हर जगह ड्रग पार्टी! शहर के अलग-अलग इलाकों में मौजूद निगम की प्रॉपर्टीज़ जैसेः पब्लिक गार्डनः जहां परिवार और बच्चे घूमने आते हैं, वहां रात होते ही असामाजिक तत्व डेरा डाल लेते हैं। AMTS डिपो और पार्किंग प्लॉटः बड़े-बड़े घेरे वाली ये जगहें नशेड़ियों के छिपने की बेहतरीन जगह बन गई हैं। खुले प्लॉट और पंपिंग स्टेशनः

बिना सिक्योरिटी गार्ड वाली इन सरकारी जगहों पर ड्रग्स के सौदागर और नशेड़ी खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इन जगहों पर अंधेरा होते ही शराब और दूसरे नशीले पदार्थों का सेवन ज़ोरों पर शुरू हो जाता है, जिससे आस-पास रहने वाले स्थानीय लोगों और महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। सिस्टम की क्रिमिनल इनएक्टिविटीः अधिकारी आंखें क्यों मूंदे हुए हैं? सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल यह है कि नगर निगम का विजिलेंस डिपार्टमेंट और स्थानीय डिप्टी कमिश्नर यह सब जानते हुए भी अनजान क्यों बने हैं? इन प्रॉपर्टीज़ पर कोई सख्त सिक्योरिटी या सरप्राइज चेकिंग क्यों नहीं होती? क्या अधिकारी किसी बड़ी क्रिमिनल घटना का इंतज़ार कर रहे हैं? सरकारी प्रॉपर्टी का ड्रग्स के अड्डे के तौर पर यह इस्तेमाल प्रशासन की नाकामी का सीधा सबूत है। 'पाको गुजरात' जनता के पक्ष में खड़ा होकर नगर निगम कमिश्नर से सीधा सवाल पूछता है कि लाखों रुपये सैलरी लेने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी? नशेड़ियों के इन अड्डों पर निगम का बुलडोजर और कानून का चाबुक कब चलेगा? जनता अब इस लापरवाही को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है!

विज्ञान जाथा के चेयरमैन जयंत पंड्या ने ली सेवानिवृत्ति, अंबालाल पटेल विवाद से जोड़कर लगाए जा रहे कयास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ लंबे समय से अभियान चलाने वाले विज्ञान जाथा के चेयरमैन जयंत पंड्या ने अपने पद से सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी है। उनके इस फैसले के बाद राज्यभर में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हाल ही में जयंत पंड्या ने प्रसिद्ध मौसम विश्लेषक अंबालाल पटेल की भविष्यवाणियों पर सवाल उठाते हुए उन्हें वैज्ञानिक आधारहीन बताया था। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस चर्चा का विषय बनी हुई थी। ऐसे में विवाद के कुछ ही दिनों बाद आई सेवानिवृत्ति की घोषणा ने लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया और विभिन्न सामाजिक मंचों पर यह चर्चा हो रही है कि क्या इस विवाद का उनके निर्णय से कोई संबंध है या फिर इसके पीछे अन्य कारण हैं। हालांकि, जयंत पंड्या के करीबी सूत्रों के अनुसार यह फैसला किसी दबाव का परिणाम नहीं है। बताया जा रहा है कि वे पिछले चार दशकों से अधिक समय से सामाजिक जागरूकता और अंधविश्वास उन्मूलन के कार्यों में सक्रिय रहे हैं तथा बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य कारणों से संगठन की जिम्मेदारी नई पीढ़ी को सौंपना चाहते थे। फिलहाल उनके सेवानिवृत्ति निर्णय को लेकर अटकलों का दौर जारी है। वहीं, अब सभी की नजर इस बात पर है कि विज्ञान जाथा का नया नेतृत्व कौन संभालेगा और भविष्य में संगठन की गतिविधियां किस दिशा में आगे बढ़ेंगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 29 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, बैंकॉक से आए यात्री को दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम्स विभाग ने ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की है। बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 29 करोड़ रुपये आंकी गई है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, एक भारतीय यात्री बैंकॉक से कुआलालंपुर होते हुए दिल्ली पहुंचा था। एयरपोर्ट पर उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की और उसके सामान की गहन जांच की। तलाशी के दौरान बैगेज में बेहद चालाकी से छिपाकर रखी गई बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद कस्टम्स टीम ने आरोपी यात्री को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि नशीले पदार्थ की खेप कहां से लाई गई थी, इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और भारत में इसे किसे सप्लाई किया जाना था। मामले में आगे की जांच जारी है।

छोटाउदेपुर में क्क के भीतर बढ़ा विवाद, पदाधिकारियों के बीच टकराव से उठे संगठन पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। गुजरात के छोटाउदेपुर जिले में आम आदमी पार्टी के दो स्थानीय पदाधिकारियों के बीच विवाद सामने आने के बाद संगठन की आंतरिक स्थिति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, पार्टी के एक तहसील अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य के बीच मतभेद इतना बढ़ गया कि मामला पुलिस तक पहुंच गया। स्थानीय स्तर पर इस घटनाक्रम को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं चल रही हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संगठन के भीतर बढ़ती गुटबाजी और आपसी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। विशेष रूप से इसलिए भी यह मामला चर्चा में है क्योंकि दोनों पक्ष आदिवासी समाज से जुड़े बताए जा रहे हैं।विवाद के बाद प्रदेश नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि यदि समय रहते संगठन स्तर पर संवाद और समन्वय की पहल की जाती तो मामला पुलिस तक पहुंचने से रोका जा सकता था। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व की ओर से अब तक कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, मामले की जांच और दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच स्थानीय कार्यकर्ता संगठन की एकजुटता को लेकर चिंता जता रहे हैं। छोटाउदेपुर की इस घटना ने एक बार फिर राजनीतिक दलों में आंतरिक समन्वय और संगठनात्मक अनुशासन को लेकर बहस छेड़ दी है।

क्या आरएसएस की भारत की जनता के प्रति जवाबदेही होनी चाहिए?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क। वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है।

लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, ह्लहिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।ह्व यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है।

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है। संघ में औपचारिक सदस्यता और कठोर संस्थागत नियंत्रण नहीं होता। शाखाएं अपने संसाधनों से चलती हैं और संगठन का संचालन सामाजिक सहभागिता से होता है।

इतिहास यह भी बताता है कि संघ को बार-बार राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगाया गया, आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक जेल भेजे गए, बाबरी प्रकरण के बाद भी हमला हुआ। लेकिन हर बार संघ और अधिक मजबूत होकर निकला। इसका कारण यह था कि संघ की जड़ें सत्ता में नहीं, समाज में हैं। मोहन भागवत ने भी याद दिलाया कि सरकारें संघ पर प्रतिबंध लगाती रहीं, इसका अर्थ ही यह है कि सरकारें संघ के अस्तित्व और प्रभाव को मानती रही हैं।

देखा जाये तो संघ विरोधी बार बार पारदर्शिता और कराधान का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन वह जानबूझकर न्यायालयों के निर्णयों को नजरअंदाज करते हैं। ह्लगुरु दक्षिणाह्व को लेकर न्यायालयों ने पारस्परिकता के सिद्धांत को स्वीकार किया था। पटना उच्च न्यायालय ने स्पष्ट माना कि स्वयंसेवकों का स्वैच्छिक योगदान करयोग्य आय नहीं माना जा सकता। संघ ने कभी कानून से छूट नहीं मांगी। उसने केवल वही स्वीकार किया जो कानून कहता है। कानून जहां लागू होता है, वहां संघ के सहयोगी संगठन विधिवत पंजीकृत हैं, लेखा परीक्षण कराते हैं और अपने प्रतिवेदन भी प्रकाशित करते हैं।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस का पाखंड खुलकर सामने आता है। दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी आज संघ से पारदर्शिता मांग रही है, जबकि स्वयं उसके इतिहास पर आपातकाल, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विदेशी प्रभाव के आरोप लगे हुए हैं। जो दल लोकतंत्र को कुचलने के लिए आपातकाल थोप सकता है, वह आज लोकतांत्रिक मूल्यों का उपदेश दे रहा है। यह राजनीतिक हास्य से अधिक कुछ नहीं।

मोहन भागवत ने बिल्कुल सही कहा कि संघ खुलकर काम करता है, किसी गुप्त संगठन की तरह नहीं। लाखों शाखाएं, हजारों सेवा प्रकल्प, शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा राहत, सामाजिक समरसता, वनवासी कल्याण, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संघ का हर कार्य समाज के सामने है। यदि संघ में कुछ छिपा होता तो वह सौ वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में इतने व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता।

दरअसल संघ की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि उसने राष्ट्रवाद को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा। जब भी देश पर संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले खड़े दिखाई दिए। विभाजन के समय राहत कार्य हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी का दौर हो या सीमा पर सैनिकों के परिवारों की सहायता, संघ के कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। यही कारण है कि भारत का सामान्य नागरिक संघ को कागजी संस्था नहीं, राष्ट्रीय चेतना का प्रहरी मानता है।

संघ को लेकर सबसे अधिक भ्रम उन लोगों में है जो भारत को केवल सत्ता और चुनाव की नजर से देखते हैं। संघ सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए काम करता है। यही कारण है कि वह राजनीतिक उतार चढ़ाव से अप्रभावित रहता है। मोहन भागवत ने हाल में कहा था कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन सबसे अधिक गलत समझा जाने वाला संगठन भी है। यह कथन बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने कभी शाखा देखी ही नहीं, वह संघ पर सबसे अधिक आरोप लगाते हैं।

देखा जाये तो आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ को राजनीतिक चश्मे से नहीं, उसके कार्यों से देखा जाए। यदि कोई संगठन बिना सरकारी सहायता के, बिना विदेशी धन के और बिना सत्ता के दबाव के सौ वर्षों तक राष्ट्रसेवा करता है, तो उसकी वैधता किसी सरकारी रजिस्टर से नहीं, जनता के विश्वास से तय होती है।

कांग्रेस और संघ विरोधियों को यह समझ लेना चाहिए कि संघ को डराकर, बदनाम करके या कानूनी भ्रम फैलाकर कमजोर नहीं किया जा सकता। संघ की शक्ति कागजों से नहीं, करोड़ों स्वयंसेवकों के समर्पण से आती है। उसका अस्तित्व किसी मंत्री की कृपा पर नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर आधारित है। जो सौ वर्षों से राष्ट्र को सब कुछ दे रहा हो, उसे अपना परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। राष्ट्र स्वयं उसका परिचय बन जाता है।

साथ ही संघ को किसी वंशवादी राजनीति से चरित्र प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। जिस संगठन ने सौ वर्षों तक बिना सत्ता, बिना सरकारी संरक्षण और बिना विदेशी सहारे के राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उसकी पहचान किसी सरकारी मुहर से नहीं होती। संघ का परिचय उसके करोड़ों स्वयंसेवकों की तपस्या है, उसकी शाखाओं का अनुशासन है, उसकी सेवा का विस्तार है और भारत माता के प्रति उसका अखंड समर्पण है। राजनीतिक दल सत्ता से बनते और मिट जाते हैं, लेकिन संघ जैसी राष्ट्रशक्ति पीढ़ियों तक समाज की चेतना में जीवित रहती है। संघ को मिटाने के सपने देखने वाले आते जाते रहे, लेकिन संघ आज भी उतना ही दृढ़, उतना ही प्रभावशाली और उतना ही राष्ट्रनिष्ठ खड़ा है, क्योंकि उसका आधार सत्ता नहीं, भारत की सनातन आत्मा है।

संपादकीय

एक थोपे युद्ध का अंत

दुनिया ने राहत की सांस महसूस की होगी! आर्थिक मंदी, ऊर्जा-खाद्य संकट और तबाही की भयावहता अब नहीं डराएगी। ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं। युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कंटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के ह्लवर्साय पैलेसह्व में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं, अंततः विध्वंस का दौर थम गया। मानवता जिंदा रह सकेगी, फिलहाल यह तय किया गया है। अब आगे के 60 दिन वार्ताओं के दौर जारी रहेंगे। अंतिम समाधान और सहमति तय की जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि राष्ट्रपति ट्रंप अब युद्ध का आदेश नहीं देंगे। इस युद्ध ने उनकी कई गलतफहमियां दूर की हैं, युद्ध के बारे में वह आत्ममंथन कर रहे होंगे, शायद क्यूबा को भी बख्श देंगे और इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि हरेक देश वेनेजुएला नहीं होता। यह युद्ध-समाप्ति बेहद त्रासद रही है, क्योंकि कुल 7500 से अधिक मौतें हुईं। पेंटागन और ईरान वॉर कॉस्ट ट्रैकर के मुताबिक, दोनों देशों को करीब 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। दुनिया के वे देश, जिनका युद्ध से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था, उन्हें भी करीब 112 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी। खाड़ी देशों को करीब 194 अरब डॉलर का नुकसान ही झेलना नहीं पड़ा, बल्कि करीब 36 लाख नौकरियां/रोजगार खत्म हो गए। करीब 40 लाख लोग गरीबी-रेखा के नीचे जाने को विवश हुए। अमरीका-इजरायल ने ईरान पर करीब 2500 हमले किए और उसे खंडहर बना दिया। अकेले ईरान को करीब 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और अमरीका को भी करीब 10.64 लाख करोड़ रुपए फूंकने पड़े। उसकी 10 लाख करोड़ रुपए की मिसाइलें और ड्रोन ईरान ने तबाह कर दिए। अमरीका के 15 सैनिक भी मारे गए और खाड़ी देशों में उसके सैन्य ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया है। 'सुपर पॉवर' की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे। उन्हें आगामी तीन सालों में भी भरा नहीं जा सकता। आर्थिक मंदी मंडरा कर डराने लगी थी, लिहाजा युद्ध समाप्त करने के अलावा, कोई और विकल्प नहीं था।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

दल-बदल की राजनीति और लोकतंत्र का भविष्य

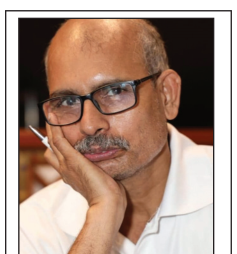

विनोद कुमार सिंह

जनादेश की चोरी या राजनीतिक अवसरवाद जनादेश बनाम दल-बदल।भारतीय लोकतंत्र राजनीतिक अवसरवाद का बंधक बनता जा रहा है?

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में जनता को लोकतंत्र का वास्तविक स्वामी माना जाता है। संविधान की मूल भावना भी यही है कि सत्ता का स्रोत जनता है, जनता जर्नादन का जनादेश सर्वोपरि है।मतदाता किसी प्रत्याशी को केवल उसके व्यक्तिगत गुणों के आधार पर नहीं चुनता,बल्कि उसके राजनीतिक दल,विचारधारा,नेतृत्व और चुनावी घोषणापत्र पर विश्वास व्यक्त करता है।यही कारण है कि चुनाव परिणाम केवल सीटों की गणना नहीं,बल्कि जनता की सामूहिक इच्छा की अभिव्यक्ति होते हैं।दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में जिस प्रकार दल-बदल की प्रवृत्ति बढ़ी है,उसने लोकतंत्र की आत्मा जनादेश की पवित्रता और राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।एक ओर भाजपा व एन डी ए की केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत जैसे लक्ष्य राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं।दूसरी ओर राजनीतिक दलों के भीतर बढ़ती अस्थिरता,वैचारिक प्रतिबद्धता का क्षरण और सत्ता प्राप्ति की बढ़ती होड़ लोकतंत्र को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर रही है।जनता जिन प्रतिनिधियों को किसी दल के चुनाव चिन्ह पर चुनकर भेजती है,वे कुछ वर्षों बाद या कभी-कभी कुछ महीनों बाद ही अपना दल बदल लेते हैं।इससे सबसे अधिक आघात मतदाता के विश्वास को पहुँचता है।भारतीय राजनीति में दल-बदल की समस्या नई नहीं है।वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार पार्टी बदलने की घटना के बाद ₹आया राम,गया राम₹ भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। 1967से1971के बीच देशभर में पांच सौ से अधिक विधायकों द्वारा दल बदलने की घटनाएँ दर्ज की गईं।राजनीतिक अस्थिरता इतनी बढ़ गई कि केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा।इसी के परिणामस्वरूप वर्ष 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची अर्थात दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। बाद में 91वें संविधान संशोधन के माध्यम से इसे और कठोर बनाया गया।कानून बनने के बावजूद समस्या समाप्त नहीं हुई।नेताओं ने कानून की कमियों को समझ लिया और व्यक्तिगत दल-बदल के स्थान पर सामूहिक टूट,विलय और इस्तीफों की रणनीति अपनाई।आज स्थिति यह है कि सरकारें कई बार चुनावी जनादेश से कम और राजनीतिक प्रबंधन से अधिक बनती-बिगड़ती दिखाई देती हैं।राजनीतिक सुधारों के लिए कार्य करने वाली संस्था ए डी आर (ऐशोसिएसन फॉर ड्रेमोक्रिऐसी रिफॉर्स)की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 से 2020 के बीच देश भर में 405 विधायक दल बदलकर दोबारा चुनाव मैदान में उतरे।इनमें से 182 विधायक अर्थात लगभग 45 प्रतिशत एक ही दल में शामिल हुए।इसी अवधि में170विधायक कांग्रेस छोड़कर अन्य दलों में चले गए जबकि केवल 18 विधायक भाजपा छोड़कर अन्य दलों में गए। एडीआर ने यह भी उल्लेख किया कि मध्य प्रदेश,गोवा,मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और कर्नाटक में सरकारों के गिरने के पीछे विधायकों का दल-बदल प्रमुख कारण रहा।महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र में दल-बदल की सबसे बड़ी प्रयोग शाला बनकर सामने आया।वर्ष 2022में शिवसेना के 55 में से लगभग 40 विधायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में अलग हो गए।इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी बड़ी टूट हुई और अजित पवार गुट अलग हो गया।जनता ने जिस महाविकास आघाड़ी या जिस राजनीतिक संरचना को वोट दिया था,कुछ ही वर्षों में उसका स्वरूप पूरी तरह बदल गया।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि महाराष्ट्र ने भारतीय राजनीति में ₹विधायक आधारित सत्ता परिवर्तन₹ का नया मॉडल प्रस्तुत किया है।इससे यह प्रश्न और प्रबल हुआ कि लोकतंत्र में वास्तविक महत्व मतदाता के वोट का है या निर्वाचित प्रतिनिधियों की बाद की राजनीतिक निष्ठाओं का।मध्य प्रदेश का उदाहरण भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।वर्ष 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद 22कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया।परिणामस्वरूप कमलनाथ सरकार गिर गई और राज्य में सत्ता परिवर्तन हो गया।बाद में इनमें से अधिकांश नेता दूसरे दल के टिकट पर पुनः चुनाव लड़े।यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति में दल-बदल और सत्ता परिवर्तन के सबसे चर्चित उदाहरणों में गिना जाता है।कर्नाटक में वर्ष 2019 में 17विधायकों के इस्तीफे ने एच.डी. कुमारस्वामी सरकार को गिरा दिया।कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सत्ता से बाहर हो गया और नई सरकार का गठन हुआ।राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे भी दल-बदल कानून की सीमाओं का उदाहरण बताया।गोवा,मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में भी निर्वाचित विधायकों के दल बदलने से राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए।कई बार विपक्ष सत्ता पक्ष में बदल गया और कई बार सत्तारूढ़ दल विपक्ष में पहुँच गया।इससे लोकतांत्रिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ा।एडीआर की रिपोर्ट ने भी इन राज्यों में सरकार परिवर्तन के पीछे दल-बदल को प्रमुख कारण बताया है।पश्चिम बंगाल में भी दल-बदल की राजनीति लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।वर्ष 2021 के विधान सभा चुनाव से पहले और बाद में तृणमूल कांग्रेस तथा भाजपा के बीच नेताओं और विधायकों का आना-जाना जारी रहा।राजनीतिक गलियारों में समय-समय पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों की नाराजगी और संभावित टूट की चचाएँ भी उठती रही हैं।लोकतंत्र के लिए केवल दल-बदल ही समस्या नहीं है,बल्कि लगातार बनी रहने वाली राजनीतिक अनिश्चितता भी चिंता का विषय है।

विश्व वर्षावन दिवस : महत्व, उद्देश्य, थीम और संरक्षण के उपाय

सुनील कुमार महला

वर्षावनों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 22 जून को विश्व वर्षावन दिवस (वर्ल्ड रेन फोरेस्ट डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस पृथ्वी के उन अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को रेखांकित करता है, जो मानव जीवन, जैव-विविधता और जलवायु संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। आज स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज लॉगिंग (पेड़ों की कटाई), अवैध खनन, अनियंत्रित विकास तथा कृषि विस्तार के कारण हर मिनट लगभग 40 फुटबॉल मैदानों के बराबर वर्षावन नष्ट हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार पिछले 50 वर्षों में अकेले अमेजन वर्षावन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा समाप्त हो चुका है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि विश्व वर्षावन दिवस की शुरूआत वर्ष 2017 में गैर-लाभकारी संस्था रेनफोरेस्ट पार्टनरशिप द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षावनों के संरक्षण के लिए विश्वभर के लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साझा मंच पर लाना था। तब से यह दिवस विश्व के अनेक देशों में पर्यावरण संरक्षण अभियानों, वृक्षारोपण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों तथा जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्षावन पृथ्वी के सबसे समृद्ध और जैव-विविधता वाले पारिस्थितिक तंत्र हैं। यद्यपि वे पृथ्वी की भूमि का अपेक्षाकृत छोटा भाग घेरते हैं, फिर भी इनमें विश्व की लगभग आधी से अधिक वनस्पति एवं जीव प्रजातियाँ पाई जाती हैं। ये वातावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पृथ्वी के जल-चक्र और वर्षा प्रणाली को संतुलित बनाए रखते हैं। लाखों आदिवासी और स्थानीय समुदाय अपनी आजीविका, संस्कृति और जीवन-निर्वाह के लिए वर्षावनों पर निर्भर हैं। इसके अतिरिक्त आधुनिक चिकित्सा में उपयोग होने वाली 25 प्रतिशत से अधिक दवाओं के तत्व वर्षावनों के पौधों से प्राप्त होते हैं, जिनमें अनेक कैंसर-रोधी औषधियाँ भी शामिल हैं।

इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को वर्षावनों के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा उनके संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। यह सरकारों, संस्थाओं और नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश देता है। पिछले वर्ष अर्थात 2025 में विश्व वर्षावन दिवस की थीम एमपावरिंग एक्शन (कार्रवाई को सशक्त बनाना) रखी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षावनों के संरक्षण हेतु जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी कदम उठाने पर बल देना था। इस थीम के अंतर्गत स्वदेशी समुदायों को सशक्त बनाने तथा उनके पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया था। वहीं वर्ष 2026 की थीम द फोरेस्ट विद इन यू (आपके भीतर का जंगल) है। यह थीम इस विचार को प्रस्तुत करती है कि वर्षावन भले ही भौगोलिक रूप से हमसे दूर हों, लेकिन हवा, पानी और जलवायु के माध्यम से वे हमारे अस्तित्व का अभिन्न हिस्सा हैं। यह मनुष्य और प्रकृति के गहरे एवं आंतरिक संबंध को रेखांकित करती है।

वर्षावनों से जुड़े अनेक तथ्य अत्यंत रोचक और महत्वपूर्ण हैं। वर्षावन पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल के 3 प्रतिशत से भी कम हिस्से में फैले हैं, लेकिन वे विश्व की आधे से अधिक वनस्पति एवं जीव प्रजातियों का घर हैं। अमेजन जैसे विशाल वर्षावन हमारी सांसों के लिए आवश्यक ऑक्सीजन तथा स्वच्छ जल प्रणाली से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन्हें अक्सर पृथ्वी के फेफड़े कहा जाता है, क्योंकि ये पृथ्वी के जलवायु संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज वर्षावनों के समक्ष अनेक गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिनमें पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, अवैध खनन, कृषि भूमि का विस्तार, अनियंत्रित औद्योगिक एवं शहरी विकास तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। विशेष रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया में पाम ऑयल के बागानों के लिए बड़े पैमाने पर वर्षावनों की कटाई की जा रही है, जो वैश्विक चिंता का विषय है। इसी प्रकार मवेशी पालन और चरागाहों के विस्तार के लिए भी बड़ी मात्रा में वन क्षेत्र नष्ट किया जा रहा है।

वर्षावनों के संरक्षण के लिए हमें जिम्मेदार उपभोग की आदत विकसित करनी होगी। कागज और लकड़ी के उत्पादों का सीमित एवं समझदारीपूर्ण उपयोग करना चाहिए तथा अनावश्यक खरीदारी से बचना चाहिए। पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) को बढ़ावा देना आवश्यक है। कागज का दोनों तरफ उपयोग करना चाहिए, री-सायकल किए गए कागज और अन्य उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा जहाँ संभव हो डिजिटल विकल्प अपनाने चाहिए।इसके साथ ही सतत (सस्टेनेबल) खरीदारी को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। सस्टेनेबल शॉपिंग का अर्थ है कि किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले यह विचार किया जाए कि वह कहाँ से आई है, उसका निर्माण कैसे हुआ है तथा उसके उपयोग के बाद पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। हमें प्लास्टिक के बजाय कपड़े या जूट के थैले अपनाने चाहिए, ऑर्गेनिक तथा रीसायकल सामग्री से बने उत्पाद खरीदने चाहिए और स्थानीय तथा प्रमाणित उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरल शब्दों में कहा जाए तो कम लेकिन टिकाऊ खरीदारी करनी चाहिए। पाम ऑयल से जुड़े उत्पादों के प्रति भी जागरूक रहना आवश्यक है। ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए जिनमें पर्यावरण-अनुकूल और प्रमाणित स्त्रोतों से प्राप्त पाम ऑयल का उपयोग किया गया हो। इसी प्रकार वैश्विक स्तर पर मांस की खपत कम करने से चरागाहों के विस्तार की आवश्यकता घटेगी और वनों पर दबाव कम होगा। आदिवासी एवं स्थानीय समुदाय प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की परंपरागत समझ रखते हैं, इसलिए उनके अधिकारों और ज्ञान की रक्षा भी आवश्यक है। साथ ही ऐसी सरकारों और कंपनियों का समर्थन किया जाना चाहिए जो सख्त पर्यावरणीय कानूनों और शून्य-वनकटाई (जीरो-डीफोरेस्टेशन) नीतियों का पालन करती हैं।

अंत में यही कहूंगा कि वर्षावनों के संरक्षण के लिए वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना, अधिकाधिक वृक्षारोपण करना, झूमिंग कृषि प्रणाली को हतोत्साहित करना तथा सतत कृषि को बढ़ावा देना आवश्यक है। वन्यजीवों का संरक्षण, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों का विस्तार, ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ी आवश्यकता लोगों को वर्षावनों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में शिक्षित करने तथा व्यापक जन-जागरूकता फैलाने की है।

वास्तव में सच तो यह है कि वर्षावनों को बचाना किसी एक देश या सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज का सामूहिक और नैतिक दायित्व है। वर्षावन हमारे दैनिक जीवन, संस्कृति, स्वास्थ्य, जलवायु और भविष्य से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। वे हमें स्वच्छ वायु, संतुलित जलवायु, जैव-विविधता और जीवनदायी संसाधन प्रदान करते हैं। यदि हम आज इनके संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण, समृद्ध जैव-विविधता और सुरक्षित भविष्य प्रदान कर सकेंगे। इसलिए वर्षावनों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य शर्त भी है।

लखनऊ में दबंगों का आतंक, युवक को बीच सड़क बेल्ट और डंडे से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक डरा देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक युवक की दबंग युवकों ने बीच सड़क बेल्ट और डंडों से पिटाई कर दी. जिसका एक वीडियो भी सामने आया है. जिसमें देखा जा सकता है कि युवक की पिटाई की जा रही है. इस वीडियो से लोग भी दहशत में आ गए हैं. जानकारी के अनुसार मामला शनिवार का चौक थानाक्षेत्र के केजीएमयू के बाहर का बताया जा रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि दबंग युवक कितनी बेरहमी से बेल्ट और डंडे से युवक की पिटाई कर रहे हैं. सबसे बड़ी बात इस दौरान रास्ते से लोग गुजरते रहे, लेकिन किसी ने युवक को बचाने की जहमत नहीं जुटाई. मामला चौक थानाक्षेत्र का है. वीडियो में कुछ लोग युवक के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की पिटाई किस वजह से की गई. घटना के पीछे की असली वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है. वहीं, यह भी जानकारी सामने नहीं आई है कि पीड़ित युवक ने इस मामले में संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई है या नहीं? वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में घटना को लेकर नाराजगी देखी जा रही है. लोगों का कहना है कि पुलिस को वायरल वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए और मारपीट में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए. लोगों का मानना है कि ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई होने से भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगेगी और कानून का डर बना रहेगा. फिलहाल, इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है. मामले से जुड़ी अन्य जानकारियों का इंतजार किया जा रहा है.

किसान की 35 बीघा जमीन बिकवाई, 1.80 करोड़ की आरती उतारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। अमरोहा से मौलाना के तंत्र-मंत्र के नाम पर किसान से ठगी का मामला सामने आया है। मौलाना ने किसान को दोगुने रुपये करने का झांसा दिया। उससे करीब 1 करोड़ 80 लाख रुपये हड़प लिए। इन रुपयों को पाने के लिए उसने किसान की 32 बीघा जमीन बिकवा दी। किसान के रुपये की आरती उतारते मौलाना का वीडियो सामने आया है। मामले में कहा जा रहा है कि मौलाना ने किसान को तंत्र-मंत्र से रुपये को दोगुना करने का भरोसा दिलाया था। उसने किसान से कहा कि पहले भी वह कई बार ऐसा कर चुका है। इसी चक्कर में फंसकर किसान ने पैसे गंवा दिए। पैसे वापस मांगने पर किसान को मौलाना ने धमकी देनी शुरू कर दी।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति कुर्ता-पायजामा और सिर पर टोपी लगाए आरती की थाली पकड़े हुए है। उसकी आंखों पर काला चश्मा लगा है। वह नोटों से भरे बॉक्स की आरती उतार रहा है। इसके बाद पैसे गायब किए जाने की बात कही जा रही है। पीड़ित किसान ने पुलिस में शिकायत कर अपने पैसों को वापस दिलाने के लिए गुहार लगाई है।

पुलिस का आया बयान

वायरल हो रहे वीडियो पर अमरोह पुलिस का बयान आया है। इसमें कहा गया है कि जांच में दोनों पक्षों के बीच पहले ही पैसों के लेन-देन एवं आपसी समझौता होने की बात सामने आई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पहले का है। अभी इस मामले में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। अगर मामले में तहरीर प्राप्त होती है तो नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामला अमरोहा जिले के बछरायूं क्षेत्र के सरकड़ा कला गांव का है।

मध्यप्रदेश में आवारा कुत्तों का आतंक! 2 घंटे के भीतर 40 लोगों को काटा, शहर में मची दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है. शनिवार को आवारा कुत्तों ने शहर के कई इलाकों में जमकर उत्पात मचाया और महज कुछ घंटों में करीब 40 लोगों को काटकर घायल कर दिया. घटना के बाद शहर में दहशत का माहौल है और बड़ी संख्या में घायल जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया. श्योपुर शहर में शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब कुछ आवारा कुत्तों ने किला रोड, मेवाती मोहल्ला, छारबाग, चूड़ी बाजार, बालापुरा सहित कई क्षेत्रों में लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया. कुत्तों सामने जो भी सामने आया, उस पर झपट पडे. बच्चे, बुजुर्ग और युवा कोई भी इसके हमले से नहीं बच पाया. स्थानीय लोगों के अनुसार,करीब दो से तीन घंटे के भीतर कुत्ते ने लगभग 40 लोगों को काटकर घायल कर दिया. कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं, जबकि कई लोगों के हाथ-पैरों से खून निकलने लगा. घटना के बाद पूरे शहर में दहशत का माहौल बन गया और लोग आवारा कुत्तों से बचते नजर आए. हमले में नाजिम खान, राजू गौर, यासीन हाफिज, काड़ू, सत्तार, घनश्याम गौड़, आमीन खान, अब्दुल खान, फिरोज, गनी, शाहीन खान, मोनू, गफूर खान, सोनू आर्य,

परमानंद, मोहसिन, रणवीर सहित करीब 40 लोग घायल हुए.सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया. शहर निवासी एक घायल युवक के दोस्त वसीम खान का कहना है, ''एक आवारा कुत्ते ने मेरे दोस्त को मेला ग्राउंड के पास काट लिया जिसे हम अस्पताल लेकर आए हैं. यहां कुत्तों के हमले से जख्मी 40 से ज्यादा लोग उपचार के लिए आए हैं. हालांकि, हमें यह तो पता नहीं कि एक कुत्ते ने हमला किया या एक से ज्यादा कुत्तों ने लोगों को काटा है. जिला अस्पताल श्योपुर के सिविल सर्जन, डॉ. एसएन बिंदल ने फो कॉल पर बताया कि जिला अस्पताल में घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए. डॉक्टरों ने लोगों से आवारा कुत्तों से सावधानी बरतने और काटने की स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचने की अपील की है. बहरहाल शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या अब लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है. एक ही दिन में 40 लोगों के घायल होने की घटना ने नगर प्रशासन की व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. अब देखना होगा कि प्रशासन आवारा कुत्तों के आतंक पर लगाम लगाने के लिए क्या कदम उठाता है?

मध्यप्रेश के शिवपुरी में बवाल... अंबेडकर की प्रतिमा जब्त करने गई पुलिस टीम पर पथराव, महिलाओं-पुरुषों ने फेंके पत्थर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा जब्त करने गई पुलिस टीम पर पथराव कर दिया गया. हालांकि पुलिस ने इस दौरान हालात को काबू करते हुए लोगों के हाथों से पत्थर छीन लिए. अधिकारियों का कहना है कि सरकारी जमीन पर कोई प्रतिमा बिना किसी अनुमति के स्थापित नहीं की जा सकती. ऐसा करने पर सख्त एक्शन लिया जाएगा. ये पूरा मामला कोलारस थाना क्षेत्र के ग्राम अनंतपुर का है. आरोप है कि बिना अनुमति के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को सरकारी जमीन पर स्थापित कर दिया गया. इसकी शिकायत हुई तो प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. टीम ने बिना अनुमति लगाई गई प्रतिमा को जब्त कर लिया. इस बात को लेकर कुछ ग्रामीण नाराज हो गए और उन्होंने पुलिस-प्रशासन की टीम पर पथराव करना शुरू कर दिया. हालांकि टीम ने

पत्थरों को छीनकर फेंक दिया. इस पूरे मामले को लेकर भीम आर्मी ने कोलारस थाने का घेराव भी किया गया था और नेताओं ने एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा था. इस घटनाक्रम को लेकर प्रशासन का कहना है कि बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करने के मामले में दो लोगों पर कार्रवाई की गई है, वहीं प्रतिमा को जब्त कर लिया गया है. इस मामले में एसडीएम अनूप श्रीवास्तव का कहना है कि थाने का घेराव कर आरोपियों को छुड़वाने की मांग भी की जा रही थी. इसे लेकर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है. इसलिए कानूनी कार्रवाई का सहारा लें. एसडीएम का कहना है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार की प्रतिमा को स्थापित नहीं किया जा सकता, जब तक कि उसकी नियमों के अनुसार परमिशन न ली जाए.

ग्वालियर में शादी समारोह से लौटते ही नवदंपति ने दी जान, घर के अंदर मिले टूटे हुए मोबाइल

ग्वालियर के हस्तिनापुर गांव में एक नवदंपति ने आपसी विवाद के बाद आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के हस्तिनापुर गांव से एक बेहद दिलदहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नवदंपति ने घर के भीतर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह दुखद घटना शनिवार को उस वक्त हुई जब एक दिन पहले ही दोनों एक शादी समारोह से वापस लौटे थे। पुलिस को शुरुआती जांच में मौके से टूटे हुए मोबाइल फोन और जमीन पर बिखरा हुआ खाना मिला है, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि आत्मघाती कदम उठाने से पहले दोनों के बीच काफी गंभीर झगड़ा हुआ था। मृतकों की पहचान विनोद प्रजापति और उनकी पत्नी लक्ष्मी के रूप में हुई है, जिनकी शादी अप्रैल 2025 में हुई थी।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

जानकारी के मुताबिक, विनोद कुछ दिन पहले अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ उसकी ससुराल भिंड में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने गया था। वहां से दोनों बेहद खुश नजर आ रहे थे। शुक्रवार को ही दोनों भिंड के समारोह से वापस

ग्वालियर के हस्तिनापुर अपने पैतृक गांव लौटे थे। शनिवार को अचानक बंद कमरे के भीतर दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि बात हाथापाई और गुस्से में मोबाइल तोड़ने तक पहुंच गई। इसके बाद कमरे में रखे खाने को भी फेंक दिया गया और दोनों ने फंदे से लटककर जान दे दी। पड़ोसियों की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो कमरा अंदर से बंद था और दोनों के शव लटक रहे थे।

पुलिस जांच में टूटे मोबाइल बने अहम सुराग

हस्तिनापुर थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल पर मिले टूटे हुए मोबाइल फोन इस पूरी मिस्ट्री को सुलझाने में सबसे अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से इन टूटे हुए फोनों के डेटा और कॉल रिकॉर्ड्स को रिकवर करने की कोशिश कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि विवाद की मुख्य वजह क्या थी।

जमीन कम मिली तो पिता को फावड़े से मार डाला... पुलिस के सामने बोला- गुस्से में कर दिया था वार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सनसनीखेज कहानी सामने आई है. यहां बेटे ने जमीन विवाद को लेकर अपने पिता की बेरहमी से हत्या कर दी. वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. दरअसल, यह मामला लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र का है. पुलिस का कहना है कि ग्राम अतरौरा के रहने वाले विनोद कुमार उर्फ महेन्द्र का अपने पिता रामकुमार के साथ खेत में हिस्सेदारी कम मिलने और मेड़ बनाने-बिगाड़ने को लेकर विवाद हो गया था. कहासुनी के बीच मामला हिंसक हो गया. गुस्से में आकर विनोद ने फावड़े से पिता के सिर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े. इसके बाद परिजन घायल हालत में रामकुमार को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया. वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. इस वारदात के बारे में सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जानकारी ली. मृतक की बेटी मालती देवी की तहरीर पर थाना महिगवां में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया. पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीकेटी-पहाड़पुर रोड स्थित देवरी रुखारा नहर पुलिया के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा भी बरामद कर लिया है. पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है. उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गुस्से में आकर अपने पिता पर फावड़े से हमला

'माफिया को मिट्टी में मिलाकर बुंदेलखंड को दी नई पहचान', महोबा में बोले CM योगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। महोबा दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 697 करोड़ रुपये से ज्यादा की 88 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस दौरान उन्होंने बुंदेलखंड के विकास, जल संरक्षण, कनेक्टिविटी और रक्षा क्षेत्र में हो रही प्रगति का जिक्र किया. इसके साथ ही, विपक्ष पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि नकारात्मक सोच रखने वाले लोग विकास और सकारात्मक बदलाव को स्वीकार नहीं कर पाते. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि उनकी सरकार ने माफिया राज खत्म करके बुंदेलखंड को एक्सप्रेसवे, सिंचाई परियोजनाओं और इन्वेस्टमेंट से जोड़ने का काम किया है. योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'गोरखगिरी एडवेंचर टूरीज्म बने, महोबा को पहचान दें, यहां निकलने वाले पत्थर को पहचान दें. यह सिर्फ नींव नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करता है. ' उन्होंने आगे कहा कि जब पान की बात आती है, तो मुझे महोबा का देसवारी पान याद आता है, आल्हा ऊदल जैसे वीर पैदा हुआ गुरु गोरखनाथ ने लंबे वक्त तक पूजा की थी. इसलिए मैं यहां की परम्परा को नमन करता हूं. यहां के देशवारी पान को हमारी सरकार ने जियो टैग देकर वैश्विक मान्यता दिलाई है. सीएम योगी ने कहा, 'बुन्देलखण्ड को बदनाम किया गया था. यहां पर भू और खनिज माफिया हावी थे. माफिया को मिट्टी मे मिलाकर बुंदेलखंड को एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का काम हमारी सरकार ने किया है. मुझे महोबा ओर चरखारी में आकर खुशी होती है कि यहां जल संरक्षण का कार्य हो रहा है. माफिया को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया था, आज एक्सप्रेसवे बन रहा है. उन्होंने आगे कहा कि जल संरक्षण के लिए चंदेल कालीन राजाओं की तर्ज पर आगे बढ़ाएंगे. यहां की बनी ब्रह्मोस मिसाइल जब ऑपरेशन सिंदूर में मिसाइल दागी तो पाकिस्तान घबड़ाने लगा. कबरई के जिन किसानों ने अपनी भूमि डैम के लिए दी थी, उन्हें कई साल तक मुआवजा नहीं मिला लेकिन हमने उन किसानों को मुआवजा दिया. युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की उलटी गिनती शुरू होना तय है. सीएम योगी ने कहा, 'प्रदेश में उत्सव के पहले उपद्रव होता था.

कानपुर में CMS को जूतों से पीटने का आरोप, तीन महिला स्टाफ नर्सों पर मुकदमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। यूपी के कानपुर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) चेस्ट हॉस्पिटल ने गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. डिंपल सोनी को उनके ही कार्यालय में तीन महिला स्टाफ नर्सों ने जूतों से पिटाई कर दी। सीएमएस की तहरीर पर नवाबगंज पुलिस तीनों स्टाफ नर्सों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी नर्सों का कहना है कि सीएमएस ने उनका बाल्य देखभाल अवकाश स्वीकृत नहीं किया और वेतन काट दिया। सीएमएस से शिकायत करने गई तो उल्टा उनसे ही मारपीट की गई। अगले दिन झूठे आरोप लगाकर उनके खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर दिया। सीएमएस डॉ. डिंपल सोनी ने पुलिस को तहरीर दी है। जिसमें बताया कि गुरुवार दोपहर कार्यालय कक्ष में महिला स्टाफ नर्स पपनेश, नूतन कुमारी और रीता वर्मा एक साथ आईं। तीनों ने

कमरे में मौजूद अर्दलीय को बाहर भेजकर दरवाजा बंद कर लिया और मारपीट शुरू के दी।

खुद को कमरे में बंद किया

स्टाफ नर्स पपनेश ने हाथ पकड़कर गला दबाने का प्रयास किया। जबकि नूतन कुमारी ने चेहरे, गले और पीठ पर घूसे और थप्पड़ मारे। वहीं रीता वर्मा पर जूतों से पीटने का आरोप है। तीनों ने मिलकर जान से मारने की धमकी दी। डॉ. सोनी ने बताया कि किसी तरह से वह बाहर निकली। खुद को दूसरे कमरे में बंद कर जान बचाई। स्टाफ के रामराज ने डॉयल 112 को सूचना। पुलिस ने उन्हें कमरे से बाहर निकाला। डॉ. डिंपल ने ईएसआई श्रम चिकित्सा सेवा के निदेशक डॉ. बसंत अग्रवाल को अवगत कराया तो उन्होंने सर्वोदय नगर स्थित निदेशालय बुलाकर जानकारी ली। एडीसीपी सेंट्रल डॉ. अर्चना सिंह ने बताया कि सीएमएस की तहरीर पर तीनों स्टाफ नर्स पर जानबूझकर चोट पहुंचाने समेत अन्य धाराओं के रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क निर्माण के नाम पर लगाए 55 करोड़ के फर्जी बिल, ईडी ने कसा शिकंजा, सीज की नकदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। सड़क निर्माण के नाम पर 55 करोड़ रुपये के जाली बिल लगाने का एक बड़ा खुलासा हुआ है. इस पूरे फर्जीवाड़े को लेकर श्रष्ठ ने प्रदेश के रीवा और जबलपुर जिलों में बड़ी छापेमारी की. इस कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी ने करीब 23.50 लाख रुपये कैश बरामद किया. साथ ही अलग-अलग बैंक खातों में जमा 2.93 करोड़ रुपये की रकम को भी फ्रीज कर दिया है. ईडी का आरोप है कि सड़क निर्माण कार्यों के लिए 55.60 करोड़ रुपये के फर्जी बिल लगाकर सरकारी भुगतान हासिल किया गया, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा. ED ने यह कार्रवाई 19 जून को मध्य प्रदेश के रीवा और जबलपुर जिलों में की. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एजेंसी ने बताया कि यह मामला राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से दर्ज FIR के आधार पर सामने आया था. इसके बाद धन शोधन निवारण अधिनियम

के तहत जांच शुरू की गई. जांच एजेंसी के मुताबिक, कुछ ठेकेदारों ने सड़क निर्माण परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों के साथ मिलकर सरकारी भुगतान हासिल करने की साजिश रची. आरोप है कि इसके लिए कई कंपनियों के नाम पर जाली और मनगढ़ंत बिल तैयार किए गए. इन बिलों को सड़क निर्माण में खर्च दिखाकर भुगतान लिया गया. इस पूरे मामले पर ईडी का कहना है कि फर्जीवाड़े में तेल कंपनियों के जाली चालान इस्तेमाल किए गए, जिनकी कुल कीमत 55.60 करोड़ रुपये पाई गई है. छापेमारी में क्या मिला? ईडी ने बताया कि तलाशी के दौरान 23.50 लाख रुपये नकद बरामद हुए. इसके अलावा 2.93 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि को भी फ्रीज किया गया है. एजेंसी अब पैसों के लेनदेन, कथित साजिश और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है. फिलहाल ED पूरे मामले की पड़ताल कर रही है. एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि फर्जी बिल तैयार करने से लेकर भुगतान हासिल करने तक किन-किन लोगों की भूमिका रही और इस कथित गड़बड़ी से किसे कितना फायदा पहुंचा.

दिल्ली का स्टेशन, जनरल बोगी और हाथापाई... 35 साल के युवक के कत्ल में 3 गिरफ्तार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। शाहदरा रेलवे स्टेशन पर हुई एक मामूली कहासुनी कुछ ही मिनटों में हिंसक झड़प में बदल गई. नतीजा यह हुआ कि 35 साल के एक युवक की जान चली गई. अब इस मामले में पुलिस ने दिल्ली पुलिस ने 3 मुख्य आरोपी, जिनकी मारपीट में भूमिका थी, उन्हें गिरफ्तार कर लिया है. इस घटना का 52 सेकेंड का एक वीडियो सामने आने के बाद कई नए सवाल खड़े हो गए हैं. सुबह का वक्त था. ट्रेन प्लेटफॉर्म पर लगी थी. जनरल बोगी के बाहर हमेशा की तरह भीड़ थी. कोई चढ़ने की जल्दी में था, कोई उतरने की. धक्का-मुक्की भी हो रही थी. लेकिन किसी ने नहीं सोचा होगा कि कुछ मिनट बाद इसी भीड़ के बीच एक आदमी की जान चली जाएगी. मामला दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन का है. यहां योगा एक्सप्रेस के जनरल कोच के पास हुई मारपीट में 35 साल के पंकज धामा की मौत हो गई. अब पुलिस ने 3 मुख्य आरोपी, जिनकी मारपीट में भूमिका थी, उन्हें गिरफ्तार कर लिया है. इनमें 2 आरोपी दिल्ली के शाहदरा के, जबकि एक अमर कॉलोनी का रहने वाला है. इनके अलावा 3 और लड़के डिटेन किए गए हैं, जिनमें कुछ नाबालिग भी हैं, उनसे पूछताछ चल रही है. पुलिस का कहना है कि पंकज धामा बॉगी के गेट पर खड़ा था और

किसी को चढ़ने नहीं दे रहा था, इसी को लेकर झगड़ा हुआ. फिर मारपीट शुरू हो गई थी. इस घटना का 52 सेकेंड का वीडियो सामने आया है, जिसने पूरी कहानी को नए सवालों के बीच ला खड़ा किया है. पंकज धामा उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले थे. दिल्ली मेट्रो में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे. घटना वाले दिन वह अपने गांव जाने के लिए निकले थे. इसके लिए उन्होंने योगा एक्सप्रेस पकड़ी. लेकिन गांव पहुंचने से पहले उनकी जिंदगी की यात्रा ही खत्म हो गई. पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, योगा एक्सप्रेस जब शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर रुकी तो जनरल बोगी के दरवाजे पर काफी भीड़ थी. आरोप है कि पंकज दरवाजे के पास खड़े थे, जिससे यात्रियों को चढ़ने-उतरने में परेशानी हो रही थी. यहीं से बहस शुरू हुई. जनरल बोगी में बहस का अगला पड़ाव अक्सर धक्का-मुक्की होता है. यहां भी वही हुआ. लेकिन मामला सिर्फ धक्का-मुक्की तक नहीं रुका. देखते ही देखते कई लोग पंकज पर टूट पड़े. पुलिस का आरोप है कि उन्हें मुक्कों और लातों से पीटा गया. कुछ मिनट पहले जो आदमी घर जाने की तैयारी कर रहा था, वह अब प्लेटफॉर्म पर पड़ा था. घटना का एक 52 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. वीडियो में प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी दिखाई देती है. लोग इधर-उधर भागते नजर आते हैं. कुछ लोग झगड़े में शामिल दिखाई देते हैं. एक पुलिसकर्मी बीच-बचाव की कोशिश करता भी दिखता है. लेकिन वीडियो का सबसे परेशान करने वाला हिस्सा आखिर में आता है. पंकज जमीन पर पड़े दिखाई देते हैं. उनके आसपास लोगों की भीड़ है. इसके बाद वीडियो खत्म हो जाता है. यहीं से सवाल शुरू होते हैं. क्या उस वक्त पंकज जिंदा थे? क्या उन्हें तुरंत मेडिकल मदद मिल सकती थी? क्या किसी ने CPR देने की कोशिश की? और सबसे बड़ा सवाल, क्या समय पर इलाज मिलता तो उनकी जान बच सकती थी? दिल्ली रेलवे पुलिस का कहना है कि मामला बेहद गंभीर है और हर पहलू की जांच की जा रही है. डीसीपी रेलवे बी. भारत रेड्डी का कहना था कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. पंकज को GTB अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 यानी गैर-इरादतन हत्या और धारा 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया. अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मारपीट में सीधे तौर पर कितने लोग शामिल थे और किसने क्या भूमिका निभाई.CCTV फुटेज, वायरल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान जांच का आधार बने हुए हैं. परिवार ने क्या कहा? पंकज धामा के परिवार का आरोप है कि मामले में लापरवाही हुई है. उनका कहना है कि अगर समय रहते सही मदद मिल जाती तो शायद पंकज की जान बच सकती थी. अब जांच में पुलिस यह भी देख रही है कि स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कैसी थी और घायल व्यक्ति को मेडिकल सहायता कितनी जल्दी उपलब्ध कराई गई.कहानी सिर्फ एक झगड़े की नहीं है. भारत के रेलवे स्टेशनों पर जनरल बोगी के बाहर धक्का-मुक्की कोई नई बात नहीं है. रोज होती है. लाखों लोग देखते हैं और आगे बढ़ जाते हैं. लेकिन शाहदरा स्टेशन का यह मामला बताता है कि कई बार एक मामूली बहस, कुछ सेकेंड का गुस्सा और भीड़ की मानसिकता मिलकर किसी की जान ले सकती है. फिलहाल 35 साल के पंकज धामा अब इस दुनिया में नहीं हैं. 8 लोग हिरासत में हैं. 52 सेकेंड का वीडियो जांच एजेंसियों के पास है.

महाराष्ट्र: छात्रों से मारपीट, युवती के पैर छूकर माफी मांगने पर किया मजबूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वसई. महाराष्ट्र के वसई में चार कॉलेज छात्रों की लात-घूंसों और क्रिकेट बैट से बेरहमी से पिटाई किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. इतना ही नहीं, आरोपियों ने छात्रों को एक युवती के पैर छूकर माफी मांगने के लिए भी मजबूर किया. हैरानी की बात यह है कि पूरी घटना का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी अपलोड किया गया. वीडियो में चारों छात्रों को बेहद अमानवीय तरीके से पीटते हुए देखा जा सकता है. मामूली विवाद के चलते हुई इस मारपीट ने इलाके में खलबली मचा दी है. मारपीट का शिकार हुए छात्रों की पहचान नायगांव निवासी सूरज श्रीकृष्ण रेवले, यश शशिकांत मिश्रा, विशाल हजारे और मयूर डांगे के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार 17 जून को सूरज रेवले अपने मित्र मयूर डांगे के साथ अमोल नगर स्थित एसआर फिटनेस जिम में व्यायाम कर रहा था. उसी दौरान मृदुला नाम की युवती भी वहां पहुंची. किसी बात को लेकर सूरज और मृदुला के बीच मामूली विवाद हो गया. उस समय मृदुला का मित्र आदित्य भी वहां मौजूद था और यहीं से विवाद की शुरुआत हुई. अगले दिन 18 जून की शाम करीब 7 बजे सूरज, मयूर, यश और विशाल अमोल नगर इलाके में क्रिकेट खेलने गए थे. पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच तभी आदित्य वहां पहुंचा और कथित तौर पर यह कहते हुए कि उसके पिता पुलिस में हैं, युवकों को धमकाया और गाली-गलौज कर वहां से चला गया. इसके बाद 19 जून को आदित्य ने सूरज और उसके दोस्तों यश मिश्रा, विशाल हजारे और मयूर डांगे को नायगांव के सी-वार्ड इलाके में बुलाया. आरोप है कि वहां आदित्य, मृदुला और उनके चार अन्य साथियों ने मिलकर चारों युवकों के साथ गाली-गलौज की, उन्हें धमकाया और लात-घूंसों व बैट से जमकर पीटा.

शिवसेना BT फूट की चर्चा के बीच डीके शिवकुमार की उद्धव ठाकरे संग मातोश्री में मीटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मुंबई, महाराष्ट्र में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से उनके आवास 'मातोश्री' पर मुलाकात की। शनिवार को हुई यह अहम बैठक शिवसेना में चल रही अंदरूनी कलह के बीच हुई, जब पार्टी के छह लोकसभा सांसदों ने संसदीय दल की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। डी. के. शिवकुमार के साथ बैठक के दौरान मातोश्री में उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे, युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे और सांसद संजय राउत मौजूद थे। शिवसेना ने X पर पोस्ट किया कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने आज मातोश्री में पार्टी नेता उद्धव साहब ठाकरे से मुलाकात की। इस मौके पर रश्मि ठाकरे, युवा सेना प्रमुख और शिवसेना नेता विधायक आदित्य ठाकरे और शिवसेना नेता सांसद संजय राउत मौजूद थे। शिवकुमार ने कहा कि दोनों नेताओं ने जनहित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने ङ्ग पर लिखा कि मुंबई में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के साथ-साथ सांसद श्री संजय राउत से मिलकर खुशी हुई। हमारी अच्छी बातचीत हुई और हमने जनहित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चाओं के बीच, शिवसेना के कई सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने का खतरा मंडरा रहा है। यह 2022 में हुई उस टूट की पुनरावृत्ति हो सकती है, जब पार्टी के नौ सांसद अलग हो गए थे। शिवकुमार और उद्धव ठाकरे की बैठक से कांग्रेस के साथ विलय की अटकलें भी तेज हो गईं। हालांकि, ठाकरे ने शिवसेना के स्थापना दिवस पर स्पष्ट किया कि पार्टी का कांग्रेस के साथ विलय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आपको लगता है कि शिवसेना कांग्रेस के साथ विलय कर लेगी, लेकिन ऐसा नहीं होगा।

हर्बल इलाज के नाम पर व्यापारी से ठगी, ठगों ने ऐंठे 56 लाख रुपये

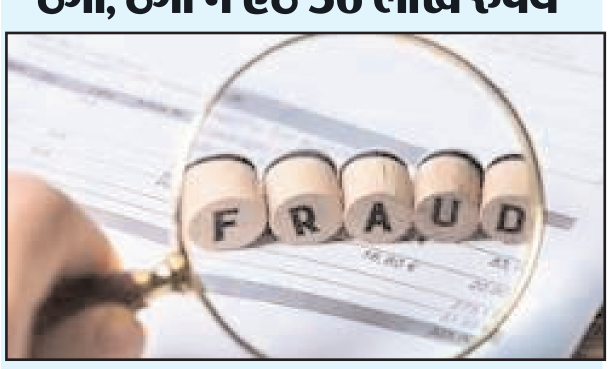

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां खुद को 'हीलर' (इलाज करने वाला) बताने वाले एक व्यक्ति और उसके साथी ने एक व्यापारी से 56.2 लाख रुपये की ठगी कर ली. ठगों ने व्यापारी से यह ठगी उसकी बीमारियों के लिए हर्बल इलाज देने के बहाने की. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी पिछले साल नवंबर से कूरियर के ज़रिए 75 वर्षीय पीड़ित को दवाइयां भेज रहे थे. लेकिन दवाइयां लेने के बाद भी पीड़ित की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ. कासरवडवली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में आरोपियों ने पीड़ित को शहर में घोड़बंदर रोड पर गाइमुख चौपाटी बुलाया और कथित तौर पर उसे कई तरह की जड़ी-बूटियों से बनी दवा जबरदस्ती खिलाई.

इलाज के नाम पर डराकर ऐंठे रुपये

इसके बाद आरोपियों ने दावा किया कि इलाज का खर्च 56 लाख रुपये है और पैसे न देने पर पीड़ित को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी. अधिकारी ने बताया कि उन्होंने यह भी धमकी दी कि पैसे वसूलने के लिए उसके घर पर लोग भेजे जाएंगे और बीमारी के दौरान ली गई उसकी तस्वीरें ऑनलाइन फैलाकर उसे बदनाम किया जाएगा. डर के कारण पीड़ित ने 20,000 रुपये नकद दिए और बाद में किश्तों में अलग-अलग रकम ट्रांसफर की, जो कुल मिलाकर 56.2 लाख रुपये थी. लेकिन आरोपी और पैसे मांगते रहे. अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत दर्ज किया है.

दिल्ली मेट्रो में चुनाव के दौरान नहीं दिखेंगे राजनीतिक विज्ञापन, HC का बैन हटाने से इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। चुनाव के दौरान दिल्ली मेट्रो में अब कोई राजनीतिक विज्ञापन नहीं दिखेगा. दिल्ली हाई कोर्ट ने इस बैन को हटाने से साफ इनकार कर दिया है. अदालत ने चुनाव आयोग के रोक लगाने वाले फैसले को बिल्कुल सही माना है. दिल्ली हाई कोर्ट का कहना है कि मेट्रो सीधे तौर पर सरकारी व्यवस्था से जुड़ी है. ऐसे में चुनावों को निष्पक्ष रखने के लिए यहां राजनीतिक प्रचार की इजाजत नहीं दी जा सकती. इस फैसले के बाद विज्ञापन एजेंसियों को बड़ा झटका लगा है, जो इस आदेश के खिलाफ अदालत पहुंची थीं. दरअसल, चुनाव आयोग ने सख्त निर्देश दिए थे कि आदर्श आचार संहिता के दौरान दिल्ली मेट्रो की संपत्ति पर कोई राजनीतिक विज्ञापन नहीं लगाया जाएगा. इस फैसले को विज्ञापन एजेंसियों ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी. एजेंसियों की दलील थी कि यह पाबंदी उनके मौलिक अधिकार का हनन है. हालांकि, हाई कोर्ट की खंडपीठ ने इन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया. अदालत ने दो टूक शब्दों में कहा कि आम जनता का हित और चुनाव की निष्पक्षता, किसी भी एजेंसी के मुनाफे से कहीं ज्यादा जरूरी है. सुनवाई के दौरान विज्ञापन एजेंसियों ने तर्क दिया था कि जब बस स्टैंड पर राजनीतिक विज्ञापन चल सकते हैं, तो मेट्रो में क्यों नहीं? इस पर हाई कोर्ट ने स्थिति एकदम साफ कर दी. कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सीधे तौर पर सरकार की पहचान और व्यवस्था से जुड़ी हुई है. इसे सड़क किनारे बने दूसरे सार्वजनिक स्थलों या बस स्टैंड के बराबर नहीं रखा जा सकता. दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (छ्रूक्रष्ट) ने भी कोर्ट में साफ किया कि एक सरकारी इकाई होने के नाते, वे चुनाव आयोग के नियमों को मानने के लिए पूरी तरह बाध्य हैं. अदालत में चुनाव आयोग ने अपने इस कदम का मजबूती से बचाव किया. आयोग ने बताया कि चुनाव के वक्त सभी राजनीतिक दलों को बराबरी का मौका मिल सके, इसीलिए यह रोक लगाई गई है. आयोग ने कोर्ट को जानकारी दी कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके ही यह निर्देश जारी किए गए थे, ताकि चुनाव के दौरान कोई भी दल सरकारी तंत्र का फायदा न उठा पाए. हाई कोर्ट ने भी माना कि स्वतंत्र चुनाव कराने के लिए आयोग का यह तरीका कानून के दायरे में बिल्कुल सही है

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एम्स दिल्ली के परिसर में दिखा भारी उत्साह, 4000 लोगों ने लिया सेहत का संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आज एम्स में आयोजित एक विशेष योग सत्र में काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। यह सत्र आज 21 जून रविवारकी सुबह 5:30 बजे से आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों के बीच योग और अच्छे स्वास्थ्य के संदेश को पहुंचाना था। इस सत्र में एम्स के डायरेक्टर, सीनियर डॉक्टर, फेकल्टी मेंबर, नर्सेस, मरीज और तीमारदारों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सेहतमंद जीवनशैली अपनाने पर दिया जोर

एम्स परिसर में सुबह से ही सभी लोग जुटना शुरू हो गए थे। स्वास्थ्य को लेकर संदेश देने वाले इस युग सत्र में मौजूद लोगों के साथ मिलकर डायरेक्टर ने विभिन्न योगासन किया और सेहतमंद जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।

एम्स दिल्ली में हुआ आयोजन

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आज इस विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया था। इस वर्ष योग दिवस की थीम Start Your Day with Yoga रखी गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूक करना था। इस खास कार्यक्रम के दौरान लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। आपको बता दें कि साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया और देखते ही देखते दुनिया के कई देश इस मुहिम में शामिल हो गए। आज भी दुनिया के ज्यादातर देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु, पीएम मोदी, उप राष्ट्रपति सहित देश के बड़े नेताओं ने आम लोगों के साथ योग किया।

राजनीतिक खरीद-फरोख्त और करोड़ों की सौदेबाजी, शिवसेना BT फूट की खबरों के बीच फिर जमकर बरसे संजय राउत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पार्टी के कुछ सांसदों की कथित बगावत को लेकर भाजपा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा निशाना साधा है। अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में राउत ने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने की चर्चा में रहे सांसदों का कदम किसी वैचारिक मतभेद का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ और सत्ता के दबाव का नतीजा है। 'सामना' में प्रकाशित लेख में राउत ने दावा किया कि सांसदों को पार्टी से अलग करने के लिए बड़े स्तर पर राजनीतिक खरीद-फरोख्त और करोड़ों की सौदेबाजी की गई। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों और क्षेत्रीय हितों के नाम पर दल-बदल को उचित ठहराने की कोशिश की जा रही है, जबकि इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना है। मीर जाफर, ब्रूटस, ज्युडास और क्विसलिंग से तुलना संजय राउत के अनुसार, शिवसेना के टिकट, कार्यकर्ताओं की मेहनत और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में मिले जनसमर्थन के आधार पर निर्वाचित हुए जनप्रतिनिधियों का पार्टी छोड़ना मतदाताओं के जनादेश के साथ विश्वासघात है। संजय राउत ने अपने लेख में दल-बदल की राजनीति की तुलना इतिहास के चर्चित विश्वासघातियों मीर जाफर, ब्रूटस, ज्युडास और क्विसलिंग से की। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक माहौल में दल-बदल और राजनीतिक निष्ठा बदलने की घटनाओं को 'बगावत' या 'क्रांति' के रूप में पेश किया जा रहा है, जबकि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक नैतिकता के विरुद्ध है। उनका कहना था कि विचारधारा और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता को छोड़कर सत्ता के समीकरणों के आधार पर निर्णय लेना लोकतंत्र को कमजोर करता है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि देश में आयाराम-गयाराम की राजनीति को बढ़ावा मिला है, जिससे राजनीतिक नैतिकता और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि सत्ता हासिल करने या बनाए रखने के लिए जनप्रतिनिधियों को तोड़ने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

'जनता नहीं भूलेगी विश्वासघात'

शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस और पार्टी संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के जन्मशताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए राउत ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि शिवसेना केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचार और संघर्ष की परंपरा है। राउत ने विश्वास जताया कि जनता ऐसे राजनीतिक व्यवहार का उचित समय पर जवाब देगी और जनादेश के साथ हुए कथित विश्वासघात को भूलेगी नहीं।

दिल्ली के कपल पर चाकू से अटैक, पत्नी की दर्दनाक मौत, पार्किंग विवाद का खौफनाक अंजाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में पार्किंग को लेकर एक ऐसा विवाद हुआ कि एक कपल पर जानलेवा हमल कर दिया गया और महिला की दर्दनाक मौत हो गई। इस वारदात में महिला का पति गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। 2-3 आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है, बाकियों की तलाश जारी है।

जेजे कॉलोनी में वारदात

पुलिस के मुताबिक द्वारका जिला के बिंदापुर थाना इलाके में शनिवार को दो-तीन लड़कों ने पति-पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। यह वारदात जेजे कॉलोनी सेक्टर 3 इलाके में हुई है। घायल दोनों लोगों को हरि नगर के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में ले जाया गया। वहां पर डॉक्टर ने आरती को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पति विक्की गंभीर रूप से घायल हैं। बाद में उन्हें सफदरजंग अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

पार्किंग को लेकर था विवाद

डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि विक्की और उनकी पत्नी आरती का पड़ोस में रहने वाले पप्पू और उनके नाबालिग पड़ोसियों के बीच में झगड़ा हुआ था। मोटरसाइकिल पार्क करने को लेकर विवाद चल रहा था। उसी को लेकर शनिवार को दोपहर में यह वारदात हुई है। मौके पर एफएसएल और क्राइम टीम को जांच के लिए बुलाया गया। जरूरी सबूत उठाए गए, इस मामले में मुख्य आरोपी पप्पू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उसके बाकी साथियों की तलाश की जा रही है।

'मम्मी, ओ मम्मी बचाओ...' बच्चा चीख रहा था, आवारा गाय दौड़ा-दौड़ाकर कुचलती रही,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

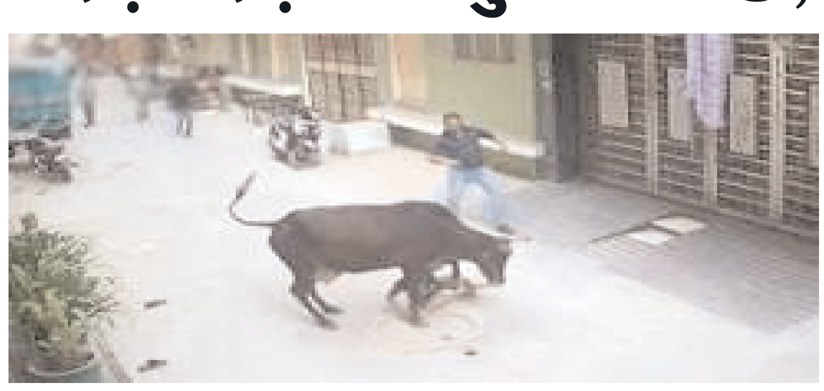

दिल्ली। तुगलकाबाद से जो वीडियो सामने आया है, वो दिल दहला देने वाला है. यहां एक गली में मासूम बच्चे की चीखें सुनाई दे रही हैं. वो लगातार चिल्लाता रहा, और एक गाय उसे दौड़ा-दौड़ाकर कुचलती रही. जब लोगों ने आवाज सुनी तो घर से बाहर निकले और बच्चे को गाय से बचाया. ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है. सड़कों और गलियों में घूमते आवारा पशु अक्सर किसी पर भी हमला कर देते हैं. राजधानी दिल्ली के तुगलकाबाद में जो घटना सामने आई है, वो झकझोर देने वाली है. एक बच्चे घर से बाहर निकला था. गली में घूमती आवारा गाय उस पर टूट पड़ती है. बच्चे की चीखों से गली गूंज जाती है. लोग घर से निकलते हैं और जैसे-तैसे बच्चे को बचाते हैं. इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है. दरअसल, ये पूरी घटना बीते 19 जून को तुगलकाबाद एक्सटेंशन के गली नंबर 10 में हुई है. वायरल वीडियो इसी जगह का है. इसमें नजर आ रहा है कि गली में सामान्य तरीके से लोग आते-जाते दिखते हैं. कुछ सेकेंड के बाद चीखने की आवाज सुनाई देती है. एक आवारा गाय बच्चे पर बुरी तरह हमला करती है. कुछ सेकेंड तक बच्चा खुद को बचाने की कोशिश करता रहा है और उठ-उठकर भागता है, लेकिन बेकाबू गाय उसे कुचलती रहती है. बच्चा बचाने की गुहार लगाता है, मम्मी-मम्मी चीखता है. उसकी चीख सुनकर लोग बाहर निकलते हैं, तब वे बचाने दौड़ते हैं. यह वायरल सीसीटीवी फुटेज दिल्ली के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र के तुगलकाबाद एक्सटेंशन का है. वीडियो में दिखता है कि एक व्यक्ति गाय के पास पहुंचता है, गाय उस पर भी अटैकिंग मोड में आ जाती है. जैसे-तैसे वो व्यक्ति बच्चे को उठाता है और गोद में लेकर दौड़ना शुरू कर देता है. कुछ दूर पहुंचने के बाद वो व्यक्ति लड़खड़ाकर गिर जाता है. गाय फिर भी उसका पीछा कर हमला करती है. इसी बीच गली में कुछ और लोग आ जाते हैं और गाय को भगाने की कोशिश करते हैं. गाय के हमले में बच्चा घायल हो गया है. बच्चा गली में खेल रहा था, तभी गाय ने उस पर हमला कर दिया. स्थानीय लोगों का कहना है कि आवारा पशुओं की संख्या लगातार क्षेत्र में बढ़ रही है, जिसकी वजह से इस तरीके की घटनाएं अक्सर देखने को मिलती हैं.

अहमदाबाद में जमीन हड़पने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा । मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी, जबलपुर द्वारा दिव्यांगजन अधिकारों एवं समावेशी न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शनिवार को 'दिव्यांगजन से संबंधित विषयों पर संवेदनशीलता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से जिला न्यायाधीश, विशेष लोक अभियोजक, अतिरिक्त लोक अभियोजक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिव एवं अन्य न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित थे । स्नेह के सचिव लायन विनयराज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल, अध्यक्षता मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक श्री उमेश पाण्डव, विशेष अतिथि मध्यप्रदेश राज्य दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया तथा न्यायिक अकादमी के अतिरिक्त निदेशक श्री सचिन शर्मा उपस्थित थे । इस अवसर पर अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से डॉ मारू ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक एवं मानवाधिकारों का विषय है। उन्होंने न्यायपालिका की संवेदनशील एवं सक्रिय भूमिका पर बल देते हुए कहा कि न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना प्रत्येक न्यायिक अधिकारी का दायित्व है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अर्हम भावना योग एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जैन मिलन मकरोनिया, महिला जैन नेहा नगर के संयुक्त तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन महावीर जिनालय, नेहानगर,मकरोनिया में 21 जून 2026 संपन्न हुआ विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अतिवीर अरुण चंदेरिया, अध्यक्षता वीर दिनेश जैन करापुर ने की, हमारी संस्कृति योग की संस्कृति है, इस विषय पर वीर जिनेश जैन वहरोल, वीर संजय जैन शक्कर, वीर प्रमोद जैन भाईजी वीर डालचंद जैन, वीर अरविंद जैन, वीरांगना अनीता जैन वीरांगना मनीषा जैन ने अपने विचार रखें सभी ने योग का महत्व और इस कार्यक्रम को प्रेरणादायक योग शिविर एवं सकारात्मक सोच का आयोजन माना । कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना तथा योग के प्रति जनजागरण करना था। योग प्रशिक्षक श्रीमती सुनीता जैन एवं कुमारी अंशिका जैन द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित वीर एवं वीरांगनाओं को विभिन्न योगासन,प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास कराया और नियमित योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी, कार्यक्रम का संचालन संयोजक वीर प्रवीण सिंघई, संरक्षिका किरण जी, कोषाध्यक्ष स्मिता जी, मंत्री रुचि सेठ, वीरांगना मंजू, वीरांगना रजन वीरांगना पीयूष जैनसहित शाखा की अनेक वीरांगनाएँ एवं सदस्य उत्साहपूर्वक उपस्थित रहें और योगाभ्यास में सक्रिय सहभागिता निभाई।

माहेश्वरी समाज नागदा द्वारा उज्जैन जिला स्तरीय मेधावी छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। माहेश्वरी समाज नागदा के तत्वावधान में समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी महोत्सव 2026 के अंतर्गत उज्जैन जिला स्तरीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन स्नेहकुंज गार्डन, नागदा में किया गया। समारोह में उज्जैन जिले के विभिन्न नगरों से आए प्रतिभाशाली एवं मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रतलाम विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गोविंद काकाणी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्णिमा सिंघी, देवास माहेश्वरी समाज जिलाध्यक्ष कैलाश डागा एवं उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन एवं समाज सेवा के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समाज की गौरवशाली परंपरा है, जो नई पीढ़ी को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है इस अवसर पर माहेश्वरी समाज नागदा बंसीलाल राठी, देवकरण डांगरा, जगदीशचंद्र भूतड़ा, सतीश बजाज,नरेन्द्र राठी, सुभाष गगरानी, प्रशांत राठी, उज्जैन माहेश्वरी महिला संगठन की निवर्तमान जिलाध्यक्ष सीमा मालपानी, झंवर, अंजू आगीवाल, प्रियंका राठी, उर्मिला डांगरा, सीमा राठी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

बीजेपी ने की दो-तिहाई बहुमत की जुगाड़, लोकसभा में पास होगा परिसीमन बिल !

–टूट की सियासी घटना ने एनडीए सरकार के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुंचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी दलों में लगातार हो रही टूट की सियासी घटना ने केंद्र की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। सरकार में यह भरोसा बढ़ रहा है कि अगले महीने शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र तक वे संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरुरी दो-तिहाई बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल कर लेंगे। एक रिपोर्ट में एक केंद्रीय मंत्री के हवाले से बताया गया है कि हमें पूरा भरोसा है कि मॉनसून सत्र तक हम महिला आरक्षण को लोकसभा और विधानसभा सीटों के नए परिसीमन से जोड़ने वाले संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी संख्या बल जुटा लेंगे।

केंद्र सरकार दो बेहद अहम संविधान संशोधन विधेयकों को संसद से हरी झंडी दिखाने की तैयारी में है, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। महिला आरक्षण और परिसीमन। इस कानून के जरिए देश में महिला आरक्षण को लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और सीमाओं को दोबारा तय करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। बीजेपी साल 2029 के आम चुनाव से काफी पहले पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का कानून बनाना चाहती है। बीजेपी रणनीतिकारों का मानना है कि एक साथ चुनाव होने से पार्टी को राज्य चुनावों में भी राष्ट्रीय मुद्दों जैसे सुरक्षा, संप्रभुता और राष्ट्रीय गौरव पर वोट मांगने का सीधा लाभ मिलेगा।

बता दें 540 की प्रभावी संख्या वाली वर्तमान लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 वोटों की जरुरत है। लोकसभा में एनडीए की वर्तमान ताकत 293 है। तृणमूल कांग्रेस के 28 में से 20 बागी सांसदों के जुड़ने की उम्मीद है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 बागी सांसदों के आने की संभावना है। इन दोनों को मिलाकर यह आंकड़ा 319 तक पहुंच जाता है, जो अभी भी 360 के लक्ष्य से दूर है। हालांकि बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने बताया है कि वह इस बात से पूरी तरह आश्वस्त हैं कि 37 लोकसभा सांसदों वाली समाजवादी पार्टी समेत कई अन्य विपक्षी दल अगले कुछ हफ्तों में बड़ी बगावत का स्वाद चखने वाले हैं। बीजेपी के एक सूत्र ने कहा कि अगले कुछ हफ्तों में कई विपक्षी दलों के भीतर ऐसे राजनीतिक भूकंप आने वाले हैं, जो उन्हें अंदर से पूरी तरह खोखला कर देंगे।

विपक्ष को डर है कि पूरे देश में होने वाला यह नया परिसीमन बीजेपी को एक स्थायी संरचनात्मक लाभ दे सकता है। विपक्षी दल असम में हुए परिसीमन का उदाहरण देते हैं, जहां कुछ खास आबादी वाले क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह बदला जिससे विपक्ष की पारंपरिक सीटों का गणित बिगड़ गया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी नेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों को मनमाने ढंग से बदलने का आरोप लगाया था। हालांकि, सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। सरकार का तर्क है कि 1971 की जनगणना के बाद से आबादी में भारी बढ़ोतरी के बावजूद सीटें नहीं बढ़ाई गई हैं, इसलिए यह सुधार अब अपरिहार्य हो चुका है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्षी दलों को तोड़ना और देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने वाले ऐतिहासिक कानूनों को पारित कराना पीएम मोदी की उस विरासत का हिस्सा है, जिसे वे देश के सामने छोड़ना चाहते हैं।

अकासा एयर फ्लाइट को मिली बम की धमकी से हड़कंप

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब अकासा एयर की एक उड़ान में बम होने की धमकी से जुड़े तीन हस्तलिखित नोट बरामद हुए। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की विस्तृत जांच के बाद विमान में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली और धमकी को झूठा करार दिया गया। जानकारी के अनुसार, अकासा एयर की फ्लाइट संख्या क्यूपी-1121 मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। विमान के सुरक्षित लैंड करने और यात्रियों के उतरने के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत नियमित एंटी-सबोटेज जांच की जा रही थी। इसी दौरान विमान के अंदर तीन हस्तलिखित नोट मिले, जिनमें बम होने की धमकी दी गई थी। धमकी भरे नोट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया तथा पूरे विमान की गहन तलाशी ली गई। इसके साथ ही बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी की आपात बैठक भी बुलाई गई। सुरक्षा एजेंसियों ने सभी पहलुओं की जांच करने के बाद पाया कि विमान में कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु मौजूद नहीं थी। कमेटी ने इस धमकी को अफवाह और शरारतपूर्ण हरकत करार दिया। घटना के बाद श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस दौरान हवाई सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा और अन्य उड़ानों का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा। यात्रियों को भी किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। जांच पूरी होने और विमान को सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद उसे आगे की उड़ान के लिए अनुमति दे दी गई। इसके बाद वही विमान फ्लाइट संख्या क्यूपी-1122 के रूप में अपनी अगली यात्रा पर रवाना हुआ। इस मामले में अकासा एयर ने स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब विमान में धमकी भरे नोट छोड़ने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने में जुटी है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की धमकी को गंभीरता से लिया जाता है और ऐसी घटनाओं में कड़ी कार्रवाई की जाती है।

समंदर में बढ़ी भारत की ताकत, नौसेना में शामिल हुए तीन स्वदेशी युद्धपोत

–पीएम मोदी बोले– भारत अब केवल हथियारों का खरीदार नहीं, बल्कि आधुनिक रक्षा उपकरणों का निर्यातक भी बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत को और मजबूत करते हुए रविवार को तीन स्वदेशी युद्धपोतों को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय तथा सर्वे वेसेल लार्ज आईएनएस संशोधक का औपचारिक रूप से कमीशन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का खरीदार देश नहीं रहा, बल्कि आधुनिक हथियारों और सैन्य तकनीक का निर्माण कर अन्य देशों को निर्यात भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21 जून को विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस भी मनाया जाता है और इसी दिन भारत के सबसे आधुनिक हाइड्रोग्राफी जहाज आईएनएस संशोधक का नौसेना में शामिल होना एक महत्वपूर्ण संयोग है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक शक्ति उसके समुद्री सामर्थ्य पर निर्भर करती है और भारत इस वास्तविकता को भली-भांति समझता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की यात्रा केवल नए युद्धपोतों के निर्माण की नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरी और आईएनएस संशोधक इस अभियान को नई गति प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने शिपबिल्डिंग क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार घरेलू निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और एमआरओ को राष्ट्रीय मिशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे देश की औद्योगिक क्षमता और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा समुद्र को सहयोग और शांति का माध्यम माना है, लेकिन शांति की रक्षा के लिए सामर्थ्य और सुरक्षा भी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में समुद्री क्षेत्र लाखों युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा स्रोत बनेगा और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जम्मू-कश्मीर में हिजाब और बुर्के में मुस्लिम लड़कियों ने किया योग

–युवाओं ने पानी के अंदर किया योग, एलजी सिन्हा ने दी शुभकामनाएं

जम्मू (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में योग को लेकर उत्साह देखने को मिला। देश और दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास किया। इस साल योग दिवस की थीम है स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग। इस आयोजन की खास बात यह रही कि मुस्लिम लड़कियों ने बुर्के और हिजाब में योग किया। बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य से जुड़ी आधुनिक चुनौतियों के बीच, योग उम्मीद की एक मजबूत किरण है। योग दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने शुभकामनाएं दीं। जम्मू-कश्मीर में इंटरनेशनल डे ऑफ़ योगा के मौके पर समाज के हर वर्ग के हज़ारों लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें सरकारी अधिकारी, पैरामिलिट्री फ़ोर्स के जवान, सैनिक और स्कूली बच्चे शामिल थे।

श्रीनगर में एलजी मनोज सिन्हा ने डल झील के किनारे शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में बड़ी संख्या में योग करने वालों की अगुवाई की। श्रीनगर में योग करने आई एक युवती ने कहा कि योग के कई फायदे हैं। यह सेहत और समग्र कल्याण के लिए बहुत अच्छा है। हम स्कूल में रोज योग का अभ्यास करते हैं। एक और युवती ने कहा कि योग हमारे लिए काफी अहम है। योग करने से लोगों को आंतरिक बीमारियां कम होती हैं। इससे लोग काफी स्वस्थ रहते हैं।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर योग दिवस मनाया गया। श्रीनगर एयरपोर्ट की ओर से एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी दी गई कि श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। सुबह 6:45 बजे एयरपोर्ट के अधिकारी, स्टाफ और स्टेकहोल्डर्स श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक योग सत्र में हिस्सा लिया। बीजेपी सांसद जुगल किशोर शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज दुनिया भर में लोग योग कर रहे हैं। बीजेपी नेता रविंदर रैना ने कहा कि आज पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया से योग अपनाने का आह्वान किया था और हर व्यक्ति से इसे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करने का आग्रह किया था।

जम्मू में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ पानी के अंदर योग सत्र आयोजित किया। प्रतिभागियों ने तैराकी कौशल के साथ वेलनेस को जोड़ते हुए पानी के अंदर योग का अभ्यास किया। श्रीनगर में योग करने आए एक शख्स ने कहा कि योग के कई फायदे हैं। मैं पिछले दो सालों से इसका अभ्यास कर रहा हूं। इससे हमारे फेफड़े स्वस्थ रहते हैं और यह हमें नशे से दूर रहने में मदद करता है।

जम्मू-कश्मीर में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखा। जम्मू में युवाओं की भागीदारी के साथ एक अनोखे अंडरवॉटर योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस विशेष कार्यक्रम में युवाओं ने पानी के भीतर योगाभ्यास कर फिटनेस, मानसिक संतुलन और तैराकी कौशल का अनूठा संगम प्रस्तुत किया।

असफल होने के डर से मैं आत्महत्या कर रहा हूं, अम्मा, अप्पा...मुझे माफ कर देना

नीट की दोबारा परीक्षा में असफल होने के डर से दो अभ्यार्थियों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा से ठीक एक दिन पहले तेलंगाना के हैदराबाद और तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले से दो अलग-अलग छात्रों के सुसाइड का मामला सामने आया है। हैदराबाद में 19 साल की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। वहीं, तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के होसुर में एक 20 साल के छात्र ने परीक्षा के अत्यधिक दबाव और असफल होने के डर से आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक भावुक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें छात्र ने लिखा है कि नीट के डर से उसे पिछले एक महीने से नींद नहीं आ रही थी और इस बार भी असफल होने के डर से वह यह आत्मघाती कदम उठा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक वेट्रियानंथम लगातार तीन सालों से नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पिछले प्रयासों में असफलताओं का सामना करने के बाद, वह अत्यधिक दबाव में था और रविवार को होने वाली परीक्षा में फिर से असफल होने से डर रहा था। शनिवार को जब उसके पिता काम पर गए थे और उनकी मां पास दुकान पर सामान लेने गई थीं, तब वेट्रियानंथम ने घर की छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। छात्र ने सुसाइड नोट में लिखा- नीट के डर से उसे नींद नहीं आ रही थी और इस बार भी असफल होने के डर से मैं यह आत्मघाती कदम उठा रहा हूं। अम्मा, अप्पा, अन्ना...मुझे माफ कर देना।

इस सुसाइड नोट में उसने अपने परिवार के प्रति गहरा प्रेम व्यक्त किया और कहा कि ऐसे माता-पिता और भाई पाकर वे खुद को भाग्यशाली मानता हैं। मृतक की पहचान सी वेट्रियानंथम के रूप में हुई है। वह एक निजी कारखाने में काम करने वाले चिन्नसामी का छोटा बेटा था और होसुर के बागुलुर रोड स्थित तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

वहीं तेलंगाना के हैदराबाद से भी ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां मियापुर इलाके में एक 19 साल की नीट परीक्षा के छात्रा ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि मियापुर के एक अपार्टमेंट में अपनी बहनों के साथ रह रही छात्रा शनिवार को फांसी पर लटकी मिली। जांच में पुलिस को मृतक द्वारा लिखा नोट मिला, जिसमें उसने कहा था कि उसकी मौत के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है। शुरूआती जांच में पुलिस को शक है कि छात्रा ने रविवार को होने वाली नीट की दोबारा परीक्षा के दबाव के कारण यह आत्मघाती कदम उठाया होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 22 जून को राजनांदगांव जिले के प्रवास पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 22 जून 2026 को राजनांदगांव जिले के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 22 जून को सुबह 11.40 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.10 बजे हेलीपेड पीटीएस राजनांदगांव पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय दोपहर 12.15 बजे हेलीपेड पीटीएस राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.20 बजे स्टेट हाई स्कूल राजनांदगांव पहुंचकर प्रगतिशील किसान सम्मेलन एवं लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1.50 बजे स्टेट हाई स्कूल राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचेंगे एवं समय आरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री दोपहर 2.30 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2.40 बजे हेलीपेड पीटीएस राजनांदगांव पहुचेंगे और दोपहर 2.45 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा पुलिस ग्राऊण्ड हेलीपेड रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

भाजपा की डबल इंजन सरकार बुंदेलखंड का प्राचीन गौरव वापस दिलाने को प्रतिबद्ध- योगी आदित्यनाथ

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है की केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार बुंदेलखंड को उसका प्राचीन गौरव वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है. सरकार की परियोजनाएँ अब इस पिछड़े क्षेत्र को बदहाली और बेरोजगारी से उबार कर विकास के कीर्तिमान तय करते हुए समृद्ध व सशक्त बना रही है.

महोबा के मोदी ग्राउंड मे रविवार को 697 करोड़ की 88 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा की बुंदेलखंड को माफिया ने अपनी जागीर बना लिया था. पूर्ववर्ती नकारात्मक और बीमार मानसिकता की सरकारों का संरक्षण पाकर यहां भू माफिया, खनन माफिया, जंगल माफिया आदि सक्रिय रहते हुए इलाके को खोखला कर रहे थे. भाजपा सरकार ने क्षेत्र को माफिया से न सिर्फ मुक्त कराया बल्कि सुरक्षा और सुशासन स्थापित कर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है.बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर विकसित किया जा रहा ओद्योगिक गलियारा , डिफेन्स कारिडोर मे रक्षा उपकरणो का उत्पादन ,बीडा के माध्यम से नए शहर को विकसित करके इसकी तस्वीर बदल रही है. बुंदेलखंड की आयुध निर्माण मे प्रगति मिसाल कायम कर रही है.आगे चल कर यह यूपी मे विकास का रोल माडल साबित होगा.

मुख्यमंत्री ने कहा की बुंदेलखंड की समस्याओ के समाधान हेतु सरकार के प्रयास जारी है.हर घर जल योजना से यहां पानी की बड़ी समस्या को निस्तारित कर लिया गया है.महिलाओ को अब घड़े लेकर पानी की तलाश मे भटकना नहीं पड़ता. अर्जुन सहायक परियोजना हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई कर रही है.जिससे अन्नदाता खुशहाल हुआ है.बुंदेलखंड के जल संकट का स्थाई समाधान यहां मौजूद सरोवरो और जलाशयों मे है.जिनमे पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने और आने वाली पीढ़ी को शुद्ध पेयजल के लिए जल संरक्षण कार्यो को यहां प्रमुखता से संचालित कराया जाएगा.उन्होंने कहा की कभी अराजकता की पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश अब बदल चूका है और प्रगति के नित्य नए सोपान तय कर रहा है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा की वीरभाव के लिए देश विदेश मे विख्यात, चंदेलकालीन महोबा नगर को ऊर्जा के केंद्र के रूप मे जाना जाता है. यहां की चंदेल रियासत के महान योद्धाओ आल्हा और ऊदल के शौर्य व साहस की कहानी जग विख्यात है. प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक और पुरातत्विक दृस्टि से समृद्ध महोबा को पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित करने की दिशा मे कदम बढ़ाये है.कजली मेले के अवसर पर महोबा मे एक सप्ताह का महोत्सव आयोजित करके स्थानीय लोक कलाओ एवं संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास किये जा रहे है. तो इस क्रम मे नाथ संप्रदाय के महान संत गोरखनाथ की साधना स्थली गोरखगिरी मे 12 करोड़ से अधिक धनराशि से विकास कार्य पूरे करके उसे प्रमुख पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित किया गया है. प्राकृतिक सुषमा से परिपूर्ण गोरखगिरी पहाड़ी मे रोप वे की स्थापना और वहाँ एडवेंचर टूरीज्म के रूप मे विकसित करने की योजना है.जिससे पर्यटन को बढ़ाया जा सके.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोबा मे अपने ढाई घंटे के प्रवास दौरान योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम मे सरकार की विभिन्न योजनाओं के कोई डेढ़ दर्जन लाभार्थियों को मंच मे सम्मानित किया. इसके पहले वह एक किलो मीटर का रास्ता पैदल तय करके गोरखगिरी पहाड़ी पर भी गए. जहाँ उन्होंने सिद्धश्वर महादेव मंदिर व गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली मे पूजा अर्चना भी की. मुख्यमंत्री ने गोरख पहाड़ी मे पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यो का सघन तरीके से निरीक्षण किया.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
22 जून 2026

एलएंडटी समूह की एआई अवसंरचना क्षेत्र में नई पहल

मुंबई

अभियांत्रिकी और निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंप्यूट अवसंरचना के क्षेत्र में अपनी पैठ बना रही है। कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक व्योम.एआई लिमिटेड ने इस नई पहल के तहत एलटीएन कंप्यूट प्राइवेट लिमिटेड (एलटीएनसीपीएल) नामक एक नई कंपनी का गठन किया है। रविवार को शेयर बाजारों को दी गई जानकारी के अनुसार एलटीएनसीपीएल का निगमन 20 जून, 2024 को हुआ है। यह नवगठित कंपनी विशेष रूप से एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने और प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएं देने पर केंद्रित होगी। यह कदम एलएंडटी समूह की तेजी से बढ़ते एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे कंपनी को भविष्योन्मुखी तकनीकी समाधानों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी।

श्री रेफ्रिजरेशंस ने रक्षा, समुद्री क्षेत्र के लिए महाराष्ट्र में नई विनिर्माण इकाई शुरू की

मुंबई

रक्षा और समुद्री क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन (एचवीएसी-आर) प्रणाली बनाने वाली कंपनी श्री रेफ्रिजरेशंस ने महाराष्ट्र के कराड में अपनी नई विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया। भारतीय नौसेना के चीफ ऑफ मैटेरियल वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार ने 6 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली इस अत्याधुनिक सुविधा का अनावरण किया, जो देश के रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करेगी। इस इकाई में रोबोटिक वेल्डिंग, लेजर कटिंग और बेंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं स्थापित हैं, साथ ही शॉट ब्लास्टिंग और पेंटिंग जैसी प्रक्रियाएं भी एकीकृत हैं। इस विस्तार से कंपनी की विनिर्माण क्षमता में 50,000 वर्ग फुट की वृद्धि हुई है, भविष्य में और विस्तार की संभावना है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आर. जी. शेंडे ने कहा कि यह नई इकाई मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

निफ्टी 24,000 के पार, अब 24,500 पर टिकी नजरें, क्या आएगी नई रिकॉर्ड ऊंचाई?

मुंबई

पिछले हफ्ते निफ्टी ने 1.65 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 24,000 अंक के करीब बंद होकर निवेशकों को उत्साहित किया। हालांकि, हफ्ते के अंत में हुई मुनाफावसूली ने तेजी पर कुछ लगाम लगाई। विश्लेषक मौजूदा बाजार को एक दायरे में देखते हुए महत्वपूर्ण स्तरों पर नजर बनाए हुए हैं, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सप्ताह निफ्टी ने जबरदस्त गैप-अप ओपनिंग के साथ मजबूत शुरुआत की और अपनी बढ़त पूरे हफ्ते बरकरार रखी। सूचकांक पहली बार अपने 100-दिवसीय ईएमए (एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज) के ऊपर बंद हुआ, जो बाजार में बेहतर होते सेंटीमेंट का संकेत था। हालांकि, शुक्रवार को हुई गैप-डाउन ओपनिंग और मुनाफावसूली ने तेजी की रफ्तार को कुछ हद तक धीमा कर दिया। फिलहाल, निफ्टी 50 एक दायरे में बना हुआ है, जहां न तो बुल्स और न ही बेयर्स का साफ तौर पर दबदबा दिख रहा है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। एसबीआई सिक्योरिटीज में टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च के एक अ धिकारी के अनुसार निफ्टी के लिए 24,200 के ऊपर लगातार टिके रहना 24,500 की ओर रैली का रास्ता खोल सकता है। वहीं, अगर यह 23,800 के नीचे जाता है, तो 23,500 का स्तर दिख सकता है।

डिविडेंड बंपर- जून के अंतिम सप्ताह में 31 कंपनियां बांटेंगी लाभांश

नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए जून 2026 का अंतिम सप्ताह वित्तीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान देश की 31 प्रमुख कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का लाभ देने जा रही हैं, जो उनके मुनाफे का एक हिस्सा होता है। यह लाभांश निवेशकों के लिए अतिरिक्त आय का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी नज़र नियमित आय वाले शेयरों पर रहती है। सप्ताह की शुरुआत 22 जून से होगी, जब पैनासोनिक कार्बन इंडिया (12 रुपए), संगम इंडिया (2 रुपए) और डीएमआर इंजीनियरिंग (0.14 रुपए) डिविडेंड प्रदान करेंगी। इसके बाद 23 जून को एशियन पेंट्स (23 रुपए) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (22 रुपए) समेत कई दिग्गज एक्स-डिविडेंड होंगी, जिनमें थायरोकेयर, टाटा पावर भी शामिल हैं। 24 जून को व्हील्स इंडिया और शंकरा बिल्डप्रो का नंबर है। 25 जून सबसे व्यस्त दिन रहेगा, जब 17 कंपनियां लाभांश के लिए एक्स-डेट पर होंगी। इनमें सुप्रीम इंडस्ट्रीज (25 रुपए) और भारतीय जीवन बीमा निगम (10 रुपए) प्रमुख हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डिविडेंड का लाभ पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तिथि से पहले शेयर खरीदना अनिवार्य है। भारतीय शेयर बाजार में लागू टी प्लस वन सेटलमेंट व्यवस्था के चलते ये तिथियां अक्सर करीब होती हैं, अतः समय पर निवेश ही डिविडेंड से लाभ कमाने की कुंजी है।

केंद्र सरकार ने 16 एफडीसी दवाओं पर लगाया स्थयी प्र तिबंध

नई दिल्ली

देश में दवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह रोक रहेगी। सरकार का कहना है कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं पाया गया और इनके इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते थे। वर्ष 2021 में शुरू हुई गहन जांच प्रक्रिया के बाद विशेषज्ञ उप-समिति ने विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों और क्लीनिकल डेटा की समीक्षा की। दवा कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। विस्तृत परीक्षण और विचार-विमर्श के बाद समिति ने प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की, जिसे ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी समर्थन दिया। प्रतिबंधित दवाओं में त्वचा संबंधी उत्पादों में उपयोग होने वाले कई कॉम्बिनेशन, जैसे एलो एक्सट्रैक्ट और विटामिन-ए के मिश्रण शामिल हैं, जिनके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अमॉक्सिसिलिन और सेराटियोपेप्टिडेज जैसे कई एंटीबायोटिक कॉम्बिनेशन भी इसकी जद में आए हैं, जिन्हें पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाणों के बिना बेचा जा रहा था। पेट दर्द और ऐंठन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कुछ अतार्किक मिश्रणों को भी अनुपयोगी पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि दवाओं के जिम्मेदार और वैज्ञानिक उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। यह कदम जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रमाण है।

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का आंकड़ा

मुंबई

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए।

हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया।

सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया।

सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया।

मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया।

बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी।

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से जून में 31,105 करोड़ निकाले

इक्विटी से 60,471 करोड़ निकाले, बॉन्ड बाजार में 30,913 करोड़ का निवेश

मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून महीने में भी भारतीय पूंजी बाजार से निकासी जारी रखे हुए हैं। जून के पहले तीन हफ्तों में एफपीआई ने कुल 31,105 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह लगातार चौथा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसे निकाल रहे हैं, हालांकि इस बार उनकी रणनीति में बदलाव देखा गया है, जहां इक्विटी से बिकवाली हुई है वहीं बॉन्ड बाजार में निवेश बढ़ा है। एफपीआई की इस निकासी का सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। जून में अब तक उन्होंने शेयरों से 60,471 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। इक्विटी के अलावा, विदेशी निवेशकों ने म्यूचुअल फंड से 128 करोड़ रुपये और हाइब्रिड निवेश साधनों से 1,419 करोड़ रुपये भी निकाले हैं। इसके विपरीत डेट यानी बॉन्ड बाजार में एफपीआई का रुझान सकारात्मक रहा है।

फोनपे का फैसला, निष्क्रिय वॉलेट रखने पर अब चुकाना होगा चार्ज

365 दिन तक वॉलेट का इस्तेमाल न करने पर हर तिमाही कटेंगे 100 रुपए

नई दिल्ली

डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफॉर्म फोनपे ने अपने करोड़ों यूजर्स के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अगर कोई यूजर अपने फोनपे वॉलेट का लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करता है, तो उसे इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज देना होगा। यह शुल्क 100 रुपये (जीएसटी सहित) प्रति तिमाही उन वॉलेट्स से कटेगा जो लगातार 365 दिनों तक निष्क्रिय रहेंगे। फोनपे की नई नीति के तहत, यदि कोई यूजर लगातार 365 दिनों तक अपने वॉलेट के जरिए कोई भी वित्तीय लेनदेन नहीं करता है, तो उसके वॉलेट को निष्क्रिय मान लिया जाएगा। इसके बाद हर तिमाही 100 रुपये का इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज वसूला जाएगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि केवलफोनपे ऐप खोलना, यूपीआई लेनदेन करना, या ऐप के भीतर अन्य भुगतान (जैसे रिचार्ज, बिल भुगतान) करना वॉलेट एक्टिविटी नहीं माने जाएंगे। वॉलेट को सक्रिय बनाए रखने के लिए यूजर्स को सीधे अपने फोनपे वॉलेट के माध्यम से ही लेनदेन करना होगा। शुल्क लगाने से पहले यूजर्स को 15 दिन का नोटिस भेजा जाएगा। इस नोटिस अवधि के दौरान वॉलेट से कोई लेनदेन करके इस फीस से बचा जा सकता है, जिसके बाद वॉलेट सक्रिय हो जाएगा। निष्क्रियता शुल्क काटने के लिए, पर्याप्त फंड होने पर 100 रुपये काटे जाएंगे; कम होने पर उपलब्ध राशि काटकर शेष शून्य कर दिया जाएगा, जिससे कोई नकारात्मक बैलेंस नहीं बनेगा। यह बदलाव बड़ी संख्या में फोनपे वॉलेट यूजर्स को प्रभावित करेगा।

भू-राजनीति, मानसून और आर्थिक आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबइ

घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह की गिरावट से उबरने की कोशिश में इस हफ्ते कई महत्वपूर्ण वैश्विक और घरेलू कारकों पर पैनी नजर रखेंगे। निवेशकों के लिए जहां भू-राजनीतिक स्थिरता अहम होगी, वहीं देश के भीतर मानसून की प्रगति और प्रमुख आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे। विशेष रूप से अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते के क्रियान्वयन में होने वाली प्रगति पर बाजार की गहरी निगाहें टिकी रहेंगी। यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार के लिए सुचारु रूप से खुलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति और भू-राजनीतिक स्थिरता पर इसका सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा, जो शेयर बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक हो सकता है। वैश्विक परिदृश्य के साथ ही घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।कृषि-आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर मानसून ग्रामीण मांग और कॉर्पोरेट आय को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, देश के आठ महत्वपूर्ण कोर उद्योगों के आंकड़े भी जारी होंगे, जो अर्थव्यवस्था की सेहत का संकेत देंगे और बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। इन सभी कारकों का समग्र प्रभाव आगामी सप्ताह में बाजार की दिशा तय करेगा।

बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि बाजार की नजर मई महीने के थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) और रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)के मिनट्स पर टिकी हुई है, ताकि भविष्य की ब्याज दरों का अनुमान लगाया जा सके। विदेशी निवेशकों के रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से बाजार में तरलता तय हो रही है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार की धारणा पर पड़ सकता है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित रुझान, सरसों नरम, सोयाबीन-पाम मजबूत

आयातित तेलों का दबाव; मांग-आवक के संतुलन व किसानों के रुख से तय हुए भाव

नई दिल्ली

बीते सप्ताह घरेलू खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। राष्ट्रीय राजधानी में जहां सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन, पाम और बिनौला तेलों के दाम मजबूत हुए। बाजार में आयातित खाद्य तेलों की उपलब्धता और लिवाली के रुझान ने कीमतों को प्रभावित किया।ऊंची कीमतों पर कम पूछताछ और आयातित खाद्य तेलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते राष्ट्रीय राजधानी में सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसानों और स्टॉकिस्टों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने के बावजूद लिवाली सुस्त बनी रही। दूसरी ओर, सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। पिछले 20-22 दिनों में आई कीमतों की कमी के बाद किसानों ने निचले स्तर पर बिकवालीघटा दी। परिणामस्वरूप, महाराष्ट्र के लातूर जैसे बाजारों में प्लांट मालिकों ने सोयाबीन की खरीद दर 80 रुपये बढ़ाकर करीब 7,440 रुपये प्रति क्विंटल कर दी, जिससे कम आवक और बढ़ती मांग ने कीमतों को सहारा दिया।

औद्योगिक मांग बढ़ने से पाम-पामोलीन तेल की कीमतों में भी तेजी दिखी।

बाजार में बिनौले की उपलब्धता नगण्य रहने से बिनौला तेल भी मजबूत हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर रहे, क्योंकि यह आयातित सूरजमुखी तेल से 10-12 रुपये प्रति किलो सस्ता होने के कारण लगातार मांग में बना रहा। हालांकि, इनकी औद्योगिक मांग का एक हिस्सा अपेक्षाकृत सस्ते पाम-पामोलीन तेल से भी पूरा किया गया।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,625-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,480-2,780 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 15,425 रुपये प्रति क्विंटल ।

ग्रेट निकोबार परियोजना देश की आर्थिक रीढ़ बनेगी, विरोधियों पर बरसे रीजीजू

केंद्रीय मंत्री ने परियोजना को आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता का केंद्र बताया

श्री विजय पुरम (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में ग्रेट निकोबार परियोजना को भारत की आर्थिक वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में आत्मनिर्भरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने परियोजना के विरोधियों पर तीखा हमला बोला, आरोप लगाया कि वे देश की प्रगति नहीं देखना चाहते। रीजीजू ने कहा कि यह परियोजना देश की आर्थिक वृद्धि का केंद्रबिंदु बनेगी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख समुद्री एवं लॉजिस्टिक केंद्र के रूप में उभरेगी। उन्होंने जोर दिया कि परियोजना आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधते हुए सभी नियमों व मानकों का पालन कर रही है। मंत्री ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग भारत की प्रगति नहीं देखना चाहते। उन्होंने पिछली यात्राओं के दौरान परियोजना के खिलाफ नाटक और अभियान चलाने की आलोचना की। रीजीजू ने झूठे विमर्शों के बजाय मिलकर देश के विकास पर जोर दिया। केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रीजीजू ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद भारत ने ईंधन कीमतों में वृद्धि को लगभग पांच प्रतिशत तक सीमित रखा, जबकि कई देशों में यह 20 से 100 प्रतिशत तक बढ़ी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताया।

एआई-डीपफेक से बैंकिंग क्षेत्र में करोड़ों की सेंध, सुरक्षा प्रणालियों को चुनौती

साइबर अपराधी ओपन-सोर्स एआई मॉडलों से तैयार कर रहे वास्तविक दिखने वाली नकली पहचान

नई दिल्ली

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। साइबर अपराधी इस उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसी वास्तविक दिखने वाली नकली पहचानें तैयार कर रहे हैं, जो वीडियो केवाईसी और लाइवलीनेस परीक्षण जैसी सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी आसानी से भेद रही हैं, जिससे करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई चुनौती वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह खतरा अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा है। कई वास्तविक मामलों में डीपफेक का उपयोग कर बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ नकली बैंक स्टेटमेंट और डीपफेक वीडियो के जरिए 15 से 20 करोड़ रुपये तक की धोखाधड़ी की खबर है।

तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि डीपफेक तैयार करने के उपकरण टेलीग्राम और डार्क वेब पर आसानी से उपलब्ध हैं, और इन्हें सामान्य गेमिंग कंप्यूटर पर भी कम लागत में चलाया जा सकता है, जिससे जालसाजों को संगठित होने में मदद मिल रही है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि ये डीपफेक लाइवलीनेस जांच को भी सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं, जो कैमरे के सामने मौजूद व्यक्ति की वास्तविकता सुनिश्चित करती है। यदि यह महत्वपूर्ण सुरक्षा परत विफल होती है, तो डिजिटल केवाईसी की विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रभावित होगी। इस खतरे को देखते हुए, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चेतावनी जारी की है कि अपराधी सुरक्षा उपायों को भेदने के लिए एआई-आधारित तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में बैंकिंग क्षेत्र में 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46त्न अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी अपनी डिजिटल पहचान और उपकरणों की सुरक्षा के प्रति अत्यधिक सतर्क रहना होगा। यह खतरा अब केवल बैंकिंग तक सीमित नहीं हैबल्कि ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया और ऑनलाइन डेटिंग प्लेटफॉर्म सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी फैल रहा है।

भारत का राजकोषीय दुविधा में, क्यों कम पड़ रही है तैयारी?

वित्त मंत्री के 3 एफ अपर्याप्त, भारत को चौथे एफ राजकोषीय गुंजाइश की सख्त दरकार

नई दिल्ली

। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा संकट से निपटने के लिए विदेशी मुद्रा, ईंधन और उर्वरक पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है, जिसे उन्होंने 3 एफ का नाम दिया।

हालांकि, आर्थिक विश्लेषकों और विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को एक चौथे, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण एफ - राजकोषीय गुंजाइश (फिसकल स्पेश) की सख्त दरकार है। उनका तर्क है कि यदि भारत ने अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों में पर्याप्त राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो आज उसके पास अनपेक्षित संकट का सामना करने के लिए कहीं अधिक विकल्प उपलब्ध होते। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड संकट (2022-23) के बाद के तीन अच्छे वर्षों में यदि भारत ने अधिक राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो मौजूदा अप्रत्याशित संकट का सामना करने में उसके पास बेहतर विकल्प होते। एक विश्लेषक ने जनवरी 2025 में ही चेतावनी दी थी कि अनुकूल समय में राजकोषीय गुंजाइश न बनाने पर अगला संकट बेतहाशा कठिन होगा।

इस चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, और आज भारत सीमित विकल्पों के साथ एक ऐसे संकट का सामना कर रहा है जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। केंद्र सरकार की राजकोषीय घाटे में कमी की राह बहुत धीमी रही है। f

इसी अवधि में, वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में राज्यों का राजकोषीय घाटा भी बढ़ा, जिससे सार्वजनिक ऋण जीडीपी के 80 प्रतिशत से ऊपर ही बना रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, इस धीमी राजकोषीय सुधार ने निजी निवेश के लिए वित्तीय नियंत्रण को बढ़ाया है और वाणिज्यिक ब्याज दरों को उच्च बनाए रखा है।

राजकोषीय घाटे को तेजी से कम करने का एक प्रभावी तरीका निजीकरण था, लेकिन एयर इंडिया की बिक्री के बाद

यह प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई। राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान के एक अध्ययन का हवाला देते हुए विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने वाली महारत्न कंपनियों को छोड़कर, इतने अधिक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बनाए रखने का कोई कारण नहीं है।

मन की साधना

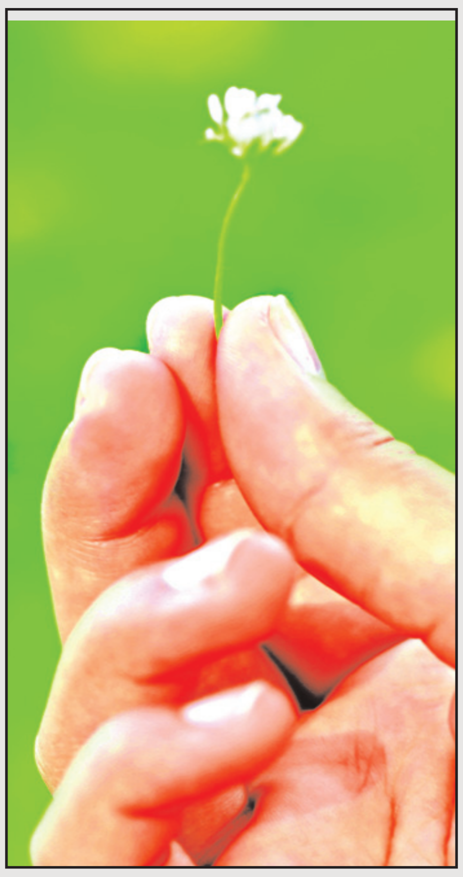

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा-भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास...

-जड़ी लिस्ट-ए क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका-ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के खिताबी मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी का जलवा देखने को मिला। रविवार को दांबुला के रणगिरि दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में वैभव ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इंडिया-ए के लिए खेलने उतरे वैभव ने सिर्फ 11 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली, जिसमें 5 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। देखा जाए तो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचने के दौरान सिर्फ चौके-छक्के में डील किया और एक सिंगल तक नहीं लिया। 15 साल के वैभव ने तेज गेंदबाज दुलाज समुदिता की गेंद पर छक्का लगाकर अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचे।

वैभव सूर्यवंशी अब लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने का 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वीरारत्ने ने 1 नवंबर 2005 को रागामा क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए कुरुनेगला यूथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ सिर्फ 12 बॉल पर फिफ्टी जमा दी थी। वैभव ने सरफराज खान द्वारा बनाए गए भारतीय रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सरफराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सीजन में मुंबई की ओर से पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

सबसे तेज लिस्ट-ए शतक जड़ने का मौका गंवाया

वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज लिस्ट-ए शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करने से भी बाल-बाल चूक गए। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम पर है। जेक ने अक्टूबर 2023 में साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए तस्मानिया के खिलाफ सिर्फ 29 बॉल पर शतक जमा दिया था। इस ट्राई सीरीज में फैन्स की निगाहें पूरी तरह वैभव सूर्यवंशी पर थीं। वैभव शुरुआती चार मुकाबलों में कुल मिलाकर 117 रन बना पाए थे। लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्होंने कत्लेआम मचा दिया। वैभव अब आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले हैं, जहां उनका इंटरनेशनल डेब्यू होने की पूरी संभावना है।

भारतीय मुक्केबाजों का जलवा, यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट में जीते 8 गोल्ड समेत 12 पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने चेक गणराज्य में आयोजित 56वें ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम (यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक अपने नाम किए। भारतीय मुक्केबाजों ने 8 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत का दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा दिया है।

महिला मुक्केबाजों ने दिलाया चार गोल्ड

महिला वर्ग में लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), प्रीति पंवार (54 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं परवीन (65 किग्रा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सिर्फ पांच खिलाड़ियों के साथ भारतीय महिला टीम ने चार गोल्ड और एक सिल्वर जीतकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

पुरुष खिलाड़ियों ने भी दिखाया दम

पुरुष वर्ग में जदुमनी सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीते। आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) और कपिल पोखरिया (90 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किए, जबकि सुमित कुंडू (70 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता। भारत ने कुल 8 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य सहित 12 पदकों के साथ टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

अजय सिंह ने खिलाड़ियों को दी बधाई

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (क्ष्त्रढ्ढ) के अध्यक्ष अजय सिंह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच यह उपलब्धि भारतीय बॉक्सिंग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में भी इसी तरह का प्रदर्शन करेगी।

भारत के पदक विजेता

स्वर्णः साक्षी, प्रीति पंवार, प्रिया, लवलीना बोरगोहेन, जदुमनी सिंह मंडेंगबाम, सचिन, अंकुश, नरेंद्र

रजतः परवीन, आदित्य प्रताप यादव, कपिल पोखरिया

कांस्यः सुमित कुंडू।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम, रोहित-कोहली की वापसी, यशस्वी बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के पास रहेगी। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम में वापसी हो गयी है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है जिसपर सभी हैरान हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अधिक रन नहीं बनाने के बाद भी रोहित की टीम में वापसी हुई है पर अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शतक के बाद भी यशस्वी को बाहर कर दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में कहा था कि टीम चयन अंतिम फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस व सर्वश्रेष्ठ संयोजन को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान रहे विराट कोहली को टीम में शामिल किया गया है पर वह फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मैदान पर उतरेंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी करीब तीन साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 विश्व कप फाइनल में खेला था। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है जबकि युवा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार को टीम में बनाये रखा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को बर्मिंघम, दूसरा 16 जुलाई को कार्डिफ और तीसरा 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप जीता

-प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई किया

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप में जीत के साथ ही अगले सत्र के लिए भी प्रो लीग में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच महिला प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। ये भारतीय हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। भारतीय टीम दूसरी बार इस टूर्नामेंट में विजेता बनी है।

खिताबी मुकाबले में शुरुआत से ही भारतीय टीम हावी रही। उसने न्यूजीलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। मैच के चौथे मिनट में ही नवनीत कौर ने एक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाद 15वें मिनट में, सुनेलिता टोप्पो ने दूसरा गोल दाग दिया। इन दो शुरुआती गोलों के बाद मेजबान टीम दबाव में आ गयी। इसके बाद मेजबान टीम के किये हमले भारतीय रक्षापंक्ति ने विफल कर दिये। इससे कीवी टीम को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। इससे मेजबानों को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

इस पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अपने सभी मैच जीते। इससे उसकी निरंतरता का सबूत मिलता है। पूल चरण में टीम ने अमेरिका को 3-2 से, जापान को 2-1 से और उरुग्वे को 3-2 से हराया। इन करीबी जीतों से टीम का मनोबल बढ़ा है। इसके बाद सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने चिली को 6-0 के बड़े अंतर से हराया था। इसके बाद खिताबी मुकाबले में भी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए लालरेमसियामी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। वहीं, टूर्नामेंट में भारत की ओर से दीपिका ने सबसे अधिक छह गोल किये।

टीम की इस शानदार उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने सभी खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहायोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की जमकर सराहना करते हुए इसे देश को गर्व का अनुभव हुआ है।

महिला टी20 विश्व : पाकिस्तान और नीदरलैंड बाहर हुई, भारतीय टीम का पहुंचना तय

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले हारने के साथ ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप ए से केवल भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं लीग मैचों के आधे पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते दो टीमों का सफर समाप्त हो गया है। ग्रुप ए से पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीमों को बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही ये टीमें बाहर हो गयीं। इन हारों के साथ ही पाकिस्तान और नीदरलैंड दोनों टीमें अपने तीन-तीन लीग मैच हारी हैं। उसके दो-दो मुकाबले अभी बाकी हैं पर अब वह छह अंकों के सेमीफाइनल क्वालीफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाएंगी। वहीं ग्रुप ए की अंकतालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलिया ने तीन में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ लगभग सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया है जबकि भारतीय टीम अपने दो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर बांग्लादेश है, जिसके तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ 4 अंक हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका एक जीत और एक हार के साथ 2 अंकों पर चौथे स्थान पर है।

रूट टेस्ट क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट क्रिकेट के दूसरे ही मैच में अपने 14 हजार रन पूरे करने के साथह ही में एक और मील का पत्थर छू लिया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में 14 हजारी बनने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलबब्धि केवल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम थी। अब रूट उनके विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब जो रूट पहुंच रहे हैं। कीवी टीम के खिलाफ इंग्लैंड की दूसरी पारी में जैसे ही रूट ने अपना दूसरा रन लिया, उनके टेस्ट क्रिकेट में 14,000 हजार रन पूरे हो गये। मैच में चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक रूट ने 75 रन बनाए थे।

पेरी 50 टी20 विश्व कप मैच खेलने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी 50 टी20 विश्वकप मैच खेलने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गयी हैं। पेरी ने क्रिकेट जगत में एक ऐसा ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया है। जो आज तक किसी भी पुरुष या महिला क्रिकेटर के नाम नहीं है। साउथेम्प्टन में जारी महिला टी20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के 14वें मैच के दौरान ही पैरी ने ये रिकार्ड बनाया। अब टी20 विश्व कप (पुरुष और महिला दोनों को मिलाकर) सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में पेरी नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। पेरी ने साल 2009 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत से लेकर अभी तक कुल 50 मैच खेले हैं। इस सूची में भारतीय पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा भी पेरी से पीछे हैं। रोहित ने साल 2007 से 2024 के बीच 47 टी20 विश्व कप मैच खेले थे। पेरी ने महिला क्रिकेट की बात करें तो न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के अलावा, इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेटर जोस बटलर और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन को भी पीछे छोड़ दिया है। इन सभी के नाम 43-43 मैचों का रिकार्ड है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली के नाम 42 मैच हैं, जबकि भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज डेविड वार्नर 41-41 मैचों के साथ इस सूची में नंबर एक पर हैं। पेरी के नाम कई अन्य रिकार्ड भी हैं। वह पुरुष और महिला क्रिकेट में 1,000 रन बनाने और 100 विकेट लेने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं। इसके अलावा, महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में वह सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: जापान ने ट्यूनीशिया को 4-0 से रौंदा, नॉकआउट के करीब पहुंची टीम

एस्टाडियो मॉन्टेरे (मेक्सिको) (एजेंसी)। एस्टाडियो ¬ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में जापान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस दमदार जीत के साथ जापानी टीम नॉकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गई है, जबकि ट्यूनीशिया का टूर्नामेंट से सफर समाप्त हो गया।

यह मुकाबला फीफा विश्व कप के इतिहास का 1000वां मैच भी था और जापान ने इसे यादगार बना दिया। टीम ने विश्व कप इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, साथ ही विश्व कप के एक मैच में चार गोल करने वाला पहला एएफसी देश बनने का गौरव भी हासिल किया।

जापान ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। डाइची कामादा ने चौथे मिनट में गोल दागकर विश्व कप में जापान की ओर से सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बनाया। कीटो नाकामुरा के शानदार क्रॉस पर उन्होंने आसान फिनिश किया।

इसके बाद अयासे उएदा ने 30वें मिनट में शानदार लो-ड्राइव शॉट के जरिए जापान की बढ़त 2-0 कर दी। हाफ टाइम तक जापानी टीम पूरी तरह मुकाबले पर हावी रही।

दूसरे हाफ में भी जापान का दबदबा जारी रहा। जुन्या इतो ने 69वें मिनट में बेहतरीन गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद 83वें मिनट में उएदा ने हेडर के जरिए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दागकर ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी।

इस जीत के बाद जापान ग्रुप ए में नीदरलैंड्स के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि लगातार दूसरी हार झेलने के बाद ट्यूनीशिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

अभय-वेलवन की पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत, भारत ने लगातार तीसरी बार जीता स्क्वाश का खिताब

नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह और वेलवन सेंथिलकुमार की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने मलेशिया के सारावाक में आयोजित एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने पुरुष युगल का खिताब लगातार तीसरी बार अपने नाम कर महाद्वीपीय स्तर पर अपना दबदबा कायम रखा।

पाकिस्तान के खिलाफ शानदार वापसी- फाइनल मुकाबले में भारत की जोड़ी ने एक गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की। अभय और वेलवन ने पाकिस्तान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी नासिर इकबाल और नूर जमां को 47 मिनट में 7-11, 11-7, 11-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पिछले साल भी भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इसी पाकिस्तानी जोड़ी को मात दी थी।

भारत की झोली में आए तीन पदक- पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने दो कांस्य पदक भी हासिल किए। अनुभवी खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और रथीका सीलन की महिला युगल जोड़ी सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। वहीं, मिश्रित युगल में जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत की दूसरी महिला युगल जोड़ी जेनेट विधि और पूजा आरती छठे स्थान पर रही।

शुभमन ने यशस्वी को बेहतरीन बल्लेबाज बनाया

-टीम में कई बार जगह नहीं मिलने का भी कारण बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाकर टीम की जीत में हम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी ने इस मैच में 110 रनों की पारी खेली। भारतीय टीम ने इस मैच में टीम ने 9 विकेट से जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। मैच में यशस्वी ने अपने एकदिवसीय करियर का दूसरा शतक जड़ा। यह उपलब्धि उन्होंने केवल छठी पारी में हासिल की

जीत के बाद, शुभमन ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने के कारण कई बार यशस्वी को बाहर बैठना पड़ा है पर इसका मतलब प्रदर्शन से नहीं है। शुभमन ने यशस्वी को एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी करार दिया। साथ ही माना है कि टीम में जगह को लेकर होने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण कभी-कभी उन्हें बाहर बैठना पड़ता है। गिल ने कहा, हम सभी भली-भांति जानते हैं कि वह एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी हैं। किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर बैठना आसान नहीं होता। सच तो यह है कि अगर टीम के सभी मुख्य खिलाड़ी उपलब्ध हों, तो यशस्वी वह बदकिस्मत खिलाड़ी बन जाते हैं जिन्हें कभी-कभी अंतिम ग्यार से बाहर बैठना पड़ता है। कप्तान ने इस बात पर खुशी जताई कि जायसवाल ने इस श्रृंखला में मिले मौकों को बखूबी भुनाया और भविष्य में भी इसी तरह के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

टीम के संयोजन को मजबूत करने के लिए शुभमन ने सीरीज के आखिरी दो मैचों में हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गिल ने ऐसा इसलिए किया ताकि

यशस्वी नियमित कप्तान रोहित के साथ पारी की शुरुआत कर सकें। कप्तान का यह प्रयोग बेहद सफल रहा, जहां रोहित ने भी 79 रनों की एक परिपक्व पारी खेलते हुए यशस्वी के साथ पहले विकेट के लिए 170 रनों की विशाल साझेदारी की।

इंग्लैंड के क्रिकेटर बेथल भारतीय लड़की से प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में आये

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथल आजकल खेल की जगह पर एक भारतीय लड़की के साथ अपनी कथित प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर इस लड़की के साथ उनकी एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें वह इस लड़की के साथ बेहद दिख रहे हैं। यह तस्वीर इसी साल अप्रैल में हुए आईपीएल के 19 वे सत्र की है। इसमें बेथल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे थे। इस तस्वीर को देखकर प्रशंसक हैरान और जानना चाहते हैं कि ये कौन है। इस तस्वीर में बेथल के साथ दिख रही खूबसूरत लड़की का नाम अंकिता पटेल है। अंकिता एक जानी-मानी सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं, उसने बॉलीवुड के कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। यह तस्वीर स्वंय अंकिता के सोशल मीडिया अकाउंट से ही शेयर की गई थी, जिसने सोशल मीडिया पर प्रशंसक हैरान हैं। वहीं अंकिता ने अब तक इस क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है पर इस तस्वीर से लगता है कि कि दोनो एकदूसरे के बेहद करीब हैं। के बीच नजदीकियों की कहानी बयां कर रही है। प्रशंसक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्साहित हैं। गौरतलब है कि जैकब बेथल का आईपीएल 2026 में रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए उन्हें कुल 7 मैचों में मौका मिला, लेकिन वह सिर्फ 96 रन ही बना पाए। इस दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें सत्र के बीच में ही स्वेदश लौटना पड़ा था। अभी वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड टीम के दल में शामिल हैं। बेथल ने इंग्लैंड के लिए 7 टेस्ट, 21 एकदिवसीय और 31 टी20 खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम अबतक 496 रन जबकि एकदिवसीय में 603 रन हैं। टी20 में बेथल ने 697 रन बनाये हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में गुलाबी जूतों का छाया जादू, दुनिया के स्टार फुटबॉलरों की बनी पहली पसंद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 में जहां दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी अपने शानदार खेल से सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं इस बार एक नया ट्रेंड भी चर्चा का केंद्र बन गया है। टूर्नामेंट में गुलाबी रंग के फुटबॉल जूते खिलाड़ियों की पहली पसंद बनकर उभरे हैं और मैदान पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेले जा रहे विश्व कप में कई स्टार खिलाड़ी गुलाबी रंग के जूते पहनकर मैदान में उतर रहे हैं। अमेरिका के जियो रेना, ब्राजील के विनीसियस जूनियर, फ्रांस के कप्तान किलियान एमबाप्पे और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन जैसे बड़े नाम इसी रंग के जूतों में नजर आए।

जियो रेना ने विश्व कप के शुरुआती मैच में अमेरिका के लिए यादगार गोल दागा, जबकि विनीसियस जूनियर ने ब्राजील के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। वहीं एमबाप्पे ने दो गोल कर फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हैरी केन ने भी दो गोल दागकर इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की। इन सभी खिलाड़ियों में एक समानता रही—सभी ने गुलाबी रंग के जूते पहने थे।

मैदान की हरी घास पर गुलाबी जूते दूर से ही अलग दिखाई देते हैं। यही वजह है कि कई बड़ी स्पोर्ट्स कंपनियों ने इस विश्व कप से पहले इनका विशेष डिजाइन तैयार किया। नाइकी के ग्लोबल फुटवियर निदेशक ओडिंगा निमाको के अनुसार खिलाड़ी गुलाबी रंग को आत्मविश्वास, ऊर्जा और अलग पहचान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। दर्शकों के बीच भी यह रंग तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने बताया कि 1998 विश्व कप में पहली बार रंगीन फुटबॉल जूतों ने लोगों का ध्यान खींचा था। उससे पहले काले और सफेद रंग के जूतों का ही अधिक इस्तेमाल होता था। अब समय बदल चुका है और नाइकी, एडीडास, प्यूमा, स्केचर्स और न्यू बैलेंस जैसी दिग्गज कंपनियां भी गुलाबी रंग के जूते बाजार में उतार चुकी हैं।

ऐसे में फीफा विश्व कप 2026 में शानदार गोलों के साथ-साथ गुलाबी जूतों का यह नया ट्रेंड भी दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों के बीच चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

मेरी अमाल से कोई तुलना नहीं है

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है।

बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती। मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।'

हमारा कोई मुकाबला नहीं है

उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं। मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।'

तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं।

अमृता राव ने सलमान-रणबीर जैसे बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में ठुकराकर इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन इस दौरान कुछ बड़े ऑफर भी ठुकराए। इनमें सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में भी शामिल थीं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई। अमृता राव का जन्म 7 जून 1981 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से की लेकिन मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बढ़ती रुचि के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी। उन्होंने करियर की शुरुआत विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो से की थी। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके अलावा, वह 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' में भी नजर आईं। हालांकि, उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' रही, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। फिल्म हिट रही और अमृता रातोंरात दर्शकों की पसंदीदा अभिनेत्री बन गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें आईफा स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद अमृता राव ने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी', 'प्यारे मोहन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में काम किया। खास तौर पर 2006 में रिलीज हुई 'विवाह' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। फिल्म में उन्होंने पूनम का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनकी सादगी सीधे लोगों के दिलों को छू गई। इस फिल्म के बाद उन्हें देश-विदेश से शादी के ऑफर्स तक मिलने लगे थे। अमृता राव हमेशा अपनी शर्तों पर काम करने के लिए जानी गईं। यही वजह रही कि उन्होंने कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स को भी ठुकरा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ऐ हसीनों' का ऑफर पहले अमृता को मिला था, लेकिन फिल्म में किसिंग सीन होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया। बाद में यह फिल्म दूसरी अभिनेत्री के पास चली गई और इस तरह यशराज फिल्म्स के साथ एक बड़े कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने का मौका भी उन्होंने छोड़ दिया।

इतना ही नहीं, अमृता ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में भी काम करने से इनकार कर दिया था। बताया जाता है कि उन्हें फिल्म में सलमान खान की बहन का किरदार ऑफर किया गया था लेकिन उन्होंने यह भूमिका करने से मना कर दिया। इसके अलावा 'नील एन निक्की' जैसी फिल्म भी उन्होंने बोल्ड सीन्स की वजह से नहीं की। उनके करियर में काफी उतार-चढ़ाव भी आए। कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने शानदार काम किया। टीवी की दुनिया में भी उन्होंने 'मेरी आवाज ही पहचान है' के जरिए कदम रखा। अवॉर्ड्स की बात करें तो अमृता राव को आईफा अवॉर्ड, स्टारडस्ट अवॉर्ड समेत कई सम्मान मिले। 'मैं हूं ना' फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगिरी में नॉमिनेशन भी मिला था। निजी जीवन की बात करें तो उन्होंने रेडियो जॉकी अनमोल सूद से शादी की है और आज वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर अनुराग कश्यप ने नाराजगी जाहिर की

अनुराग कश्यप ने भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्मों को सिनेमाघरों में बहुत कम शो मिल रहे हैं, जबकि हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है।

भारतीय फिल्मों को कम शो मिलने पर भड़के अनुराग

अनुराग कश्यप ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह समझते हैं कि लोग 'ऑब्सेशन' देखना चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारतीय फिल्मों को कम शो दिए जाएं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर हम अपनी ही फिल्मों को सही मौका नहीं देंगे, तो इंडस्ट्री आगे कैसे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म 'बंदर', वेदांग रैना और शरवरी की 'मैं वापस आऊंगा'', मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' और तेलुगु फिल्म 'सिंग गीथम' को बहुत कम शो मिल रहे हैं। कुछ जगहों पर तो इन फिल्मों का सिर्फ एक सुबह का शो है, जबकि 'ऑब्सेशन' को 6-7 शो दिए जा रहे हैं।

'बंदर' का किया निर्देशन

'बंदर' का निर्देशन खुद अनुराग कश्यप ने किया है, जिसमें बॉबी देओल, सपना पब्बी, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, ऋद्धि सेन, इंद्रजीत सुकुमारन और नागेश भोंसले जैसे कलाकार नजर आते हैं।

'ऑब्सेशन' कर रही शानदार कलेक्शन

वहीं हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म अब तक दुनियाभर में 224.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और अपने स्टूडियो की सबसे बड़ी हिट बन गई है। इस फिल्म में माइकल जॉनस्टन और इंडे नवारेटे लीड रोल में हैं। कहानी एक ऐसे शख्स की है, जो अपने क्रश का प्यार पाने की चाह में खतरनाक और डरावनी घटनाओं में फंस जाता है। इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने भी 'ऑब्सेशन' की काफी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह फिल्म देखकर उन्हें अपनी फिल्म 'कौन' की याद आ गई। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद इस फिल्म के 'ऑब्सेस्ड' हो गए हैं और इसने थिएटर में फिल्मों की सफलता को लेकर सोच बदल दी है।

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने 'हुआ' से किया सिंगिंग डेब्यू

जुबिन नौटियाल के साथ जुड़ा नया म्यूजिक सफर

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने 'हुआ' के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया।

एलनाज नोरौजी ने कहा, ''संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है। जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है।'' गाने 'हुआ' के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, 'जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था। जब कोई सपना धीरे-धीरे सच होता है, तो उसकी खुशी शब्दों से ज्यादा महसूस की जाती है, और यह गाना मेरे लिए वही एहसास लेकर आया है।'

एलनाज ने आगे कहा, 'भले ही मैं लंबे समय से अभिनय से जुड़ी रही हूं, लेकिन संगीत हमेशा मेरे अंदर कहीं न कहीं मौजूद था। जुबिन नौटियाल के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और सच्चाई होती है। वह हर गाने को बहुत ईमानदारी और भावनाओं के साथ गाते हैं।'

इस मौके पर जुबिन नौटियाल ने भी एलनाज की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा, ''एलनाज की आवाज काफी मधुर है। उनके अंदर मेहनत करने की लगन दिखाई देती है। उन्होंने इस गाने के लिए समर्पण के साथ काम किया है और मैं उनके इस नए सफर से बेहद खुश हूं। मैं इस गाने और एलनाज दोनों पर गर्व महसूस करता हूं और मुझे खुशी है कि यह गाना लोगों के दिलों तक पहुंच रहा है।''

ओटीटी के आने से मौके भी बढ़ गए हैं

करिश्मा कपूर इस वक्त अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'ब्राउन' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ हो रही है। करिश्मा ने ओटीटी पर काम करने के एक्सपीरियंस, रोल और एक्टर्स के लिए बढ़े मौकों पर बात की। 'अंदाज अपना अपना', 'साजन चले ससुराल' और 'जुड़वां' जैसी फिल्मों से 90 के दशक में फैंस का मनोरंजन करने वालीं करिश्मा कपूर ने भले ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं। पहले शादी और बच्चों के बाद हीरोइन ब्रेक पर चली जाया करती थीं। लेकिन अब वो करियर को कंटिन्यू करती हैं।

जबसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स आए हैं, तबसे एक्टर्स को, चाहे वो किसी भी उम्र के हो, हर तरह के रोल मिल जा रहे हैं। आप तीस के दशक में हों या 40 के दशक में या फिर 60 के दशक में, एक्टर्स को काफी स्ट्रॉन्ग रोल्स मिल रहे हैं, जो अच्छी चीज है।

क्या पहले के मुकाबले, आज के दौर में हीरोइनों के लिए ज्यादा मौके हैं?

मुझे लगता है कि हर दशक में, हर दौर में ऐसे मौके मिलते हैं। चाहे हम 'मदर इंडिया' के टाइम से देखें और उसके बाद भी लिस्ट बहुत लंबी है। अगर मैं अपनी बात करूं तो मुझे अवसर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे कुछ ऐसी फिल्में मिलीं, जिनके बारे में आज भी बात होती हैं। फिर चाहे वह 'बीवी नंबर 1' हो, 'शक्ति', 'फिज़ा', 'जुबैदा', 'राजा हिंदुस्तानी' या फिर 'दिल तो पागल है'। तो इन सारी फिल्मों में हीरोइन का किरदार बहुत ही बढ़िया था और वह स्ट्रॉन्ग वुमन भी थीं। वह अपने स्तर पर अपनी स्ट्रेंथ दिखा रही थीं। लेकिन अब ओटीटी के आने से मौके और भी बढ़ गए हैं। अब हर उम्र के एक्टर्स के लिए रोल्स हैं, जो वाकई कमाल है। तो उस नजरिए से देखें तो यह आर्टिस्ट्स के लिए बहुत ही अच्छा दौर है।

इसी वजह से अब हर उम्र में सोलो लीड वाली फिल्में भी मिल पा रही हैं

मुझे लगता है कि इन दिनों सभी आर्टिस्ट्स किस्मत वाले हैं, चाहे एक्टर हो या एक्ट्रेस। चाहे वह बच्चा हो या फिर दादी हो, उनका भी सोलो लीड हो सकता है। यह बहुत ही क्रिएटिव टाइम है एक्टर्स के लिए और दर्शकों के लिए भी, क्योंकि उन्हें भी अलग तरह का सिनेमा देखने का मौका मिल रहा है।

अपनी नई वेब सीरीज 'ब्राउन' के बारे में कुछ बताएं।

'ब्राउन' एक साइकलॉजिकल थ्रिलर है, लेकिन साथ में एक ह्यूमन स्टोरी भी है। यह कहानी रीटा ब्राउन और बाकी कैरेक्टर्स की है, जो बिल्कुल भी वन डाइमेंशनल स्टोरी नहीं है। यह दिखाती है कि रीटा ब्राउन क्या है, वह किन परिस्थितियों से गुजर रही हैं। और इन सबके बीच जब वह मर्डर केस सॉल्व कर रही हैं, तब वह कैसे साथ-साथ खुद में भी बदलाव कर रही है। दूसरा, इस सीरीज़ ने मुझे बहुत चैलेंज किया। इसमें इतना कुछ अलग था। इसलिए मैंने यह प्रोजेक्ट किया।

आपको फिल्मी दुनिया में इतना अनुभव है। अब आप ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी काम कर रही हैं। तो आपको क्या फर्क महसूस हुआ दोनों प्लेटफॉर्म्स पर काम करने में?

पहले के समय में हम ज्यादा पैशन के साथ काम करते थे। स्टोरी तब भी होती थी, लेकिन तब बाउंड स्क्रिप्ट्स नहीं होती थी। मतलब ऐसा कभी नहीं हुआ कि कल मेरा यह सीन है तो उसके मुताबिक हम वर्कशॉप कर रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं होता था। हम तो सेट पर जाते थे, डायलॉग याद करते थे और काम करते थे। तो वह बहुत ही अलग समय था, अलग दौर। और अब तो सब कुछ तय होता है, हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, हम पढ़ सकते हैं, बहुत सारी वर्कशॉप्स होती हैं और सारे एक्टर्स के साथ हम मिलकर बातचीत कर पाते हैं। तो यह बहुत अलग है और मजेदार अनुभव भी। जहां तक प्लेटफॉर्म्स की बात है तो मुझे दोनों के बीच में तुलना नहीं करनी है क्योंकि तब जिस तरह की फिल्में बनती थीं, वह कुछ अलग ही समय था और अब माहौल अलग है, तो हमें समय के साथ आगे बढ़ना है।

माहेश्वरी समाज नागदा द्वारा उज्जैन जिला स्तरीय मेधावी छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। माहेश्वरी समाज नागदा के तत्वावधान में समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी महोत्सव 2026 के अंतर्गत उज्जैन जिला स्तरीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन स्नेहकुंज गार्डन, नागदा में किया गया। समारोह में उज्जैन जिले के विभिन्न नगरों से आए प्रतिभाशाली एवं मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रतलाम विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गोविंद काकाणी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्णिमा सिंघी, देवास माहेश्वरी समाज जिलाध्यक्ष कैलाश डागा एवं उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिदपुर सिटी के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश राठी ने की। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन एवं समाज सेवा के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समाज की गौरवशाली परंपरा है, जो नई पीढ़ी को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज नागदा के अध्यक्ष घनश्याम राठी, सचिव प्रतीक गगरानी, बंसीलाल राठी, देवकरण डांगरा, जगदीशचंद्र भूतड़ा, सतीश बजाज,नरेन्द्र राठी, प्रदीप राठी, राजेन्द्र मालपानी, मनोज राठी, सुभाष गगरानी, प्रशांत राठी, उज्जैन माहेश्वरी महिला संगठन की निवर्तमान जिलाध्यक्ष सीमा मालपानी, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष वर्षा झंवर, अंजू आगीवाल, प्रियंका राठी, उर्मिला डांगरा, सीमा राठी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी में फंसे पुणे के दो निर्दोष युवकों को मिला इंसाफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। थाना सोमनी में दर्ज डेढ़ लाख रुपये मूल्य के गांजा तस्करी प्रकरण में महाराष्ट्र के पुणे जिले के दो आरोपियों को जिला एवं सत्र न्यायालय राजनांदगांव ने दोषमुक्त कर दिया है। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) डी.आर. देवांगन की अदालत ने 19 जून 2026 को अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए अभियुक्त वसंत श्यामराव ओंकारे एवं राहुल अशोक दोईफोड़े को आरोपों से बरी कर दिया। दोनों आरोपियों की ओर से अधिवक्ता करनजीत बोधानी ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन के अनुसार 13 सितंबर 2025 को थाना सोमनी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुर्ग से पुणे जा रही बस में दो व्यक्ति अलग-अलग बैगों में गांजा लेकर यात्रा कर रहे हैं और उनके पारीनाला क्षेत्र के आसपास उतरने की संभावना है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बस को थाना सोमनी के सामने रोका। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से दो बैगों में कुल 16 किलोग्राम गांजा बरामद किया जाना बताया गया था। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये आंकी गई थी। इस आधार पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 20(बी)(द्वद्व)(बी) के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया था। आरोपियों के द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आशीष गंगवानी व करनजीत बोधानी के द्वारा जमानत याचिका दायर की थी जिसमें माननीय उच्च न्यायालय से आरोपीगण को जमानत मिल गई थी व सत्र न्यायालय को 6 माह के भीतर प्रकरण के ट्रायल को पूर्ण करने का भी आदेश दिया था जिसके चलते उक्त प्रकरण 6 माह के भीतर निराकृत हो गया प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन से विभिन्न गवाहों के बयान एवं दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक महेश वर्मा ने पक्ष रखा, जबकि आरोपियों की ओर से अधिवक्ता ने मामले के तथ्यों, जब्ती प्रक्रिया और साक्ष्यों की वैधानिकता को लेकर विस्तृत तर्क प्रस्तुत किए। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों के बयानों तथा एनडीपीएस अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का गहन परीक्षण किया।

अमेरिका-ईरान वार्ता की तैयारी तेजः स्विट्ज़रलैंड में परमाणु समझौते पर हो सकती है बातचीत, स्टीव विटकॉफ रवाना

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब स्विट्जरलैंड में नई वार्ता की तैयारी तेज हो गई है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड रवाना हो चुके हैं, जहां दोनों देशों के बीच संभावित परमाणु समझौते को लेकर बातचीत हो सकती है। ऐसे समय में जब क्षेत्र में सैन्य तनाव कम करने की कोशिशें चल रही हैं, यह वार्ता पश्चिम एशिया की राजनीति और वैश्विक सुरक्षा के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

क्या स्विट्जरलैंड में शुरू होगी नई अमेरिका-ईरान वार्ता : अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित वार्ता का पहला दौर स्विट्जरलैंड में होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार और दामाद जेरेड कुशनर भी वार्ता से पहले स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। शुरुआत में बातचीत शुक्रवार से शुरू होनी थी, लेकिन लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम लागू होने के बाद बातचीत का रास्ता फिर खुलता दिखाई दे रहा है। फिलहाल वार्ता की नई तारीख का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन कूटनीतिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

लेबनान का संघर्ष वार्ता पर इतना असर क्यों डाल रहा है : ईरान ने साफ संकेत दिए हैं कि लेबनान की स्थिति उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी में हैं, लेकिन उनका दौरा क्षेत्रीय हालात पर निर्भर करेगा। मध्यस्थ देशों के सूत्रों के अनुसार अराघची ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से कहा है कि लेबनान में संघर्ष विराम की सफलता ही अमेरिका-ईरान वार्ता के भविष्य को तय करेगी। ईरानी अधिकारियों का मानना है कि जब तक संघर्ष विराम पूरी तरह स्थिर नहीं हो जाता, तब तक किसी बड़े कूटनीतिक कदम पर आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

संघर्ष विराम कराने में किन देशों ने निभाई भूमिका : लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के पीछे कई देशों की भूमिका बताई जा रही है। अमेरिका और कतर ने मध्यस्थ के तौर पर बातचीत को आगे बढ़ाया। वहीं कुछ कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि ईरान ने भी समझौता कराने में सहयोग किया। संघर्ष विराम स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे से लागू हुआ। क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यही समझौता आगे अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष बातचीत का आधार बन सकता है।

14 सूत्रीय समझौते में क्या-क्या शामिल है : अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन में कई अहम बिंदु शामिल हैं। इसमें लेबनान समेत पूरे क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां रोकने और 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया गया है। समझौते के तहत अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी और कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की प्रक्रिया शुरू करेगा। वहीं ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को 60 दिनों तक सुरक्षित और निशुल्क मार्ग देने में सहयोग करेगा। इसी अवधि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तकनीकी स्तर की बातचीत भी होगी।

प्रतिबंधों और आर्थिक सहयोग को लेकर क्या योजना है : समझौते में ईरान पर लगे प्रतिबंधों को चरणबद्ध तरीके से हटाने का खाका भी शामिल है। इसके अलावा ईरान की जमी हुई संपत्तियों को जारी करने, ईरानी तेल निर्यात के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय की विशेष छूट देने और ईरान के पुनर्निर्माण व आर्थिक विकास के लिए अमेरिकी समर्थन वाले कार्यक्रम की भी बात कही गई है। इस बीच कतर ने भी अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता शुरू कराने के अपने समर्थन को दोहराया है। स्विट्जरलैंड में कतर और स्विस नेताओं के बीच हुई बैठक में क्षेत्रीय स्थिरता और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया गया। अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि स्विट्जरलैंड में होने वाली संभावित बातचीत क्या पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का रास्ता खोल पाएगी।

ट्रंप बोले, 'फोटो खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाने लगीं मेलोनी', भड़क गईं इटली की पीएम, अमेरिका का दौरा रद्द

रोम (इटली) , एजेंसी। शुक्रवार को इटली सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि हाल ही में हुए जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए 'मिन्नतें' की थीं. इस तीखी प्रतिक्रिया से पता चलता है कि अमेरिका के इस पुराने सहयोगी देश का ट्रंप की डींगें मारने की आदत से सब्र का बांध टूट चुका है. इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने इस वीकेंड अमेरिका की अपनी तय यात्रा अचानक रद्द कर दी. उन्होंने ट्रंप के दावों को मेलोनी और पूरे इटली के लिए 'गंभीर और अपमानजनक' बताया. वहीं, मेलोनी ने एक वीडियो पोस्ट करके ट्रंप के दावों को 'पूरी तरह मनगढ़ंत' बताया और अपनी बात इस तरह खत्म की, 'इटली और मैं कभी किसी के आगे गिड़गिड़ाते नहीं हैं. '

ट्रंप ने ये बातें शुक्रवार सुबह ख्ब्7 नेटवर्क पर प्रसारित एक इंटरव्यू में कही थीं. ख्ब्7 के रिपोर्टर ने ट्रंप से यूक्रेन के बारे में पूछा था, लेकिन ट्रंप ने मेलोनी का जिक्र छेड़ दिया और बातचीत फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में हाल ही में हुई त7 बैठक के दौरान उनकी मुलाकात पर मुड़ गई, जो वीडियो में भी कैद हुई थी. मेलोनी और ट्रंप को कई मौकों पर बातचीत करते हुए देखा गया था, जिसमें एक छोटे सोफे पर अकेले बैठकर बातचीत करना भी शामिल था.ख्ब्7 के अनुसार, ट्रंप

ने कहा कि मेलोनी ने फोटो खिंचवाने के लिए उनसे 'मिन्नतें' की थीं. ट्रंप ने कहा कि ऐसा करने के लिए उन पर कोई दबाव नहीं था, लेकिन उन्हें मेलोनी पर तरस आया और वे इसके लिए मान गए. ब्रॉडकास्टर के पास बातचीत का डब किया हुआ वर्शन ऑनलाइन उपलब्ध है, न कि ओरिजिनल इंग्लिश ऑडियो. अपने वीडियो में मेलोनी ने कहा कि वे ट्रंप के दावों का जवाब इसलिए दे रही हैं क्योंकि 'कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन पर तुरंत प्रतिक्रिया देना जरूरी होता है. 'उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप के बयान पूरी तरह मनगढ़ंत हैं. मैं सचमुच हैरान हूं. मुझे समझ नहीं आता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने ही सहयोगियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं. आखिर, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. ' यह उस इंटरव्यू का जिक्र था जो ट्रंप ने अप्रैल में इटली के अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' को दिया था. इसमें उन्होंने ईरान में अमेरिका-इजराइल युद्ध का समर्थन करने से मेलोनी के इनकार की आलोचना की थी. मेलोनी ने उस समय सार्वजनिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया था।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और तूफान ने मचाई भारी तबाही, 7 की मौत, प्रशासन फेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और आंधी-तूफान का भयंकर कहर देखने को मिला है। इस प्राकृतिक आपदा की वजह से अब तक कुल सात लोगों की मौत हो चुकी है। इस बड़ी और दर्दनाक घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। डेरा इस्माइल खान के पहाड़पुर शहर में गुरुवार को कई घरों की छतें और दीवारें अचानक गिर गईं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बचाव दल और स्थानीय लोगों ने मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाला। सभी घायल लोगों को तुरंत उचित इलाज के लिए पास के स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है। मरने वालों में पहाड़पुर के दो युवक और जंदर गांव की दो महिलाएं मुख्य रूप से शामिल हैं। एक घायल की पहचान अहमद अली के रूप में हुई है जबकि अन्य की जानकारी नहीं है।

बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान : तेज हवाओं की वजह से इलाके में कई पेड़ उखड़ गए और घरों के सोलर पैनल टूट गए। एक सबअर्बन इलाके में बाउंड्री वॉल गिरने से बाड़े में बंधे कई जानवरों की भी मौत हो गई। आंधी-तूफान की वजह से पहाड़पुर और आसपास के इलाकों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है। खतरनाक हालात और भारी नुकसान के कारण मरम्मत का काम तुरंत शुरू नहीं हो सका है। ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को अचानक बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 के अधिकारी के अनुसार निचले ओरकजई के सैम फिरोजखेल इलाके में यह दर्दनाक घटना घटी। इसके अलावा बाजौर ट्राइबल जिले की वार मामुंड तहसील में एक सरकारी स्कूल की दीवार भी गिर गई। इन सभी घटनाओं के कारण इस पूरे इलाके में भी बिजली की सप्लाई बाधित हुई है। एनडीएमए ने बारिश और आंधी-तूफान के नए दौर का काफी पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा को 12 से 17 अप्रैल के बीच कमजोर जोन की श्रेणी में रखा गया था। रिपोर्ट बताती है कि चेतावनी समय पर जारी की गई लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

चीन नहीं...अमेरिकी फंड से तैयार हुआ था कोरोना वायरस! वुहान लैब पर बड़ा खुलासा, व्हाइट हाउस में छिपा था सबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन गुरुवार, (18 जून) को ऐक बड़ा खुलासा किया है। उनके इस धमाके से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गई है। दरअसल गबार्ड ने कहा है कि पूर्व अमेरिकी प्रेसिडेंड जो बाइडन के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाइजर एंथनी फाउची ने चीन के वुहान में उस लैब को आर्थिक रूप से मदद किया था, जिसमें कोरोना वायरस फैला था। ऐसा माना जाता है कि इसी लैब में कोविड-19 महामारी की शुरुआती हुई थी, जो बाद में दुनिया के अन्य हिस्सों को अपने चपेट में लिया।

अपने कार्यकाल के आखिरी दिन तुलसी गबार्ड ने उन दस्तावेज को भी सभी के सामने रख दिया, जो आज तक किसी ने देख नहीं पाया था। गबार्ड के दावे के बाद से जो बाइडन के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाजरी डॉ एंथनी फाउट पर अब सवाल उठने लगे हैं।

चीन के वुहान इंस्टीट्यूट को फंडिंग का दावा : गौरतलब है कि एंथनी फाउची 2020 की शुरुआत में अमेरिका में फैले कोरोना वायरस के दौरान बाइडन सरकार की कोविड रोकथाम रणनीति का नेतृत्व कर रहे थे। गबार्ड द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार, एंथनी फाउची ने अमेरिकी टैक्सपेयर्स के लाखों डॉलर चीन की उसी वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी को दिए थे, जिसे कोराना वायरस का सेंटर माना जाता है। सामने आए डॉक्यूमेंट्स से पता चला है कि फाउची ने वुहान इंस्टीट्यूट में चमगादड़ कोरोना वायरस पर खतरनाक गेन-ऑफ फंक्शन रिसर्च के लिए फंडिंग किए थे।

एंथनी पर दुनिया से सच छिपाने का आरोप : एंथनी फाउची

पर सीधा आरोप लगाते हुए तुलसी गबार्ड ने कहा कि उन्होंने 2024 में अमेरिकी संसद के सामने शपथ लेकर झूठ बोला था। गबार्ड ने यह भी दावा किया कि फाउची ने इंटेलिजेंस कम्यूनिटी के साथ मिलकर लैब से लीक हुए सबूतों को छुपाया और दुनिया के सामने झूठा पेश किया कि वायरस नेचुरल था, ताकि उनके फंडिंग द्वारा फंडिंग इस खतरनाक रिसर्च को सामने नहीं आ सके।

गबार्ड की ऑफिस ने जारी किया बयान : तुलसी गबार्ड की ऑफिस से जारी एक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है कि एंथनी ने वायरस के लैब-लीक से फैलने की सच को दबाने के लिए राजनीति से प्रेरित अधिकारियों के साथ मिलकर इस काम को अंजाम दिया गया।

बयान के मुताबिक, ये डॉक्यूमेंट कोविड-19 पर इंटेलिजेंस कम्युनिटी के आकलन को प्रभावित और हेरफेर करने में सीधी भूमिका को उजागर किया गया है। 'राष्ट्रपति से अहम तथ्यों को छुपाया गया खुलासे में यह भी सामने आया है कि जिन व्हिसलब्लोअर्स या विशेषज्ञों ने एंथनी के झूठ को चुनौती देने की कोशिश की, उन्हें डराया-धमकाया गया और उनके करियर बर्बाद कर दिए गए। गबार्ड ने इसे 'डीप स्टेट प्लेबुक' का हिस्सा बताते हुए कहा कि उन्होंने अपनी गलतियों को छिपाने के लिए निर्वाचित राष्ट्रपति तक को महत्वपूर्ण तथ्यों से दूर रखा।

बिना हिजाब गाना गाने पर ईरान की इस मशहूर गायिका को मिली 74 कोड़ों की सजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान इस समय अमेरिका और इजरायल के साथ चल रही भयानक जंग को लेकर पूरी दुनिया में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन अब वहां से एक बेहद हैरान करने वाली और मानवाधिकारों से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। ईरान की एक बहुत ही मशहूर गायिका को बिना हिजाब के ऑनलाइन गाना गाने के आरोप में 74 कोड़ों की खौफनाक सजा सुनाई गई है। इस चौंकाने वाली खबर ने पूरी दुनिया में मानवाधिकार समर्थकों और कला प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस 29 वर्षीय मशहूर ईरानी गायिका का नाम परस्तू अहमदी है जो मुख्य रूप से अपने पारंपरिक लोक संगीत के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। परस्तू अहमदी के साथ उनके 8 अन्य सहयोगी कलाकारों को भी इस मामले में बिल्कुल यही दर्दनाक सजा दी गई है। अदालत ने इन सभी कलाकारों के देश छोड़ने पर भी पूरे दो साल का कड़ा और सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा ये सभी लोग अगले दो सालों तक किसी भी सार्वजनिक कलात्मक गतिविधि में भी बिल्कुल भाग नहीं ले सकेंगे।

बिना हिजाब गाया था देशभक्ति गीत : यह पूरा विवाद पिछले साल दिसंबर 2024 में हुए एक ऑनलाइन म्यूजिक कॉन्सर्ट से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। परस्तू अहमदी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक मशहूर देशभक्ति गीत का शानदार लाइव प्रसारण किया था। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सिर पर हिजाब नहीं पहना था और एक स्लीवलेस ड्रेस पहनकर अपना गाना गाया था। उनका यह लोकप्रिय 'अज खूने जवानाने वतन' गीत सोशल मीडिया पर देखते ही देखते काफी ज्यादा वायरल हो गया था।

अदालत ने लगाया अश्लीलता का आरोप : इस विवादित वीडियो के वायरल होने के तुरंत बाद परस्तू अहमदी और उनके साथी संगीतकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था लेकिन उनके खिलाफ यह कानूनी मामला लगातार चलता रहा। अब कोम प्रांत की एक अदालत ने इन सभी कलाकारों पर अश्लील और अनैतिक सामग्री ऑनलाइन फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। इसी आधार पर अदालत ने इन सभी को 74 कोड़े मारने का यह बहुत ही सख्त और क्रूर आदेश सुनाया है।

पहले भी उठा चुकी हैं महिलाओं की आवाज : परस्तू अहमदी पूरे ईरान में अपने सुरीले पारंपरिक और लोक संगीत के लिए युवा वर्ग के बीच बहुत ज्यादा जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2022 में ईरान में हुए प्रसिद्ध 'महिला, जीवन, आजादी' आंदोलन का भी बहुत ही खुलकर भारी समर्थन किया था। वह हमेशा से ईरानी महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उनके बुनियादी अधिकारों के लिए अपनी इसी निडरता की वजह से वह हमेशा ईरानी सरकार और वहां के स्थानीय कट्टरपंथियों के निशाने पर बनी रहती हैं।

खामेनेई पर डोनाल्ड ट्रंप भड़के, कहा- ईरान को अब फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो दिन पहले ही 14 सूत्रीय समझौते हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर ईरान पर भड़के हैं. ट्रंप इतना ज्यादा गुस्सा हो गए कि उन्होंने कहा कि वे ईरान को फूटी कौड़ी नहीं देंगे.

ट्रंप ने गुस्सा होते कहा कि दोनों देशों के बीच हुए युद्ध के बाद ईरान की सैन्य क्षमताएं बेहद कमजोर हो गई हैं. इस दौरान ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अमेरिका ईरान को आर्थिक मदद नहीं देगा. उसे फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी. राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक अब ईरान के पास ना वायुसेना बची है और ना ही उसके पास एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम है. उन्होंने कहा कि ईरान बेहद कमजोर हो चुका है.

डेमोक्रेट्स पर भी बोला हमला : अमेरिकी राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिस पार्टी पर भी तीखे हमले किए. उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना का सीधा जवाब देते हुए कहा कि जिसके सदस्यों ने दावा किया कि ईरान आज चार महीने पहले की तुलना में ज़्यादा मज़बूत स्थिति में है. वे सरासर गलत हैं. ट्रंप ने इन दावों को खारिज करते हुए विपक्ष के नजरिए को बिना जानकारी वाला बताया. युद्ध ने ईरान को कमजोर कर दिया है! अब उसके पास एयर फोर्स, नेवी, एंटी-एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, रडार, या असल में कुछ भी नहीं है, और फिर भी डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग कहते हैं कि ईरान अब चार महीने पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है. क्या आप सोच सकते हैं कि इससे बच निकला जाए?? कुछ लोग कितने बेवकूफ हो सकते हैं? अपने ट्रुथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि शांति समझौता अमेरिका की कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि ईरान की जरूरत की वजह से हुआ है, क्योंकि उन्होंने आर्थिक राहत पर अपना कड़ा रुख बनाए रखा है. उन्होंने लिखा कि हम हताशा में नहीं मिले, ईरान मिला. वे खत्म हो गए हैं! हम 60 दिन खेलेंगे. उन्हें कोई पैसा नहीं मिलेगा. उनकी यह बात स्विस विदेश मंत्रालय द्वारा गुरुवार (लोकल टाइम) को कन्फर्म किए जाने के बाद आई है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली बातचीत टाल दी गई है. न्यूज एजेंसी को जवाब देते हुए, स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह बातचीत को आसान बनाने के लिए तैयार है. उसने कहा कि यूएम, ईरान, कतर और पाकिस्तान के बीच तय बातचीत टाल दी गई है. स्विट्जरलैंड इन बातचीत को आसान बनाने के लिए तैयार है. बर्गेनस्टॉक में जरूरी तैयारी का काम जारी है. अभी और कोई जानकारी नहीं दी जा सकती. इससे पहले, व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने गुरुवार (लोकल टाइम) को कहा कि अमेरिकी वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस आगे की बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड नहीं जाएंगे, क्योंकि बातचीत का प्लान अभी फाइनल नहीं हुआ है. प्रवक्ता ने कहा कि एक डेलीगेशन पहले मौके पर जाने के लिए तैयार है. प्रवक्ता ने कहा कि जैसा कि वाइस प्रेसिडेंट ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आने वाली टेक्निकल बातचीत के प्लान अभी फाइनल नहीं हुए हैं, और र डेलीगेशन पहले मौके पर जाने के लिए तैयार है, लेकिन इन बातचीत का लॉजिस्टिक्स कभी भी आसान या अंदाजा लगाने लायक नहीं रहा है।

लेबनान समेत सभी मोर्चों पर जंग खत्म कराए; हिजबुल्लाह बोला- इजराइल का कब्जा मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान ने कहा है कि लेबनान समेत सभी मोर्चों पर जंग खत्म कराने की जिम्मेदारी अमेरिका की है। अगर समझौते का उल्लंघन होता है, तो इसके लिए वॉशिंगटन को जिम्मेदार माना जाएगा। अल जजीरा के मुताबिक, यह बयान ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत में दिया। इधर, इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम लागू होने की खबरों के कुछ घंटे बाद हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने कहा कि संगठन इजराइली कब्जे को कभी स्वीकार नहीं करेगा। बेरूत में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह कब्जे वाली जमीन को मुक्त कराने के अपने लक्ष्य पर कायम है। संगठन लेबनान के संविधान के दायरे में काम करता है और विदेशी दबदबे को खारिज करता है। कासिम ने कहा, अगर दुश्मन हमारे खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करता है, तो हम भी हथियारों से जवाब देंगे।

ट्रम्प ने अमेरिका-ईरान समझौते पर सर्वे साझा किया : ट्रम्प ने क्वांटस इनसाइट्स का एक सर्वे साझा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान के शुरुआती समझौते पर लोगों की राय पूछी गई। इस समझौते में दोनों देशों के बीच तनाव रोकने, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू करने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम व प्रतिबंधों पर 60 दिनों तक बातचीत करने का प्रस्ताव शामिल है।

16-17 जून 2026 के बीच 1,000 संभावित वोटर्स पर किए गए इस सर्वे में 43% लोगों ने समझौते का जोरदार समर्थन किया,

जबकि 13% ने कुछ हद तक समर्थन जताया। 16% लोगों ने न समर्थन किया और न विरोध, 15% ने कहा कि वे निश्चित नहीं हैं। वहीं, 8% लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया और 5% ने कुछ हद तक विरोध जताया। ईरान ने फीफा वर्ल्ड कप आयोजकों पर भेदभाव का आरोप लगाया ईरानी फुटबॉल महासंघ के महासचिव हेदायत मोम्बेनी ने वर्ल्ड कप आयोजकों पर ईरान की टीम के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह वर्ल्ड कप के इतिहास का एक काला अध्याय है। ईरान की टीम फिलहाल मेक्सिको में ठहरी हुई है। टीम चाहती थी कि रविवार को लॉस एंजिलिस में बेल्जियम के खिलाफ होने वाले मैच से दो दिन पहले अमेरिका पहुंच जाए, क्योंकि मुकाबला स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर 12 बजे शुरू होगा। लेकिन ईरानी फुटबॉल महासंघ का कहना है कि उसकी यह मांग ठुकरा दी गई। मोम्बेनी ने तिजुआना में टीम के ट्रेनिंग कैंप में पत्रकारों से कहा, 'यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। हमारे साथ हुए समझौते और नियमों का इस तरह पालन नहीं होना फुटबॉल की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। ' हालांकि, अमेरिका ने ईरान के आरोपों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की फीफा टास्क फोर्स के प्रमुख एंड्रयू जुलियानी ने कहा कि ईरान को पहले ही बता दिया गया था कि उसकी टीम को अपने मैच से सिर्फ एक दिन पहले ही अमेरिका में आने की अनुमति होगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.